हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 1 नवंबर 2026

गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में मध्यप्रदेश पुलिस का दमदार प्रदर्शन

2600 किमी की यात्रा कर पहुंचे 7 पुलिस बाइकर्स हॉक फोर्स और पुलिस बैंड ने भी बढ़ाया 'गौरव'

इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता के साथ नशामुक्त भारत का संदेश देना था

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज स्टैचू ऑफ यूनिटी जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद एकता परेड, फ्लैग मार्च, महिला नेतृत्व में मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भारतीय वायुसेना का एयर शो हुआ। गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में मध्यप्रदेश पुलिस ने गौरवपूर्ण सहभागिता की। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सान्निध्य में आयोजित इस भव्य समारोह में प्रदेश के सात सदस्यीय पुलिस बाइकर्स दल, हॉक फोर्स कंटिंजेंट और मध्यप्रदेश पुलिस बैंड ने हिस्सा लिया।



22 अक्टूबर को पुलिस महानिदेश कैलाश मकवाणा ने बाइकर्स को किया था रवाना

एसएएफ के 225 बाइकर्स शामिल

रिजर्व इंस्पेक्टर धनंजय शर्मा के नेतृत्व में दल ने इंदौर और अलीराजपुर होते हुए 2600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा पूरी कर एकता नगर पहुंचा। यात्रा के दौरान बाइकर्स ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। परेड में देश के विभिन्न राज्यों की पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 225 से अधिक बाइकर्स एवं कमांडो शामिल हुए। मध्यप्रदेश पुलिस बैंड ने देशभक्ति की धुनों से समारोह में समां बांधा, वहीं हॉक फोर्स की टुकड़ी ने भी अपनी सहभागिता से प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

स्काईवॉक पर पीएम



खबर संक्षेप

आंध्र प्रदेश में क्लास में घुसकर गला रेता

अनंतपुर। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार सुबह एक युवक



आरी लेकर राप्टाडु स्थित जिला परिषद हाई स्कूल की कक्षा में घुस गया और 10वीं की छात्रा पर जानलेवा हमला कर उसका गला रेत दिया। उसकी पहचान धर्मावरम के रहने वाले हेमंत उर्फ डुम्मू (21 वर्ष) के रूप में हुई है। उसने अय्यावरीपल्ली गांव की रहने वाली 15 वर्षीय छात्रा गोपिका पर हमला किया। बीच-बचाव करने आई उसकी एक सहेली गंभीर है।

जबलपुर में 871 किलो गांजा पकड़ा, 2 अरेस्ट

जबलपुर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की झांसी यूनिट ने जबलपुर में दबिश देकर 871 किलो अवैध



गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की कीमत करीब 4.35 करोड़ रुपए आंकी गई है। जबलपुर के थाना गोहलपुर क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-30 पर मुस्कुरा मोड़ के पास घेराबंदी कर खेप के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने अपने नाम अलीगढ़ में इगलास थाना क्षेत्र स्थित नगला कलुआ निवासी धर्मवीर बताया।

उमर अब्दुल्ला ने निधि राजदान से शादी की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने पत्रकार निधि राजदान के साथ शादी कर ली है।



उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर निधि राजदान के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा कि कल से एक नए सफर की शुरुआत हुई। उनकी यह शादी सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी पहली पत्नी पायल अब्दुल्ला से तलाक को मंजूरी दिए जाने के करीब 3 महीने बाद हुई है। दरअसल कोर्ट ने उमर अब्दुल्ला और पायल की शादी खत्म की थी।

राहुल गांधी बोले- 2024 के लोकसभा चुनाव अवैध

19 विपक्षी दलों के 215 सांसद मौजूद रहे

विपक्ष की संसद 3.23 घंटे चली, ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन-महाभियोग पास

आज रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक का 'शंखनाद'

रविवार को इंडिया ब्लॉक 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली करेगा। कांग्रेस का दावा है कि इस रैली में देश भर से करीब 10 लाख लोग पहुंचेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी के यूथ भी हिस्सा लेंगे। रैली के लिए मैदान में विपक्षी नेताओं के लिए मुख्य मंच पर बड़ा तिरंगे के रंग का टेंट और मंच तैयार किया गया है। गठबंधन के विभिन्न घटक दलों और राज्य इकाइयों के लिए अलग से मंच और ठिकाने बनाए गए हैं। मैदान में हजारों प्लास्टिक की कुर्सियां और सफेद तंबू लगाए गए हैं ताकि दूर-दूर से आने वाले कार्यकर्ताओं को परेशानी न हो। कांग्रेस और यूथ कांग्रेस मुख्यालय (अकबर रोड) पर भी बड़े टेंट लगाए गए हैं, जहां से कार्यकर्ता एकत्र होकर मार्च करते हुए रामलीला मैदान पहुंचेंगे। नेता मल्लिकार्जुन खरगे के आवास से मिंटो रोड तक खुली बसों की भी तैयारी है कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 3,500 से 4,000 से अधिक जवान तैनात किए गए हैं। रामलीला मैदान और उसके आसपास के इलाके को कई सुरक्षा जोन में बांटा गया है।



मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ अन्य नेता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा एसआईआर के जरिए 13.3 करोड़ यानी 15 फीसदी मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें से कई ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। उस चुनाव में जीत का अंतर सिर्फ 3 फीसदी वोट का था। राहुल शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर चली मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे।

- ***यह जन-महाभियोग दोपहर करीब 3 बजे से शुरु हुआ***
- ***मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर चली मॉक पार्लियामेंट***

समझ में आ जाएगा कि भाजपा का खेल क्या है?

राहुल ने कहा कि यह कितनी अजीब बात है कि मुख्य चुनाव आयुक्तके महाभियोग पर चर्चा करने के लिए पूरे विपक्ष को बागीचे में बैठना पड़ रहा है, क्योंकि हमारे लिए बाकी सभी संस्थान बंद हैं। ज्ञानेश कुमार सीईसी के पद पर नहीं टिक पाएंगे, अगर हमारे खुलासे के बाद भी भाजपा उन्हें बनाए रखने पर अड़ी रहती है, तो हमें समझ आ जाएगा कि उनका क्या खेल है।

खरगे ने लगाए 6 आरोप

1. चुनाव चुराने की साजिश रची गई
2. 13.2 करोड़ वोटरों के नाम हटा दिए गए
3. संसद की निगरानी या जानकारी के बिना 'फॉर्म 6' को बदल दिया
4. इलेक्टोरल रोल पर कब्जा कर लिया
5. बाकी दो चुनाव आयुक्तों को प्रक्रिया से बाहर रखा
6. मोदी और शाह के इशारे पर काम किया

भाजपा की भी रैली आज

भाजपा ने कांग्रेस की 1 नवंबर की रैली के खिलाफ बड़ी तैयारी की है। भाजपा के इस मार्च में 1984 के एंटी सिख दंगों के पीड़ित और उनके परिवार के लोग भी शामिल होंगे। 1 नवंबर को सुबह 11 बजे से दिल्ली के हरिनगर में मार्च निकालेगा। इस रैली में भाजपा के बड़े सिख नेताओं समेत पार्टी के अन्य बड़े नेता भी शामिल होंगे। हरदीप पुरी इस रैली का नेतृत्व करेंगे।

वोट चोरी पं. नेहरु ने की थी: पात्रा



भाजपा के प्रवक्ता संविद पात्रा ने पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस पार्टी और उनके कुछ सहयोगी दल लोकतंत्र के साथ मजाक कर रहे हैं। असली पार्टियामेंट में सोना, आंख मारना, काम काम नहीं करने देते हैं।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान

हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा

लोकतंत्र की मजबूती के लिए जागरुक नागरिकों की भागीदारी जरूरी



पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु 'प्रबुद्ध जन गोष्ठी' को संबोधित करते हुए

जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रबुद्ध जन गोष्ठी को संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

लोकतंत्र की मजबूती केवल संवैधानिक संस्थाओं से नहीं, बल्कि जागरुक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, सकारात्मक संवाद और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान से सुनिश्चित होती है। समाज के प्रबुद्ध वर्ग की जिम्मेदारी है कि वह लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने और राष्ट्रहित के विषयों पर जन-जागरुकता बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाए। यह बात हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने शनिवार को सोहना रोड स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रबुद्ध जन गोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत इस कार्यक्रम में कैप्टन अभिमन्यु मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान पर दिया जोर

गोष्ठी में लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और सुशासन को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान देना चाहिए।

अगले महीने सिर जोड़ा जाएगा

विष्णु मूर्ति का अलग हुआ सिर एएसआई के स्टोर रूम में मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ खजुराहो



■ इसका खुलासा ब्रिक्स सम्मेलन में हुआ

खजुराहो स्थित 11वीं सदी के जवारी (वामन) मंदिर की खंडित प्रतिमा को अगले महीने तक पुराना रूप मिल जाएगा। मंदिर के गर्भगृह में बलुआ पत्थर से बनी भगवान विष्णु की प्रतिमा का धड़, चारों भुजाएं और पैर मौजूद हैं लेकिन मस्तक लंबे समय से लापता था। ये अब पुरातत्व विभाग (एएसआई) के स्टोर में ही मिला है।

ऑर्डनेंस फैक्ट्री से लौट रही थी

चाइनीज मांझे से हेलमेट के अंदर कटी महिला की नाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ इटारसी



■ कॉन्स्टेबल के माथे-कान पर 8 टांके

इटारसी (नर्मदापुरम) के ओवरब्रिज पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। इनमें सिटी थाने के कॉन्स्टेबल अफजल खान और ऑर्डनेंस फैक्ट्री कर्मचारी दीक्षा चौधरी शामिल हैं। अफजल के माथे पर 6 और कान पर 2 टांके आए हैं, वहीं दीक्षा के चेहरे और अंगूठे पर कट लगे हैं। उन्होंने हेलमेट पहन रखा था।

रिफाइनरियों का निर्यात रुझान संतुलित होगा

अब पेट्रोल के निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



■ डीजल और एटीएफ पर बढ़ाई गई ड्यूटी

वित्त मंत्रालय की तरफ से शनिवार को जारी की गयी अधिसूचनाओं के अनुसार, सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को खत्म करने का एलान कर दिया है। वहीं, डीजल के निर्यात पर लगने वाले शुल्क को 3 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले शुल्क को 50 पैसे प्रति लीटर बढ़ा दिया गया है।

संगठन विस्तार और आगामी कार्ययोजना पर होगा मंथन

इंदौर में जुटेंगे संघ के 408 प्रमुख पदाधिकारी

अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 2 से 4 नवंबर तक होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 2 से 4 नवंबर तक इंदौर में आयोजित होगी। बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में हुए कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ संगठन विस्तार, संगठनात्मक बदलाव और आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में देशभर के करीब 408 प्रमुख पदाधिकारी एवं



सुनील आंबेकर प्रेस वार्ता में बोलते हुए

कार्यकर्ता शामिल होंगे। इनमें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सहसरकार्यवाह तथा 11 क्षेत्रों और 46 प्रांतों के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हैं।

देश भर में आयोजन

बैठक से पहले शनिवार को संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पत्रकारों को बताया कि विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026 तक शताब्दी वर्ष के तहत देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्तमान में संघ की 1,01,151 दैनिक शाखाएं संचालित हो रही हैं, जबकि साप्ताहिक मिलन सहित कुल 1,10,849 स्थानों तक संघ का कार्य पहुंचा है।

पॉक्सो कोर्ट के निर्देश पर 5 लोगों पर केस

2 लाख के कैश-जेवर ले गया आरोपी

मां के नौकरी पर जाते ही नाबालिग से दुष्कर्म किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर



बहोड़ापुर थाना इलाके में ऑनलाइन दोस्ती के बाद एक सिरफिरे युवक ने नाबालिग लड़की की जिंदगी नर्क बना दी। आरोपी न केवल डरा-धमकाकर छात्रा के साथ बार-बार रेप किया, बल्कि घर से 2 लाख रुपए नकद और पुश्तैनी सोने के गहने भी लूट ले गया। पुलिस के द्वारा मामले पर ध्यान न देने के बाद पीड़िता की मां ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। जिसके बाद पॉक्सो कोर्ट के सख्त रुख और निर्देश के बाद शनिवार को बहोड़ापुर थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत उसके परिवार के 5 लोगों पर संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। शहर के बहोड़ापुर इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय 12वीं की छात्रा की सोशल मीडिया पर दिसंबर 2025 में आरोपी नितेश शर्मा से पहचान हुई थी। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि वे 20 से 26 मार्च के बीच लगातार बहोड़ापुर थाने और एसपी ऑफिस के चक्कर काटती रहीं, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और केवल भ्रामक आवेदन पर दस्तखत करा लिए। तंग आकर पीड़िता की मां ने अधिवक्ता के माध्यम से स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में परिवाद पत्र प्रस्तुत किया।

मंदसौर में 'स्व बोध : आत्म जागृति से राष्ट्र निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया

जेन जी नहीं, तरुण भारत बनकर देश निर्माण में योगदान दें युवा -तोमर

'अभिव्यक्ति की आजादी' दुरुपयोग के लिए नहीं है यह मर्यादित आचरण व देश को आगे बढ़ाने के लिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी है, लेकिन इसका उपयोग अराजकता फैलाने या देश को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं होना चाहिए। यह आजादी मर्यादित आचरण और देश को आगे बढ़ाने के लिए है।



नरेंद्र सिंह तोमर



विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

युवाओं को याद रखना चाहिए कि यह स्वतंत्रता बलिदानों के बाद मिली है। उन्होंने कहा कि जेन जी और तरुण भारत के अर्थ में बड़ा अंतर है। जेन जी को अराजकता से जोड़कर देखा जाता है, जबकि तरुण भारत देश के विकास और निर्माण के प्रति समर्पित विचार है। तोमर मंदसौर में आयोजित 32वीं भारतीय युवा संसद में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। 'स्व बोध : आत्म जागृति से राष्ट्र निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि युवाओं को देश के गौरवशाली अतीत, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ना चाहिए। खुदीराम बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु और रानी लक्ष्मीबाई जैसे युवा देशभक्ति और बलिदान के प्रतीक हैं। आदि शंकराचार्य और स्वामी विवेकानंद ने भी युवावस्था में देश और दुनिया को नई दिशा दी।



नई सोच, नई गति से
आगे बढ़ता
मध्यप्रदेश



71वां
स्थापना दिवस
समारोह
1-3 नवम्बर, 2026

शुभारंभ
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
लाल परेड ग्राउंड, भोपाल



"हर जीवन को स्पर्श करते विकास से,
हर चेहरे पर मुस्कान लाती समृद्धि तक
किसान के खेत से युवाओं के सपनों और
नारी के सम्मान से वंचितों की उन्नति तक

बदलाव की मिसाल बनता
मध्यप्रदेश

71वें स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

D-11159/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

Hero

हीरो संग
त्योहार है
हर कहीं...

Herotsav
1 से 4 नवम्बर 2026

हर दिन एक हीरो टू-व्हीलर
जीतने का मौका पाएं.

सोने का सिक्का और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं.*









कैश डिस्काउंट
₹3 000~ तक

फाइनेंस
100%^ तक

एक्सचेंज बोनस
₹5 000^ तक

इंस्टेंट डिस्काउंट
₹10000$ तक
sbi card HDFC BANK pine labs

कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹3 200' तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

5 YEAR WARRANTY
Hero GoodLife
Also Available on: Flipkart amazon.in
Finance Powered by: Hero FINCORP SHRIRAM Finance

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts.Cash discount & Corporate offer are exclusive and can't be availed together. ^Finance/Card offer are at the sole discretion of the financier/bank, subject to their respective T&Cs. 100% finance applicable on Ex-showroom price, Offer available only on limited stores. $Offer is only for New Goodlife members, Limited period offer, T&C apply

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलर: जबलपुर: सुपट हीरो (साउथ सिविल लाईन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344),डीलर एक्सटेंशन: सुदर्शन हीरो (आनंद नगर बस स्टॉप), 9289922353; बालाघाट: जायसवाल हीरो 9289922572, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, मण्डला: शुभा हीरो 9289922600, नरसिंहपुर: रचना हीरो 9289922377, रीवा: बद्रिका हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद रोड 9171705391), सतना: स्टार हीरो 9289922356, बद्रिका हीरो 9289923108, शहडोल: विभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, चैदन: बजरंग मोटर्स 7354559000, सीधी: राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुदर्शन हीरो 9821745435, चौरई: श्रीजी ऑटोमोबाईल्स, 9821749342, एसोशिएट डीलर: पथरिया: एसएस ऑटोमोबाइल्स, 9691147568, सेमरिया: आकाश मोटर्स 9893918358, अमरवाड़ा: अर्पित ऑटोमोबाईल्स 7428595943, ब्यौहारी: श्री राम ऑटोमोबाईल्स 9424683246, बुड़हार: श्री ऑटोमोबाईल्स 9425181937, डिंडोरी: अवधिया ऑटो 8959777333, नेनपुर: स्वास्तिक मोटर्स 9893746172, गाडरवाड़ा: शेखर व्हीकल्स 9425467409, जुन्नारदेव: लक्ष्मी नारायण मोटर्स 8109164000, कोतमा: सिटी ऑटोमोबाईल्स 7987519546, मेहर: वैशाली ऑटोमोबाईल्स 9424741022, मउगंज: सेंगर मोटर्स 9425185568, लांझी: श्रीखण्ड ऑटोमोबाईल्स 7428390262, पांडुरना: जय भवानी ऑटोमोबाईल्स 7428390263, परासिया: श्री महावीर ऑटोमोबाईल्स 7354460008, रामपुर बघेलान: सॉर्ड ऑटोमोबाईल्स 9993224296, टांडी: गुरुकृपा ऑटो 9424728007, सिहोरा: बाईक प्वांट 9826802730, उमरिया: गुप्ता ऑटो एजेन्सी 9285505630, वारासिवनी: रुसिया मोटर्स 9425822392, जतारा: शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइज़ेज 7000242371, पृथ्वीपुर: महावीर एजेंसीज 7000375943, मुलताई: शारदा श्री मोटर्स 9522870001, चितरंगी: ओम मोटर्स 9685416118, बटगवां: बजरंग मोटर्स 9926183734, बहरी: श्याम एजेंसी 9981238133, बटही: अजीत ऑटोमोबाइल्स 7566217410, 9131739086, अनूपपुर: बाल गोविंद ऑटोव्हील्स 9770531138, 9770744844, नागोद: चौरसिया ऑटोमोबाइल्स 9926365074, देवसर: श्री राम मोटर्स 9425086868 अमरपाटन: रिशु ऑटोमोबाइल्स 9893829195, स्लीमनाबाद: अनिल मोटर्स 9425466101, रामनगर: विजय ऑटोमोबाईल्स 9893252517, धनोरा: भवानी व्हीकल्स 9424950703, सरई: यश मोटर्स, 9981718853, सालीचौका: अभिषेक इंटरप्राइजेज 8989434793, उंचेहरा: अंकुर ऑटोमोबाइल्स, 9589176355, दुधमनिया सिंगरौली: राधा कृष्ण मोटर्स, 7000995137, गढ़: अंबे मोटर्स, 9144881695, गुन्नौर: मधुबन मोटर्स, 8959050501, वीरसिंहपुर: तनु ऑटोमोबाइल्स, 9425886424, कोठी: लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स, 7987308294, अम्दारा: शशि मोटर्स, 8839967734, सलेहा: ए एस ऑटोमोबाइल्स, 9425123895, खटखरी: खटखरी ऑटोमोबाइल्स, 9617241128, देवतालाब: वर्षा मोटर्स, 9424622310, गुढ़: विंध्य मोटर्स, 9229072020, चाकघाट: श्री साई मोटर्स, 9575845089, पथ: श्री सिद्धि मोटर्स, 7607799201, सिंगरौली: यश मोटर्स, 9981718853, पोंडी बागदारी: राधा कृष्ण मोटर्स, 7000995137, बागदरा: साई श्रद्धा एसोसिएट्स, 9893870516, बरका: असद ऑटोमोबाइल्स, 8821819132, रामपुर नैकिन: लक्ष्मी जी ऑटोमोबाइल्स, 7224852277, मडवास: ओम मोटर्स, 9009066959, तनसर: निखिल मोटर्स, 7223949618, अमिलिया: लवकुश मोटर्स, 9144594444, छपरा: गायत्री एजेंसी, 7000633996, कटंगी: राणा ऑटोमोबाइल्स, 9407033578, साईखेड़ा: केशवानंद मोटर्स, 8989828648, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, नरसिंहपुर: रचना हीरो 8815396340, दमोह : इंडिया ऑटो सेंटर 8839230079

जबलपुर
रविवार, 1 नवंबर 2026
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-7
वर्ष : 21, अंक : 178
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 24
न्यून. 18

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com



13 हार के बाद बदलाव की राह पर भारत ...

आजकल
8 इजराइल : सत्ता से बेदखल ...





समृद्ध किसान, सशक्त युवा और आत्मनिर्भर महिलाएं बनाएंगी विकसित मध्यप्रदेश

गौरवशाली अतीत..... विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र शासन

सीएम का ब्लॉग

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए मध्यप्रदेश ने 7 दशकों में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों और जनजातीय संस्कृति से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्वविख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी विशिष्ट पहचान हैं। इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयां हासिल करना हमारा लक्ष्य है। वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के अनुरूप इस बार मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और किसान इसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी आय बढ़ाना, खेती को लाभकारी बनाना और आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि अधोसंरचना का विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं

प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से युवाओं को जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। खेलों के क्षेत्र में भी प्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण सुविधाओं और खेल अधोसंरचना का विस्तार किया जा रहाहै।

खबर संक्षेप

पिकअप ने उड़ाया, दंपती समेत बच्चे की मौत

शाजापुर। सारंगपुर-अकोदिया मार्ग पर पिकअप की टक्कर से एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। मृतकों की पहचान आष्टा की इंद्र कॉलोनी निवासी अजित पंवार, उनकी पत्नी पूजा और दो साल के बेटे शिवांशु के रूप में हुई है।



परिवार बेटे के जन्मदिन पर मंदिर जा रहा था। हादसा गोदना गांव के पास हुआ। घटना के बाद ग्रामीणों ने पिकअप को पकड़ लिया। सलसलाई थाना प्रभारी के मुताबिक, गोदना गांव के पास अचानक एक कुत्ता बाइक के सामने आ गया। अजित ने ब्रेक लगाए, तभी पीछे से आ रही पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी।

डॉ. एल मुरूगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी यह सीट

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा के लिए मप्र से दाखिल किया नामांकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को राज्यसभा प्रत्याशी के तौर पर मप्र विधानसभा में पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जबकि तेलंगाना राज्य के निर्दलीय प्रत्याशी कांते सायन्ना ने भी नामांकन दाखिल किया है। अब तक में मप्र से राज्यसभा के एक सीट के लिए दो प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। 3 नवंबर को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी। दो प्रत्याशियों की स्थिति में 12 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। मप्र राज्यसभा के लिए भाजपा से डॉ. एल मुरूगन निर्वाचित हुए थे। उनका कार्यकाल 2 अप्रैल 2030 तक था। उन्होंने अपरिहार्य कारणोंवश इससे काफी पहले अक्टूबर में अपना त्यागपत्र दे दिया था।

- 3 नवंबर को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी
- दो प्रत्याशियों की स्थिति में 12 नवंबर को मतदान कराया जाएगा
- तेलंगाना के हैदराबाद से आए कांते सायन्ना ने भी नामांकन दाखिल किया



नामांकन जमा करते हुए पुरी

शपथ पत्र में उल्लेख... पुरी का स्विट्जरलैंड में भी एक अपार्टमेंट

पुरी ने नामांकन पत्र के साथ दाखिल शपथपत्र में स्वयं तथा पत्नी की संपत्ति का ब्यौरा भी दिया है। पुरी के नाम दिल्ली में करीब 20 करोड़ रुपए का आवासीय मकान है, जबकि उनकी पत्नी के नाम ग्रेटर नोएडा में 9 करोड़ रुपए का मकान और स्विट्जरलैंड में एक अपार्टमेंट है, जिसकी मौजूदा 30 लाख स्विस फ्रैंक बताई गई है। शपथपत्र के मुताबिक पुरी और उनकी पत्नी की रुपए में दर्ज चल-अचल संपत्ति का कुल मूल्य करीब 46.20 करोड़ रुपए है। उनके पास विदेशी मुद्रा और स्विट्जरलैंड की संपत्ति भी है। पुरी के नाम कोई कृषि भूमि, गैर कृषि भूमि या व्यावसायिक भवन दर्ज नहीं है। पुरी और उनकी पत्नी दोनों ही भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) से सेवानिवृत्त हुए

ये है लोकतंत्र की खूबसूरती

अतिथि शिक्षक ने खरीदा नामांकन

1

बैतूल के 55 वर्षीय अतिथि शिक्षक हरिपाल बिहारे ने नामांकन फॉर्म खरीद लिया है। नामांकन के लिए उन्हें 10 विधायकों के हस्ताक्षर चाहिए। इसके लिए वे भाजपा और कांग्रेस नेताओं से संपर्क कर रहे हैं। उनका दावा है कि 10 विधायकों का समर्थन मिलने पर जीत उनकी होगी और भाजपा के 60-70 विधायक भी उन्हें वोट देंगे। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से आश्वासन मिलने की बात कही है।



तेलंगाना के कांते सयन्ना भी आए

2

एक और निर्दलीय दावेदार सामने आया है। देश के 10 से अधिक राज्यों में 50 से ज्यादा चुनाव लड़ चुके कांते सयन्ना ने भी नामांकन फॉर्म खरीदा है। वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव भी लड़ चुके हैं। सयन्ना का कहना है कि वे किसी राजनीतिक दल के भरोसे नहीं, बल्कि अपने खर्च पर चुनाव लड़ते हैं। उनका उद्देश्य आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं और अधिकारों के प्रति जागरुक करना है।



खून से लथपथ वकील का अस्पताल में हंगामा

शहडोल। जिले के बुढ़ार में अधिवक्ता अभिनव पाठक ने पुलिसकर्मियों पर लाठियों से पीटने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक, शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे दुर्गा पंडाल से हिसाब-किताब का काम निपटाकर लौट रहे थे। पुलिस ने उन्हें बस स्टैंड के पास रोका। मारपीट में उनके सिर और कान में चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंचे साथियों से भी मारपीट का आरोप है। घटना के बाद का अस्पताल और थाने के सामने का वीडियो सामने आया है। इसमें खून से लथपथ अधिवक्ता और कुछ पुलिसकर्मियों की वर्दी भी खून से सनी दिखाई दे रही है।



छुपाकर रखे 21 लाख रुपए निकालने पहुंचे तीन सरेंडर नक्सली गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैनपुर

गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र के कुल्हाड़ीघाट के राजाडेरा जंगल में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 लाख रुपए के डंप को निकालने पहुंचे दो महिला आत्मसमर्पित नक्सलियों और उनके एक स्थानीय सहयोगी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि यह वही कुल्हाड़ीघाट और राजाडेरा का इलाका है, जहां कभी खूंखार नक्सली नेताओं का साम्राज्य हुआ करता था और पुलिस के सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दुर्दांत नक्सली लीडर जयराम उर्फ चलपति को ढेर किया था। मैनपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग कुल्हाड़ीघाट राजाडेरा जंगल में जमीन के नीचे दबाकर रखे गए नक्सलियों के गुप्त फंड को निकालने पहुंचे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इलाके की चारों तरफ से नाकेबंदी और घेराबंदी की। इसी दौरान जंगल से एक भारी बैग लेकर लौट रहे तीन संदिग्ध पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए तीनों को दबोच लिया। आरोपियों के पास से एक काले रंग का बैग मिला, जिसके अंदर टिफिन पैक में 500-500 रुपए के नोटों के बंडल रखे हुए थे। गवाहों के समक्ष गिनती करने पर कुल 21 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। इसके अलावा उनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

जहां ढेर हुआ था चलपति, उसी राजाडेरा जंगल में था गुप्त खजाना





गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2), 61(2) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 17, 18, 20, 38 और 40 के तहत मामला दर्ज किया है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान

पुलिस गिरफ्त में आए आरोपियों में चलपति की गार्ड रही सिंगे उर्फ रोशनी (25 वर्ष) निवासी गामगुलावर, जिला सुकमा। एटेगट्टा, जिला सुकमा की बुधरी मुचाकी उर्फ बुदरी उर्फ सोनी (35 वर्ष) सीनापाली दलम की पूर्व कमांडर और स्थानीय सहयोगी नोहर मरकाम (36 वर्ष) निवासी भुतबेड़ा, थाना मैनपुर, जिला गरियाबंद के रूप में पहचान हुई है।

ठेकेदारों और आम लोगों से की गई थी अवैध वसूली

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद 21 लाख रुपए नक्सलियों द्वारा ठेकेदारों और आम लोगों को डरा-धमकाकर अवैध वसूली के जरिए जुटाए गए थे। 2024 में खूंखार नक्सली कमांडर चलपति ने इस बड़ी रकम को राजाडेरा जंगल में पहाड़ी के पास जमीन के अंदर छिपाकर रखा था। पुलिस के अनुसार, दोनों महिला आरोपियों ने पहले शासन की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर दिया था और सुकमा पुनर्वास कैंप में रह रही थीं। कैंप में रहने के दौरान ही उन्होंने अपने पुराने साथी नोहर मरकाम से संपर्क किया और जंगल में छिपाकर रखे गए इस खजाने को निकालकर एक बार फिर नक्सली संगठन की गतिविधियों को आर्थिक मजबूती देने की योजना बनाई थी। हालांकि, पुलिस की सतर्कता से इनकी यह साजिश नाकाम हो गई।

नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप

गुप्त बैठक कर प्लान तैयार, 4 दिन पहले हुए मंत्रिमंडल विस्तार से नाराज

खतरे में अब्दुल्ला की कुर्सी? 24 विधायकों ने कर दी बगावत

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला

बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर और गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानामंडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेगा।

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं।



एनसी के हैं 41 विधायक

आपको बता दें कि 90 विधायकों वाली विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 41 विधायक हैं। उमर अब्दुल्ला को कांग्रेस के छह विधायकों का समर्थन है। वहीं, कुछ छोटी पार्टियों और निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार बनाने में साथ दिया है। ऐसे में अगर 24 विधायकों का बगावत शांत नहीं हुआ तो उमर अब्दुल्ला की सरकार खतरे में आ सकती है। विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव की मांग तक कर सकता है।

यह है बागी विधायकों की मांगें

नेशन कॉन्फ्रेंस के सभी 24 बागी विधायक मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर असलम वानी को हटाने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी को हटाया जाए, जिन मंत्रियों ने अपने पद पर दो साल पूरे कर लिए हैं उन्हें हटाया जाए और मंत्रिपरिषद का पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। विधायकों के साथ-साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर से सांसद आगा रुहुल्लाह ने भी घोषणा की है कि वे अपनी संसदीय सीट और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। अब्दुल्ला के साथ रुहुल्लाह के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। अब उन्होंने पार्टी से अलग होकर अपना अलग रास्ता चुनने का फैसला किया है।

यह भी कहा विधायकों ने

बैठक में शामिल विधायकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ने की शपथ भी ली। हालांकि, कुछ लोगों पर पार्टी के आंतरिक कामकाज को कमजोर करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी ने बैठक को सामान्य मुलाकात बताया। उन्होंने कहा कि कैसर जमशेद लोन ने दोपहर के भोजन पर बुलाया था और इसे राजनीतिक बैठक नहीं माना जाना चाहिए।

कई दावेदारों को नहीं मिली जगह

27 अक्टूबर के कैबिनेट विस्तार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 4 विधायक अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्लाह, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कल्लू मंत्री बनाए गए। वहीं, निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। इस विस्तार में कई ऐसे वरिष्ठ विधायक मंत्री नहीं बन सके, जिनके नाम की चर्चा थी। इनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल भी शामिल हैं। मुबारक गुल को बाद में फारूक अब्दुल्ला ने अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी, कंप्यूटर असिस्टेंट्स का ईसीआईनेट एक्सेस किया गया खत्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर के ऑफिस ने सभी जिला चुनाव अधिकारी को राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में तैनात 806 कंप्यूटर असिस्टेंट की ईसीआईनेट लॉगिन आईडी तुरंत डीएक्टिवेट करने का निर्देश दिया है। इस कदम का मकसद वोटर रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद पीलीभीत और आजमगढ़ जैसे जिलों में पोर्टल पर लॉगिन क्रेडेंशियल के गलत इस्तेमाल की शिकायतों के बाद वोटर रोल मैनेजमेंट में सिक्योरिटी और अकाउंटेबिलिटी को टाइट करना है।

यूपी में 'फर्जीवाड़े' के बाद एक्शन में आया चुनाव आयोग

वापस लिया जा रहा है एक्सेस

हर विधानसभा सीट पर दो कंप्यूटर असिस्टेंट हैं, जो कि इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ईआरओ) के ऑफिस में वोटर रजिस्ट्रेशन सेंटर पर ऑपरेटर के तौर पर काम करते हैं। ईसीआईनेट पोर्टल पर उनका एक्सेस अब वापस लिया जा रहा है ताकि यह पक्का किया जा सके कि वोटर से जुड़ी एंट्री सीधे तौर पर उनके लिए जिम्मेदार अधिकारी ही करें।

बेंगलुरु की घटना

5-स्टार होटल के स्वीमिंग पूल में करंट, 2 विदेशियों की मौत

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में फाइव-स्टार होटल में स्विमिंग पूल में करंट लगने से 2 विदेशी नागरिकों की मौत हो गई है। यह घटना शहर के फाइव-स्टार कॉनराड होटल में हुई। पीड़ितों की पहचान जर्मन और स्लोवाकियाई नागरिकों के रूप में हुई है, जो होटल में ठहरे हुए थे। दोनों मृतकों के अलावा उन्हें बचाने की कोशिश में 2 और लोग घायल हो गए हैं। आरोप लगाया गया है कि दोनों मौतें कॉनराड होटल मैनेजमेंट की तरफ से स्विमिंग पूल के रखरखाव में लापरवाही बरतने के कारण हुई।



एक कमरे का किराया 25 हजार प्रतिरात

कॉनराड एक लग्जरी 24-मंजिला फाइव-स्टार होटल है, जो हिल्टन ग्रुप का हिस्सा है। इस घटना ने होटल की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां एक स्टैंडर्ड कमरे में रहने का खर्च कम से कम 25000 प्रति रात है, वहां ऐसी घटना चौंकाने वाली है। मृतक की पहचान जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थीस (57) के तौर पर हुई है, जो लुफ्थांसा एयरलाइंस में बतौर क्रू मेंबर काम करता था।

आप की लिस्ट जारी, सीएम मान लड़ेंगे धूरी से

मोहाली। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। सीएम भगवंत मान धूरी सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। 2022 में वे यहां से 58 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे। सूची में सभी मौजूदा विधायकों के नाम हैं। जेल में बंद मंत्री संजीव अरोड़ा का नाम भी इस लिस्ट में है। पंजाब की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल मार्च 2027 में समाप्त हो रहा है। इससे पहले राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 94 पर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हैं। आप ने लुधियाना वेस्ट से संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाया है। जून 2025 में अरोड़ा इसी सीट से उपचुनाव जीतकर मंत्री बने थे। अरोड़ा 100 करोड़ से ज्यादा के मनी लॉन्ड्रिंग केस में साढ़े 5 महीने से गुरुग्राम जेल में बंद हैं। बुरे वक्त में पार्टी साथ नहीं छोड़ती, यही साबित करने को आप ने उन्हें उम्मीदवार बनाया।

871 किलो 95 ग्राम गांजा के साथ यूपी और पश्चिम बंगाल के दो तस्कर गिरफ्तार

पेंट के डिब्बों की आड़ में 4.35 करोड़ का गांजा तस्करी का खेल, जबलपुर पुलिस ने पकड़ा कंटेनर

हरिभूमि जबलपुर।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जबलपुर पुलिस ने बड़ी और सराहनीय कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एनएच-30 पर घेराबंदी कर एक कंटेनर से 871 किलो 95 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 35 लाख 55 हजार रुपये बताई गई है। तस्करों ने पुलिस और जांच एजेंसियों को चकमा देने के लिए गांजे की 28 बोरियों को पेंट के 412 डिब्बों के बीच छिपाकर रखा था। कार्रवाई में उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गांजे के साथ पेंट के डिब्बे और तस्करी में इस्तेमाल कंटेनर भी जब्त किया है। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्राइम ब्रांच, थाना गोसलपुर और उत्तर प्रदेश के झांसी की नारकोटिक्स विंग की संयुक्त कार्रवाई में यह बड़ी सफलता मिली।



412 पेंट के डिब्बों के बीच छिपाकर रखी थीं 28 बोरियां, कंटेनर भी जब्त



मुखबिर की सूचना पर मोहतरा टोल के पास घेराबंदी

कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रवार्ता में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने बताया कि पुलिस के अनुसार विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि एनएच-30 से जबलपुर की ओर से एक संदिग्ध कंटेनर गुजर रहा है। जिसके बाद सूचना पर क्राइम ब्रांच और गोसलपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने मुस्करा मोड़ के पास निगरानी शुरू की। इसी दौरान कंटेनर क्रमांक **NL**-01-**AC**-7191 तेज गति से आता दिखाई दिया। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया और मोहतरा टोल के पास घेराबंदी कर रोक लिया। कंटेनर में सवार चालक और उसके साथी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में चालक की पहचान धर्मवीर सिंह (45), निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश तथा उसके साथी की पहचान विक्रम करमाकर (24), निवासी बालुरघाट, दक्षिण दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई।

पेंट के डिब्बों के बीच छिपा था करोड़ों का नशा

कप्तान उपाध्याय ने बताया कि कंटेनर की तलाशी लेने पर उसमें पेंट के 412 डिब्बे और 28 बोरियां रखी मिलीं। बोरियों की जांच करने पर खाकी रंग के टेप से पैक किए गए गांजे के पैकेट बरामद हुए। इसी दौरान कंटेनर को ट्रैक कर रही झांसी की नारकोटिक्स विंग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए गांजे का वजन कराया गया, जो कुल 871 किलो 95 ग्राम निकला। इसकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 35 लाख 55 हजार रुपये आंकी गई।

ओडिशा से मध्यप्रदेश तक फैला तस्करी का नेटवर्क

कप्तान उपाध्याय ने बताया कि पुलिस पूछताछ में चालक धर्मवीर सिंह ने बताया कि वह अपने साथी विक्रम के साथ 18 अक्टूबर को विशाखापट्टनम से माल लोड कर 19 अक्टूबर को अंबाला के लिए रवाना हुआ था। इसी दौरान ओडिशा के बलांगीर निवासी प्रभात साहू ने उससे संपर्क कर मध्यप्रदेश में गांजे की खेप पहुंचाने का काम सौंपा। आरोपी के मुताबिक 27 अक्टूबर को प्रभात साहू के यहां से गांजे की 28 बोरियां कंटेनर में लोड की गई थीं। उसे मध्यप्रदेश के मैहर पहुंचने से पहले जियो पेट्रोल पंप के पास गांजा खाली करने के निर्देश दिए गए थे। आरोपी ने यह भी बताया कि वह पहले भी प्रभात साहू के कहने पर कई बार मध्यप्रदेश में गांजे की खेप पहुंचा चुका है और प्रत्येक खेप के परिवहन के एवज में उसे एक लाख रुपये मिलते थे।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 871 किलो 95 ग्राम गांजा, 412 पेंट के डिब्बे और परिवहन में प्रयुक्त कंटेनर जब्त कर धारा 8/20 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर तस्करी के नेटवर्क की अन्य कड़ियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

संयुक्त टीम की सराहनीय भूमिका

पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देशन में एएसपी ग्रामीण जोन-4 अनु बेनीवाल, एएसपी क्राइम जितेन्द्र सिंह, एसडीओपी सिहोरा मोहन्ती मरावी और डीएसपी क्राइम उमेश तिवारी के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। इसमें क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा एवं गोसलपुर थाना प्रभारी भावना तिवारी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अर्चना सल्लाम, आरक्षक सोनू झा, शुभम दत्त शर्मा सहित क्राइम ब्रांच के एएसआई अशोक मिश्रा, संतोष पाण्डे, मोहन तिवारी, प्रधान आरक्षक हितेन्द्र सिंह, मोहन सिंह, मनीष सिंह, सुतेन्द्र यादव तथा आरक्षक रितेश शुक्ला, पंकज सिंह, इंद्रजीत यादव, संतोष शाह, विमल विश्वकर्मा, शिव सिंह बघेल और प्रीतम उपाध्याय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं झांसी नारकोटिक्स विंग के एसआई मनीष कुमार, गजेन्द्र सिंह, विमल कुमार एवं प्रदीप कुमार ने भी संयुक्त कार्रवाई में उल्लेखनीय योगदान दिया।

सीएम की पदयात्रा, 12 से 6 बजे तक गोल बाजार रेड जोन

कल शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित, फ्लाईओवर से आवागमन की अपील

हरिभूमि, जबलपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कल सोमवार को प्रस्तावित नगर आगमन एवं पदयात्रा कार्यक्रम को लेकर यातायात पुलिस ने विशेष यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था निर्धारित की है। कार्यक्रम के दौरान शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम रखने और आम नागरिकों की आवाजाही सुगम बनाने के लिए दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक गोल बाजार सहित निर्धारित मार्ग को रेड जोन घोषित किया गया है। इस दौरान दोपहिया, तीनपहिया, ऑटो, ई-रिक्शा और चारपहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

इन मार्गों पर रहेगा प्रतिबंध- मुख्यमंत्री की पदयात्रा गोल बाजार से प्रारंभ होकर श्याम टॉकीज तिराहा, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, बड़ा फुहारा, भार्गव चौक, तुलाराम चौक, करमचंद चौक होते हुए मालवीय चौक तक प्रस्तावित है। इस पूरे मार्ग को रेड जोन बनाया गया है। गोल बाजार क्षेत्र में भी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। आवश्यकता के अनुसार आसपास के क्षेत्रों में भी वाहनों की आवाजाही रोकी जा सकती है।

इन रास्तों से निकलेंगे वाहन- दमोह नाका की ओर से आने वाले वाहन बल्देवबाग से उखरी मार्ग का उपयोग कर सकेंगे। गोहलपुर की ओर से आने वाले वाहन फ्लाईओवर से मदनमहल, सुहागन आभूषण और तीनपत्ती चौक होते हुए शहर की ओर जा सकेंगे। हाईकोर्ट चौक की ओर से आने वाले वाहन घंटाघर, तैयब अली चौक और तीनपत्ती तिराहा होते हुए रानीताल की ओर जा सकेंगे। छोटी लाइन एवं ब्लूम चौक की ओर से आने वाले वाहनों के लिए तीनपत्ती तिराहा से यातायात थाना तिराहा होते हुए फ्लाईओवर का विकल्प रहेगा। मदनमहल की ओर से आने वाला यातायात गेट नंबर-4 से डायवर्ट किया जाएगा। तीनपत्ती से ज्योति टॉकीज और तैयब अली चौक होकर भी शहर की ओर आवागमन किया जा सकेगा।

रानीताल स्टेडियम में बसों की पार्किंग- कार्यक्रम में शामिल होने आने वाली बसों के लिए रानीताल स्टेडियम खेल परिसर में पार्किंग निर्धारित की गई है। पाटन, कटंगी, दमोह, नरसिंहपुर, सिवनी, कटनी, सिहोरा, डिंडौरी और मंडला की ओर से आने वाली बसें निर्धारित बायपास एवं शहर के प्रवेश मार्गों से होते हुए रानीताल चौक पहुंचेंगी। यहां यात्रियों को उतारने के बाद यू-टर्न लेकर स्टेडियम परिसर में पार्क होंगी। कार्यक्रम समाप्ति के बाद बसें निर्धारित मार्गों से ही वापस लौटेंगी। दोपहिया वाहनों की पार्किंग महाकौशल स्कूल एवं अंजुमन इस्लामिया स्कूल में तथा चारपहिया वाहनों की पार्किंग एमएलवी स्कूल और डीएन जैन स्कूल में रहेगी।

लोडिंग वाहनों पर भी प्रतिबंध- दोपहर 12 से शाम 6 बजे तक बल्देवबाग से पांडे चौक और बल्देवबाग से रानीताल चौक के बीच छोटे मालवाहक वाहनों की आवाजाही तथा लोडिंग-अनलोडिंग प्रतिबंधित रहेगी।

यातायात पुलिस की अपील- यातायात पुलिस ने संस्कारधानीवासियों से अपील की है कि असुविधा से बचने के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, फ्लाईओवर को प्राथमिकता दें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें।

गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य पर दो दिवसीय कार्यशाला आज से



जबलपुर। गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य, बीमारियों और जन्मजात विकृतियों के प्रति चिकित्सकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर को दो दिवसीय कार्यशाला एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। विश्व भ्रूण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, विश्व भ्रूण दिवस वर्ष 2010 से 31 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। कार्यशाला में अहमदाबाद के गर्भस्थ शिशु चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मयंक चौधरी गर्भस्थ शिशु के मस्तिष्क संबंधी बीमारियों पर विस्तार से जानकारी देंगे। वहीं मुंबई की डॉ. वंदना बंसल और गुजरात की डॉ. उदया कोटेचा भी प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम का आयोजन होटल नर्मदा जैक्सन में जबलपुर स्त्री एवं प्रसूति विज्ञान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

'जनसुरक्षा युवा सृजन संवाद' के प्रतिभागियों को पुलिस कप्तान ने किया सम्मानित

युवा बने जागरूक नागरिक, पुलिस ने सिखाए सुरक्षा के गुर

हरिभूमि, जबलपुर।

उच्च शिक्षा एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'जनसुरक्षा युवा सृजन संवाद' के प्रतिभागियों को शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कानून, संविधान, नागरिक अधिकारों, साइबर सुरक्षा और सामाजिक दायित्वों की जानकारी दी गई। इसके तहत महाकौशल महाविद्यालय, विज्ञान महाविद्यालय, महिला महाविद्यालय, सांदीपनि स्कूल अधारताल एवं बरगी तथा मॉडल हाई स्कूल में जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी से बचाव और आपातकालीन पुलिस सहायता के बारे में बताया गया। साथ ही मदनमहल एवं सिविल लाइन थानों का भ्रमण कराकर पुलिस की कार्यप्रणाली समझाई गई। पुलिस कप्तान ने कहा कि जागरूक और जिम्मेदार युवाओं की भागीदारी से सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर एएसपी डॉ. आयुष जाखड़, अनु बेनीवाल, जितेन्द्र सिंह, सीएसपी राजेश्वरी कौरव, रक्षित निरीक्षक जयप्रकाश आर्य, शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी एवं जन साहस संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।



नर्मदा परिक्रमा के लिए 108 हनुमान चालीसा पाठ

जबलपुर। आगामी 23 नवंबर को बैकुंठ चतुर्दशी पर निकलने वाली भव्य नर्मदा परिक्रमा की सफलता के लिए श्री नर्मदा संकीर्तन परिक्रमा समिति द्वारा धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सरस्वती कॉलोनी स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में मंदिर अध्यक्ष देवेंद्र नेमा के मार्गदर्शन में हनुमान चालीसा के 108 पाठ संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा की परिक्रमा निर्विघ्न संपन्न होने की मंगलकामना की। समिति उपाध्यक्ष मोहित तिवारी ने बताया कि परिक्रमा को लेकर तैयारियां जारी हैं। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लोगों को इस पुनीत आयोजन से जोड़ा जा रहा है। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष देवेंद्र त्रिपाठी, मोहित तिवारी, देवेंद्र नेमा, पं. वासुदेव शास्त्री, पं. मनमोहन दुबे, पं. सुभाष गोता, मदन तिवारी, कृष्णकांत उपाध्याय, आनंद शंकर द्विवेदी, केएल दीक्षित, शंकर नामदेव, सत्यप्रकाश नामदेव, प्रवीण नेमा, देवव्रत सोनी, प्रभाकर दीक्षित, आदेश दीक्षित, अतुल पटेल, अवधेश खरे सहित अनेक श्रद्धालु एवं मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

मंत्री राकेश सिंह ने किया दो दिवसीय संपत्ति विक्रय मेले का शुभारंभ

जेडीए मेले में 330 संपत्तियां बिक्री के लिए उपलब्ध

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सिविक सेंटर स्थित गुजराती मंडल भवन में आयोजित दो दिवसीय संपत्ति विक्रय मेले का शनिवार को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेला आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त जबलपुर के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। मेले में कुल 330 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां बिक्री के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया कि मेले में एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी, ईडब्ल्यूएस आवास, भूखंड, कार्यालय कक्ष और व्यावसायिक भूखंड उपलब्ध हैं। नागरिकों को एक ही स्थान पर संपत्तियों की जानकारी, नक्शे, नियम, शर्तें और तत्काल ऑनलाइन आवेदन की सुविधा दी जा रही है। विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि ऋण संबंधी मार्गदर्शन भी दे रहे हैं।

मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि विकास संस्थाओं का उद्देश्य आम जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। जेडीए की यह पहल नागरिकों को सुरक्षित संपत्ति उपलब्ध कराने के साथ शहर के सुनियोजित विकास को गति देगी।



कार्यक्रम में सांसद सुमित्रा बाल्मीक, आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकूज विज, पूर्व सांसद आलोक संजर, अखिलेश जैन, रत्नेश सोनकर, राजकुमार पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सीईओ विवेक के. व्ही. ने आभार व्यक्त किया।

बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में भगवती का विशेष पूजन, सहस्रार्चन, महाआरती और माता की चौकी का आयोजन

जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर लिया आशीर्वाद

भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच मना ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज का जन्मोत्सव

हरिभूमि, जबलपुर।

धर्म, अध्यात्म और भक्ति की त्रिवेणी से सराबोर वातावरण में सिविक सेंटर स्थित बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्मोत्सव के अवसर पर मठ में प्रातःकाल से ही धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला प्रारंभ हो गया। मां भगवती के जयकारों, वैदिक मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन से समूचा मठ परिसर भक्तिमय हो उठा। इस पावन अवसर पर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर महाराजश्री के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।





सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना

जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सर्वप्रथम विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवती का विशेष पूजन-अर्चन संपन्न कराया गया। इसके पश्चात सहस्रार्चन के माध्यम से मां भगवती के दिव्य स्वरूप की आराधना की गई। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान विश्व कल्याण, जनकल्याण, सुख-समृद्धि और सर्वमंगल की कामना की गई। इसके बाद मां भगवती की भव्य महाआरती संपन्न हुई। दीपों की ज्योति और शंख ध्वनि के बीच श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर परिवार एवं समाज की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

देर रात तक भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु

आयोजन की अगली कड़ी में माता की चौकी का विशेष आयोजन किया गया। भक्ति संगीत, भजनों और मां की महिमा के गुणगान ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालु देर तक भक्ति रस में डूबे रहे और मां भगवती के जयकारों से मठ परिसर गुंजायमान होता रहा।

यह रहे उपस्थित

माननीय लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक लखन घनघोरिया, विधायक अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन, प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा अखिलेश जैन, प्रदेश सहसहयोजक भारत यादव, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महामंत्री पंकज दुबे, सोनू बचवानी, सुधांशु गुप्ता, पूर्व नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, सीताराम सेन, राघवेंद्र यादव लालू, रंजीत ठाकुर समेत अनेक श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जबलपुर (म.प्र.)
क्रमांक / 0146/वि.अधि. / 2026
जबलपुर दिनांक 29/10/2026
सार्वजनिक सूचना
हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 के तहत

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शिवम तिवारी पिता श्री हरिशंकर तिवारी निवास का पता- / 11 शक्ति नगर गुप्ता होटल, गुप्तेश्वर जबलपुर एवं आवेदिका बबिता पंडोले पिता श्री बी आर पंडोले निवास का पता- म. नं. 5 मधुवन मिलन रामपुर जबलपुर के द्वारा समक्ष में उपस्थित होकर हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 की धारा 5 के अंतर्गत हिन्दु विवाह पंजीयन हेतु आवेदन पत्र दिनांक 01/10/2026 को प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रस्तावित विवाह पंजीयन के विरूद्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति लिखित रूप में इस न्यायालय में दिनांक 04/11/2026 को या इसके पूर्व न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला - जबलपुर (म.प्र.)

नाम एंव जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I. RETHINAMANI KOCHUMANI is legally FATHER of ARMY NO-15710945W, Rank- L/NK, Name- EDGEWORTH SINGH R presently residing at Vill- TIRUVATTAR, POST-CHERUPALOOR, Teh-KALKULAM, Distt-KANYAKUMARI, State- TAMIL NADU, PIN-629161, शपथपूर्वक नि. लि. कथन करता हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एंव जन्मतिथि K RATHINA MONY / 23-07-1955 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एंव जन्मतिथि RETHINAMANI KOCHUMANI/15-03-1957 दर्ज हैं। जो कि सही है मेरे नाम एंव जन्मतिथि को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए द्वारा शपथ पत्र न 38AA 850490 दिनांक 31-10-26 नोटरी जबलपुर म.प्र.

गलत नाम एंव जन्मतिथि -
K RATHINA MONY /23-07-1955
सही नाम एंव जन्मतिथि
RETHINAMANI KOCHUMANI / 15-03-1957

नाम एंव जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I LOVISAL RETHINAMANI is legally Mother of ARMY NO- 15710945W, Rank - L/NK, Name- EDGEWORTH SINGH R presently residing at Vill- TIRUVATTAR, POST- CHERUPALOOR, Teh-KALKULAM, Distt - KANYAKUMARI, State- TAMIL NADU, PIN- 629161, शपथपूर्वक नि. लि. कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एंव जन्मतिथि S LOVISHAI & DOB 31-03-1960 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एंव जन्मतिथि LOVISAL RETHINAMANI & DOB 10-02-1962 दर्ज हैं। जो कि सही है मेरे नाम एंव जन्मतिथि को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए । द्वारा शपथ पत्र नं 38AA 850489 दिनांक 31-10-26 नोटरी जबलपुर म.प्र.।

गलत नाम एंव जन्मतिथि -
S LOVISHAI / 31-03-1960
सही नाम एंव जन्मतिथि
LOVISAL RETHINAMANI / 10-02-1962

अयोध्या में दीपोत्सव-2026 के दौरान दिखेगा अदभुत नजारा

2100 एरियल ड्रोन शो से आसमान में जीवंत होगी रामायण की गाथा, रोशनी का भव्य उत्सव दिखाई देगा, 15 खास ड्रोनों के फॉर्मेशन प्रदर्शित किए जाएंगे

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

दीपोत्सव-2026 के दौरान दीयों की रोशनी से जगमगाने वाली रामनगरी का आसमान इस बार भी अद्भुत दृश्य का साक्षी बनेगा। दीपावली की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव-2026 में पर्यटन विभाग की ओर से भव्य एरियल ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। अयोध्या में 07 नवंबर को जब दीपों की रोशनी से सरयू तट जगमगाएगा, तब आसमान में भी रोशनी का एक भव्य उत्सव देखने को मिलेगा। दीपोत्सव-2026 के अवसर पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग इस बार नए कलेवर में एरियल ड्रोन शो प्रस्तुत करेगा। इसमें राम दरबार, पुष्पक विमान और रामायण के प्रमुख प्रसंग आसमान में जीवंत होते नजर आएंगे।

राम की नगरी में 07 नवंबर को रामायण के कई प्रसंग आधुनिक रूप में दिखाई देंगे



'मेड इन इंडिया' ड्रोन 15 मिनट तक दिखाएंगे करतब

'मेड इन इंडिया' तकनीक से निर्मित 2,100 ड्रोन 07 और 08 नवंबर को आसमान में उड़ान भरेंगे। करीब 15 मिनट तक चलने वाले इस शो में कम से कम 15 अलग-अलग ड्रोन फॉर्मेशन प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें आधे से अधिक फॉर्मेशन पिछले वर्ष की प्रस्तुति से अलग होंगे।श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भव्य नजारे दिखाई देंगे।

कई अलग दृश्य आएंगे नजर

इस बार एरियल ड्रोन शो में भी नवीनता पर खास जोर रहेगा। स्टोरीबोर्ड, स्क्रिप्ट, संगीत और वॉयस ओवर से लेकर आसमान में बनने वाली ड्रोन आकृतियों तक को पहले से अलग रखा जाएगा। 15 विशेष ड्रोन फॉर्मेशन तैयार किए जाएंगे। अधिकतर आकृतियां पिछले दीपोत्सव में दिखाए गए फॉर्मेशन से पूरी तरह नई होंगी।

पात्रों और कथा प्रसंगों को आकर्षक दृश्य रूप में प्रस्तुत किया जाएगा

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष अयोध्या के दीपोत्सव को नई भव्यता देने का प्रयास किया जाता रहा है। इस बार भी एरियल ड्रोन शो में रामायण के प्रमुख पात्रों और कथा प्रसंगों को आकर्षक दृश्य रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। ड्रोन से बने फॉर्मेशन के जरिए वीर मुद्रा में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान, रावण वध, पुष्पक विमान, दीपोत्सव, राम दरबार, हनुमान, महर्षि वाल्मीकि और गोस्वामी तुलसीदास जैसे प्रसंग जीवंत होंगे। इसके साथ राम मंदिर, दीपोत्सव, उत्तर प्रदेश सरकार और पर्यटन विभाग के लोगो भी आकाश में प्रदर्शित किए जाएंगे। संगीत, रोशनी और विभिन्न दृश्यात्मक प्रभावों का तालमेल शो को भव्य रूप देगा। वॉयस ओवर और संगीतमय नैरेशन का विशेष समायोजन देखने को मिलेगा।

इस वर्ष ड्रोन की संख्या बढ़ाई गई

'उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने ड्रोन शो की लोकप्रियता को देखते हुए हर वर्ष इसकी भव्यता बढ़ाने पर जोर दिया है। इस वर्ष ड्रोन की संख्या बढ़ाकर 2,100 कर दी गई है अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि हमारा प्रयास है कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक दीपोत्सव की भव्यता के साथ एक अविस्मरणीय अनुभव लेकर लौटें।

खबर संक्षेप

राम मंदिर में सुबह 7 बजे से होंगे दर्शन

अयोध्या। ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रख श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में विराजमान श्रीरामलला की दैनिक



पूजा, आरती, भोग, विश्राम एवं दर्शन की समय-सारणी में संशोधन किया गया है। अभी मंदिर के पट सुबह 3:45 बजे खुलते हैं और रात 10:30 बजे बंद होते हैं। अब यह समय क्रमशः सुबह 4 बजे और रात 10 बजे होगा। 7 बजे से दर्शन होंगे।

पालघर में 5वीं मंजिल से गिरी लिफ्ट, 7 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर से एक रिहायशी इमारत में 5वीं मंजिल से लिफ्ट के नीचे गिर जाने से 7लोग



घायल हो गए। लिफ्ट की क्षमता केवल 5लोगों की थी।यह घटना दोपहर करीब 2 बजे पाटनकर पार्क इलाके में स्थित धनंजय एवेन्यू बिल्डिंग में हुई। घटलों में, 4 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें भर्ती कराया गया है।

निर्देशक संजय का 57 साल की उम्र में निधन

मुंबई। फिल्ममेकर संजय गुप्ता का 30 अक्टूबर को मुंबई में उनके घर पर निधन हो गया। उनके सिर में



गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। वह 57 साल के थे।'काबिल', 'शूटआउट एट वडाला', 'कांटे', 'मुंबई सागा' जैसी फिल्मों को डायरेक्ट करने वाले निर्देशक इस दुनिया को छोड़कर जा चुके हैं।

शिमला में कार सड़क से गिरी, 5 लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में शनिवार सुबह नावर क्षेत्र के दरोटी संपर्क सड़क पर हुए दर्दनाक हादसे



में मां-बेटे सहित पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हादसा सुबह करीब 8:30 बजे हुआ है। मृतकों में दरोटी निवासी मां-बेटे के अलावा 3 नेपाली नागरिक शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एकतानगर को दी 400 करोड़ रुपए की सौगात

पर्यटन स्थल होंगे विशेष तो आकर्षित होंगे लोग, स्थानीय रोजगार को मिलेगा बढ़ावा



एजेंसी ▶▶ एकता नगर

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने एकतानगर में बड़ी सुविदाएं दी ग ई हैं। अब यहां घूमने, ठहरने और मनोरंजन की सुविधाएं बेहतर होने जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एकतानगर में 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया और कई नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन में 127 कमरों वाला आईआरसीटीसी होटल, रेनफॉरेस्ट, यूनिटी और इको ट्रेल, नर्मदा घाट का विकास और जल-सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। रेलवे स्टेशन के पास आईआरसीटीसी ने करीब 52.50 करोड़ से 127 कमरों वाला आधुनिक होटल तैयार किया है। करीब 2 एकड़ में बने इस होटल में 4 श्रेणियों के कमरे, रेस्टोरेंट, कैफेटेरिया, बैंक्वेट हॉल, कॉन्फ्रेंस सुविधाएं और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

आईआरसीटीसी होटल, रेनफॉरेस्ट व ईको ट्रेल समेत कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया

पर्यटकों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

2 एकड़ में बना विशेष होटल



ठहरने का खास विकल्प मिलेगा

स्टेशन के नजदीक होने से ट्रेन से आने वाले यात्रियों को यहां पहुंचने में आसानी होगी। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने अब तक 3 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं। ऐसे में होटल की नई सुविधा से पर्यटकों को ठहरने का एक और ऑप्शन मिलेगा। इससे उम्मीद है कि लोग एकतानगर में अधिक समय बिताएंगे और आसपास के पर्यटन स्थलों को भी फायदा होगा।

रेनफॉरेस्ट, ईको ट्रेल और नर्मदा घाट का विकास

पर्यटन को बढ़ावा देने रेनफॉरेस्ट, यूनिटी और इको ट्रेल से जुड़े प्रोजेक्ट भी शुरू किए हैं। नर्मदा घाट के उन्नयन और क्षेत्र में फसाड लाइटिंग की व्यवस्था से भी खूबसूरती बढ़ाने की योजना है। पर्यटकों को बेहतर अनुभव देना है।

इन नई परियोजनाओं की भी रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री ने कई अन्य विकास कार्यों की आधारशिला भी रखी। इनमें गोरा-भद्र रोड का विकास, इंटीग्रेटेड जीरो वेस्ट स्मार्ट सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट और खलवानी इको टूरिज्म डेवलपमेंट शामिल हैं। इसके अलावा कैक्टस और बटरफ्लाई गार्डन के एकीकृत विकास की योजना भी है।

अन्य व्यवसायों में भी होगा लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं से एकतानगर में पर्यटन गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। होटल और पर्यटन सुविधाओं के संचालन से रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। वहीं, पर्यटकों की संख्या बढ़ने से स्थानीय दुकानदारों, टैक्सी चालकों, होटल कारोबारियों और खानपान से जुड़े व्यवसायों को भी लाभ मिल सकता है।

एकता दिवस परेड में शामिल हुए प्रधानमंत्री

सरदार पटेल के फैसलों ने देश को एकजुट किया

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता नगर के परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का आयोजन किया गया, जिसमें देश की एकता, विविधता और सामूहिक शक्ति की झलक देखने को मिली। परेड में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव को प्रदर्शित किया गया।पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता को आकार देने और उसकी रक्षा करने में अहम भूमिका निभाई। एकता हमें एक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने की ताकत देती है। इसलिए हमारे देश में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और एकता दिवस, ये तीनों अब पूरे उत्साह के साथ राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाए जाते हैं। इस अवसर पर मैं राष्ट्रीय एकता दिवस की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं सरदार वल्लभभाई पटेल के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।

'सरदार' ने राष्ट्र को भावनात्मक एकता के सूत्र में पिरोया

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने पूरे राष्ट्र को भावनात्मक एकता के सूत्र में भी पिरोया। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से देश के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरुआत भी की थी। इस महान कार्य के 75 वर्ष इस वर्ष पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ का ध्वज तमाम आक्रांताओं की मंशा को नाकाम कर स्वाभिमान के साथ लहरा रहा है।

सरदार पटेल की 151वीं जयंती

शाह ने निकाली 'एकता दौड़' नशामुक्त भारत का लक्ष्य रखा



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत आयोजित 'एकता दौड़' का शुभारंभ किया। उन्होंने देशवासियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई। शाह ने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल भारत का इतिहास बदला, बल्कि देश के भूगोल की संरचना भी की। अनेक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर उन्होंने अखंड भारत का निर्माण किया। पटेल ने मात्र 1218 दिनों में अखंड भारत की रचना कर वह कर दिखाया, जिसे दुनिया असंभव मानती थी।

370 हटाना, नक्सलवाद समाप्ति बड़ी उपलब्धि

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यकाल में अनुच्छेद 370 हटाकर कश्मीर को हमेशा के लिए भारत के साथ जोड़ना, देश से नक्सलवाद समाप्त करना और एक देश, एक कर प्रणाली लागू करना शामिल है।

विविधता हमारी कमजोरी नहीं, सबसे बड़ी ताकत

शाह ने कहा कि भारत की भाषाई, सांस्कृतिक और पारंपरिक विविधता देश की कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। यही सरदार पटेल का संदेश था।

सरदार को मिला वैश्विक सम्मान

अंत में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की परिकल्पना की और उसका शिलान्यास किया। इस प्रतिमा ने पूरे देश के सामने सरदार पटेल के विराट व्यक्तित्व को अपने नेतृत्व में प्रतिष्ठित भी किया।

490 पुलिसकर्मियों को 'केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक'

विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के 490 कर्मियों को शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक' प्रदान करने की घोषणा की गई। इसमें सीबीआई के 14 अधिकारी भी हैं। यह पदक राज्यों के पुलिस बलों, सुरक्षा संगठनों, खुफिया इकाइयों, शाखाओं एवं विशेष शाखाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को मिलेगा।

नड्डा ने कर्तव्य भवन में राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सरदार की जयंती पर स्वास्थ्य मंत्रालय तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। कर्तव्य भवन-1 में समारोह में अधिकारियों ने एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली।

वाराणसी से स्लीपर वंदेभारत शुरू

9 घंटे में दिल्ली पहुंचेगी प्रमुख 4 स्टेशनों पर रुकेगी

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

सीएम योगी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी से वंदेभारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है, जो काशी से दिल्ली के बीच दौड़ेगी। सफर करीब 9 घंटे में पूरा होगा। ट्रेन प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़ और गाजियाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी। शुक्रवार और दिल्ली से शनिवार को नहीं चलेगी। पूरी तरह एसी इस ट्रेन में 16 कोच हैं। इसमें 823 यात्री सफर कर सकेंगे।



ट्रेन में फर्स्ट एसी का 1, सेकंड एसी के 4 और थर्ड एसी के 11 कोच हैं। योगी और वैष्णव ने इसका निरीक्षण किया। दोनों ने लोको पायलट से बातचीत की। वैष्णव ने योगी को ट्रेन की खूबियां भी बताईं। दोनों कोच में मौजूद स्कूली बच्चों से मिले। छात्र की 'बनारस विकसित भारत' की पेंटिंग को दोनों ने सराहा।

भाजपाध्यक्ष नवीन आज रोहतक में

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा शुरू करेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को हरियाणा के रोहतक में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे। यह विपक्ष के खिलाफ भाजपा के देशव्यापी अभियान का हिस्सा है। नवीन ऐसे दिन विपक्ष के खिलाफ भाजपा की पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे, जब 'इंडिया' गठबंधन दिल्ली के रामलीला मैदान में एसआईआर और कथित वोट चोरी के खिलाफ रैली करेगा। पार्टी विपक्ष के कथित 'भ्रामक सूचनाओं, दुष्प्रचार और सुनियोजित अराजकता' के खिलाफ यह पदयात्रा निकाल रही है। पदयात्रा छोटू राम पॉलिटेक्निक मैदान से शुरू होगी और मॉडल टाउन स्थित डी-पार्क पर समाप्त होगी। नवीन बापू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि देंगे। यह हताश विपक्ष के झूठ, साजिशों के खिलाफ वैचारिक आंदोलन है।

नासिक में सिंहस्थ महाकुंभ का शुभारंभ



नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में सिंहस्थ महाकुंभ के ध्वज स्तंभ पूजन, ध्वजा पूजन और ध्वजारोहण समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

सीबीएसई ने जारी किया नया सर्कुलर

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में किया बदलाव

9 वीं के सिलेबस से समाज में व्यक्ति कंप्यूटेशनल थिंकिंग और एआई हटाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से सीबीएसई शैक्षणिक-सत्र 2026-27 कक्षा 9वीं में पढ़ रहे छात्रों के सिलेबस में बदलाव किया गया है।

बोर्ड की ओर से 29 अक्टूबर को एक सर्कुलर जारी किया। अब सिलेबस से समाज में व्यक्ति, कंप्यूटेशनल थिंकिंग और एआई विषय को हटाया गया है जब इसी बैच के छात्र बोर्ड परीक्षा यानी शैक्षणिक सत्र 2027-28 में शामिल होंगे, तब उन्हें पर्यावरण शिक्षा विषय नहीं पढ़ना होगा। यह नियम वर्तमान में कक्षा 10वीं में पढ़ रहे छात्रों पर लागू नहीं होगा।

10वीं में इन 5 विषयों को पढ़ना होगा



शैक्षणिक सत्र 2027-28 के 10वीं के छात्रों को 5 विषयों की परीक्षा देनी होगी। इनमें गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, पहली भाषा और दूसरी भाषा विषय शामिल हैं। 9वीं के छात्रों को अगले साल इन 5 विषयों की परीक्षा देनी होगी।

स्किल एजुकेशन अनिवार्य

22 कौशल विषयों रिटेल, सूचना प्रौद्योगिकी, सुरक्षा, ऑटोमोटिव, वित्तीय बाजार, पर्यटन का परिचय, सौंदर्य और वेलनेस, कृषि में एक अनिवार्य है।

एडवांस्ड गणित और विज्ञान विषय चुनने का विकल्प

सीबीएसई ने एडवांस्ड स्तर पर गणित और साइंस विषय चयन करने का विकल्प भी दिया है।

अयोध्या में राम मंदिर की जमीन के सर्वे की मांग

सुप्रीम कोर्ट कल इस याचिका पर करेगा सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या में बने राम मंदिर की जमीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दाखिल की गई है।



इसमें मांग की गई है कि एक स्वतंत्र समिति या आयोग बनाकर यह जांच कराई जाए कि राम मंदिर ठीक उसी जमीन पर बना है या नहीं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में अपना फैसला सुनाया था। याचिका में जमीन की सही सीमाएं तय करने, पुराने नक्शों और दस्तावेजों की जांच करने के साथ मंदिर में आने वाले चढ़ावे का हिसाब-किताब पारदर्शी बनाने की भी मांग की गई है।

जमीन की सीमाएं तय करने, पुराने नक्शों, चढ़ावे और दस्तावेज की जांच की मांग



भूमि की सही पहचान की जाए

याचिका में कहा गया है कि विवादित जमीन की सही पहचान और उसकी सीमाओं का स्वतंत्र सर्वे कराया जाना चाहिए। इसके लिए जमीन के नक्शे, भौगोलिक निर्देशांक, क्षेत्रफल और वास्तविक स्थिति की जांच जरूरी बताई गई है। याचिकाकर्ता चाहता है कि अदालत ऐसे विशेषज्ञों की समिति या आयोग बनाए।

खातों की कैग से जांच कारी जाए

याचिका में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने की मांग भी शामिल है। इसके अलावा मंदिर में मिलने वाले दान, चढ़ावे और रसीदों का रोजाना डिजिटल रिकॉर्ड रखने और उसका ब्योरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने की मांग की गई है।खातों का हर साल भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से ऑडिट कराया जाए ।

2019 में दिया था फैसला

सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या जमीन विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। इस फैसले में विवादित 2.77 एकड़ जमीन राम मंदिर निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट को सौंपने का रास्ता साफ किया गया था। केंद्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ वैकल्पिक जमीन देने का निर्देश दिया गया था।

कॉन्ट्रा फंड इक्विटी म्यूचुअल फंड की ऐसी श्रेणी हैं, जिनमें फंड मैनेजर बाजार की प्रचलित धारणा से अलग जाकर निवेश के अवसर तलाशते हैं। जब किसी कंपनी, उद्योग या शेयर को लेकर बाजार में निराशा होती है और उसका मूल्य कारोबारी संभावनाओं की तुलना में कम दिखाई देता है, तब ऐसे फंड उसमें निवेश पर विचार करते हैं। हर गिरते शेयर में पैसा लगा दिया जाए। कंपनी की वित्तीय स्थिति, कारोबार की गुणवत्ता, भविष्य में कमाई की संभावना और शेयर के मूल्यांकन का विश्लेषण जरूरी होता है। इस रणनीति के पीछे मान्यता है कि बाजार में किसी कंपनी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा हमेशा कायम नहीं रहती।

तीन साल से ज्यादा का निवेश क्षितिज होने पर उभरता है फायदा

बाजार की गिरावट में भी टिके कॉन्ट्रा फंड लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न संभव

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पांच साल में मिल सकता है बेहतर प्रदर्शन; धैर्य की परीक्षा भी



शेयर बाजार में गिरावट के दौर में निवेशकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ज्यादातर निवेशक ऐसे समय में सुरक्षित विकल्प तलाशने लगते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक बाजार की कमजोरी में भविष्य के अवसर भी खोजते हैं। म्यूचुअल फंड की कॉन्ट्रा श्रेणी इसी सोच पर काम करती है। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने की कोशिश करते हैं, जिन्हें फिलहाल बाजार में पर्याप्त महत्व नहीं मिल रहा है, लेकिन जिनकी कारोबारी संभावनाएं लंबी अवधि में बेहतर हो सकती हैं। हालिया प्रदर्शन के आंकड़े संकेत देते हैं कि बाजार की मौजूदा कमजोरी के बीच कॉन्ट्रा फंड ने कुछ मजबूती दिखाई है। हालांकि, इस रणनीति का लाभ तुरंत मिलने की गारंटी नहीं है। इसमें निवेशकों को लंबा नजरिया और उतार-चढ़ाव सहने की क्षमता रखनी पड़ती है।

क्या होते हैं कॉन्ट्रा फंड?

कॉन्ट्रा फंड इक्विटी म्यूचुअल फंड की ऐसी श्रेणी हैं, जिनमें फंड मैनेजर बाजार की प्रचलित धारणा से अलग जाकर निवेश के अवसर तलाशते हैं। जब किसी कंपनी, उद्योग या शेयर को लेकर बाजार में निराशा होती है और उसका मूल्य कारोबारी संभावनाओं की तुलना में कम दिखाई देता है, तब ऐसे फंड उसमें निवेश पर विचार करते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हर गिरते शेयर में पैसा लगा दिया जाए। कंपनी की वित्तीय स्थिति, कारोबार की गुणवत्ता, भविष्य में कमाई की संभावना व शेयर के मूल्यांकन का विश्लेषण जरूरी होता है। इस रणनीति के पीछे मान्यता है कि बाजार में किसी कंपनी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा हमेशा कायम नहीं रहती। यदि कंपनी का कारोबार सुधरता है और निवेशकों का भरोसा लौटता है, तो उसके शेयर की कीमत में सुधार हो सकता है। इसे बाजार में मूल्य के सामान्य स्तर पर लौटने की प्रक्रिया के रूप में समझा जा सकता है। हालांकि, यदि कंपनी की मुश्किलें स्थायी हैं, तो कम कीमत पर खरीदा गया शेयर भी नुकसान दे सकता है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **अवधि:** कम से कम तीन से पांच साल का नजरिया रखें। यह अवधि भी लाभ की गारंटी नहीं है।
- **जोखिम :** बाजार में लंबी गिरावट और कमजोर प्रदर्शन सहने की तैयारी होनी - चाहिए।
- **विविधीकरण:** पूरी रकम एक ही श्रेणी में लगाने से बचें।
- **तुलना का तरीका:** फंड के प्रदर्शन की तुलना उसके समकक्ष फंडों और उपयुक्त मानक सूचकांक से करें।
- **समीक्षा:** हर तिमाही के प्रतिफल से घबराकर फैसला न लें, लेकिन फंड की रणनीति और निवेश की गुणवत्ता पर नजर बनाए रखें।

तीन साल में दिखने लगता है रणनीति का असर :

फाइनेंशियल एक्सप्रेस की 24 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, तीन साल के आधार पर कॉन्ट्रा फंड श्रेणी का औसत वार्षिक चक्रवृद्धि प्रतिफल लगभग 12 प्रतिशत रहा, जबकि मध्य प्रतिफल करीब 13.2 प्रतिशत बताया गया। इसके मुकाबले लार्ज-कैप फंड श्रेणी का औसत प्रतिफल लगभग 9.3 प्रतिशत रहा। ये आंकड़े संबंधित अवधि में कॉन्ट्रा फंड के बेहतर प्रदर्शन की ओर संकेत करते हैं, लेकिन इन्हें भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं समझना चाहिए।

पांच साल में उभर सकती है बढ़त

कॉन्ट्रा निवेश की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें फंड मैनेजर बाजार की तत्कालीन पसंद के बजाय भविष्य की संभावनाओं पर दांव लगाता है। किसी उपेक्षित कंपनी के शेयर में निवेश करने के बाद बाजार को उसकी वास्तविक क्षमता पहचानने में कई साल लग सकते हैं। इस दौरान शेयर का प्रदर्शन कमजोर रह सकता है और निवेशक का धैर्य डगमगा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल की अवधि में कॉन्ट्रा फंड श्रेणी का औसत प्रतिफल लार्ज-कैप फंडों के मुकाबले लगभग दोगुना रहा है। इससे संकेत मिलता है कि इस निवेश रणनीति को परिणाम देने के लिए पर्याप्त समय की जरूरत होती है। हालांकि, यह निष्कर्ष रिपोर्ट में दी गई संबंधित अवधि के आंकड़ों पर आधारित है। अलग-अलग समय में परिणाम बदल सकते हैं। इसलिए कॉन्ट्रा फंड में निवेश करने वालों के लिए तीन से पांच साल या उससे अधिक का नजरिया उपयोगी हो सकता है। लेकिन लंबी अवधि का चुनाव भी नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता।

एक साल में नुकसान भी कम नहीं

कॉन्ट्रा फंड की संभावनाओं के साथ उसके जोखिम को समझना भी जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल के आधार पर इस श्रेणी का प्रतिफल लगभग 8 प्रतिशत नकारात्मक रहा। यह गिरावट लार्ज-कैप फंडों के प्रदर्शन के आसपास थी। इससे स्पष्ट होता है कि कॉन्ट्रा फंड भी बाजार की कमजोरी से अछूते नहीं हैं। दरअसल, बाजार जिन कंपनियों को पसंद नहीं कर रहा होता है, उनमें निवेश करने का अर्थ यह भी है कि निवेशक को कुछ समय तक कमजोर प्रदर्शन झेलना पड़ सकता है। यदि कंपनी का कारोबार उम्मीद के मुताबिक नहीं सुधरता, तो नुकसान लंबा खिंच सकता है। इसलिए केवल इस आधार पर निवेश करना उचित नहीं कि कोई फंड हालिया गिरावट के दौरान बेहतर टिका रहा है।

पोर्टफोलियो में कितनी हो हिस्सेदारी

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार, कॉन्ट्रा फंड को पूरे निवेश पोर्टफोलियो का विकल्प बनाने के बजाय विविधीकृत निवेश व्यवस्था के एक हिस्से के रूप में देखना अधिक व्यावहारिक है। निवेशक अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की अवधि के अनुसार इसमें सीमित राशि लगा सकते हैं। जिन लोगों को निकट भविष्य में पैसे की जरूरत है या जो बाजार में उतार-चढ़ाव से घबरा जाते हैं, उनके लिए यह श्रेणी उपयुक्त नहीं हो सकती।



निवेश बनाए रखें

कॉन्ट्रा फंड उन निवेशकों के लिए उपयोगी विकल्प हो सकते हैं, जो बाजार की अस्थायी निराशा के पीछे छिपे अवसर तलाशना चाहते हैं और लंबी अवधि तक निवेश बनाए रख सकते हैं। लेकिन बेहतर प्रतिफल की संभावना के साथ जोखिम भी जुड़ा है। इसलिए निवेश का फैसला केवल हालिया प्रदर्शन देखकर नहीं, बल्कि वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम सहने की क्षमता को ध्यान में रखकर करना चाहिए।



बच्चों को बचपन से सिखाएं पैसे की समझ, रहेंगे आर्थिक रूप से मजबूत

- छोटी-छोटी बचत की आदतें बनाएंगी जिम्मेदार नागरिक
- खर्च और फैसले लेने का सलीका सिखाना भी है जरूरी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में बच्चों की परवरिश का बड़ा हिस्सा उनकी जरूरतें पूरी करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं देने में बीतता है। खिलौनों से लेकर मोबाइल, महंगे कपड़ों और मनोरंजन तक, बच्चों की हर फरमाइश पूरी करने की कोशिश की जाती है। माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी चीज से वंचित न रहें। लेकिन इस कोशिश में अक्सर एक जरूरी सबक पीछे छूट जाता है। पैसे की कीमत और उसका सही इस्तेमाल। आर्थिक रूप से मजबूत भविष्य की नींव केवल अच्छी कमाई से नहीं, बल्कि बचपन में विकसित हुई वित्तीय समझ से भी पड़ती है। इसलिए बच्चों को पैसे का महत्व समझाना, खर्च करने में विवेक सिखाना और बचत की आदत विकसित करना उनकी परवरिश का अहम हिस्सा होना चाहिए।

1. बिना पैसे खर्च किए भी खुश रहना सिखाएं

बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि खुशी का हर जरिया बाजार से नहीं खरीदा जा सकता। परिवार के साथ समय बिताना, घर में मिलकर खाना बनाना, खेलना, किताबें पढ़ना और पार्क में घूमना भी आनंद के अच्छे साधन हैं। यदि बच्चे हर गतिविधि को किसी खरीदारी से जोड़कर देखेंगे, तो उनके मन में यह धारणा बन सकती है कि मनोरंजन के लिए पैसा खर्च करना अनिवार्य है। माता-पिता को अपनी दिनचर्या में ऐसे अवसर शामिल करने चाहिए, जिनमें बिना अतिरिक्त खर्च के भी परिवार खुशियां साझा कर सके।

2. हर मौके पर उपहार देना जरूरी नहीं

जन्मदिन, त्योहार, रिश्तेदारों से मुलाकात या किसी उपलब्धि पर उपहार देने की परंपरा आम है। उपहार देना गलत नहीं है, लेकिन इसे हर अवसर की अनिवार्यता बना देना उचित नहीं। बच्चों को समझना चाहिए कि किसी से मिलने जाना, उसके साथ समय बिताना और उसका हालचाल पूछना भी स्नेह जताने के महत्वपूर्ण तरीके हैं। हर मुलाकात में कुछ खरीदकर ले जाने की आदत अनावश्यक खर्च बढ़ा सकती है। माता-पिता स्वयं भी इस सोच को अपनाएं कि रिश्तों की मजबूती महंगे उपहारों से नहीं, बल्कि समय, सम्मान और अपनापन देने से बढ़ती है।

3. हर काम के बदले इनाम देने से बचें

बच्चों को घर के छोटे-मोटे कामों में शामिल करना अच्छी आदत है। हर काम के बदले पैसे या कोई उपहार देना सही तरीका नहीं है। यदि बच्चा अपना सामान व्यवस्थित करता है, किसी की मदद करता है या घर के सामान्य कामों में हाथ बंटाता है, तो उसे परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। हर अच्छे व्यवहार के बदले इनाम मिलने पर बच्चा यह सोच सकता है कि बिना किसी लाभ के काम करना जरूरी नहीं है। हालांकि, उम्र के अनुसार विशेष कामों के लिए सीमित प्रोत्साहन दिया जा सकता है।

4. खरीदारी के नियम माता पिता मिलकर तय करें

बच्चों की हर मांग पूरी करना प्यार का प्रमाण नहीं है। कई बार माता-पिता किसी वस्तु के लिए मना करते हैं, लेकिन परिवार का दूसरा सदस्य उनकी बात काटकर वही चीज दिला देता है। इससे बच्चा सीमाओं को समझने के बजाय अलग-अलग लोगों से अपनी मांग मनवाना सीख सकता है। इसलिए माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच बच्चों के खर्च को लेकर स्पष्ट सहमति होनी चाहिए। दादा-दादी या नाना-नानी का स्नेह भी महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें बच्चों के लिए तय आर्थिक नियमों का सम्मान करना चाहिए।

5. जरूरत और चाहत के बीच अंतर बताएं

वित्तीय समझ विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका बच्चों को जरूरत और चाहत के बीच अंतर सिखाना है। भोजन, पढ़ाई की सामग्री और जरूरी कपड़े आवश्यकताएं हैं, जबकि नया खिलौना, महंगा खेल या बार-बार बदलने वाला इलेक्ट्रॉनिक सामान इच्छा की श्रेणी में आ सकता है। उम्र के अनुसार बच्चों को उदाहरण देकर यह अंतर समझाया जा सकता है। यदि उनके पास सीमित राशि है, तो उन्हें दो विकल्पों में से एक चुनने को कहें। उदाहरण के लिए, वे उस पैसे से कोई खिलौना खरीद सकते हैं या कुछ सप्ताह बचत करके अधिक उपयोगी वस्तु ले सकते हैं।

6. भावनात्मक दबाव में खरीदारी न करें

कई बार माता-पिता काम में व्यस्त रहने या बच्चों के साथ कम समय बिता पाने के कारण अपराधबोध महसूस करते हैं। इसकी भरपाई के लिए वे बच्चों को महंगे उपहार देते हैं या उनकी हर मांग पूरी कर देते हैं। इसी तरह, गलती करने या गुस्से में डांटने के बाद भी कुछ माता-पिता उपहार देकर स्थिति संभालने की कोशिश करते हैं। यह तरीका बच्चों को गलत संदेश दे सकता है कि नाराजगी, गलती या भावनात्मक दूरी को खरीदारी से दूर किया जा सकता है। बेहतर होगा कि माता-पिता बच्चों से खुलकर बात करें, उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं और गलती होने पर उसे स्वीकार कर सुधार करें। पैसे के बजाय संवाद और व्यवहार को महत्व देना ज्यादा प्रभावी है।

7. छोटे आर्थिक फैसले लेने का अवसर दें

बच्चों को जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें उम्र के अनुरूप छोटे फैसले लेने देना चाहिए। खरीदारी के समय उन्हें तय बजट में से सामान चुनने दें। जेबखर्च देते हैं तो उसके कुछ हिस्से को खर्च, कुछ को बचत और जरूरत पड़ने पर कुछ को दूसरों की मदद के लिए अलग रखने की आदत डालें। बड़े बच्चों को बैंक खाते, बचत योजनाओं, ब्याज व चक्रवृद्धि वृद्धि जैसी अवधारणाओं की शुरुआती जानकारी भी दी जा सकती है। उन्हें यह समझाएं कि छोटी बचत भी समय के साथ बड़ी राशि बन सकती है।

जरूरत के समय पीपीएफ या पर्सनल लोन, कौन है बेहतर

ब्याज दर से लेकर चुकाने की अवधि तक समझें दोनों विकल्पों का अंतर

कम ब्याज के साथ भुगतान की शर्तों पर भी दें ध्यान

बिजनेस डेस्क

यदि आपके पास पात्र पीपीएफ खाता है, कम रकम की जरूरत है और आप तय अवधि में कर्ज चुका सकते हैं, तो पीपीएफ लोन कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। लेकिन यदि बड़ी रकम चाहिए, पीपीएफ लोन की पात्रता नहीं है या नियमित मासिक किस्तों में भुगतान करना सुविधाजनक है, तो पर्सनल लोन पर विचार किया जा सकता है।

अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर सबसे बड़ी चुनौती होती है कि रकम कहां से जुटाई जाए और उस पर कितना ब्याज चुकाना पड़ेगा। ऐसे समय में बैंक से पर्सनल लोन लेना एक आम विकल्प है, लेकिन यदि आपका सार्वजनिक भविष्य निधि यानी पीपीएफ खाता है तो उससे भी कर्ज लिया जा सकता है। दोनों विकल्पों में ब्याज दर, कर्ज की सीमा और भुगतान की अवधि का बड़ा अंतर है। इसलिए केवल कम ब्याज देखकर फैसला करने के बजाय अपनी जरूरत और भुगतान क्षमता को समझना जरूरी है।

ब्याज दर में बड़ा अंतर

पीपीएफ खाते पर मिलने वाले कर्ज का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी कम ब्याज दर है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस पर सालाना एक प्रतिशत ब्याज लिया जाता है। हालांकि, मूल रकम समय पर नहीं चुकाने पर बकाया राशि पर ब्याज की दर बढ़कर छह प्रतिशत सालाना हो सकती है। इसलिए कम ब्याज का लाभ तभी मिलेगा, जब कर्ज की शर्तों का पालन किया जाए। दूसरी ओर, पर्सनल लोन की ब्याज दर बैंक, वित्तीय कंपनी, ग्राहक के क्रेडिट स्कोर और अन्य पात्रता शर्तों पर निर्भर करती है। यह सामान्यतः पीपीएफ लोन से काफी अधिक हो सकती है। कर्ज लेने से पहले ब्याज दर के साथ प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क भी जांचने चाहिए।

कितनी रकम मिलेगी

पीपीएफ से मिलने वाले कर्ज की सीमा खाते में मौजूद पात्र राशि और योजना के नियमों पर निर्भर करती है। सामान्य नियम के अनुसार, संबंधित आवेदन वाले वर्ष से पहले के दूसरे वित्त वर्ष के अंत में खाते में मौजूद पात्र बैलेंस का अधिकतम 25 प्रतिशत तक कर्ज मिल सकता है। इसके लिए खाते की अवधि और अन्य पात्रता शर्तें भी पूरी करनी होती हैं। पर्सनल लोन में मिलने वाली रकम ग्राहक की आय, नौकरी या कारोबार, क्रेडिट हिस्ट्री और बैंक की नीतियों के आधार पर तय होती है। यदि अधिक रकम की जरूरत है और पीपीएफ खाते से मिलने वाला कर्ज पर्याप्त नहीं है, तो पर्सनल लोन उपयोगी विकल्प हो सकता है।



भुगतान की अवधि भी समझें

पीपीएफ लोन में मूल रकम चुकाने के लिए 36 महीने यानी तीन साल तक का समय मिलता है। इसके बाद ब्याज चुकाने के लिए भी योजना के नियमों का पालन करना होता है। भुगतान में देरी होने पर ब्याज का बोझ बढ़ सकता है। पर्सनल लोन में आम तौर पर हर महीने समान किस्त यानी ईएमआई चुकानी होती है। इसकी अवधि एक साल से लेकर कई साल तक हो सकती है। लंबी अवधि चुनने से मासिक किस्त कम हो सकती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक चुकाना पड़ सकता है। इसलिए केवल कम ईएमआई देखकर लंबी अवधि का विकल्प नहीं चुनना चाहिए।

किस स्थिति में कौन सा विकल्प बेहतर?

यदि आपके पास पात्र पीपीएफ खाता है, कम रकम की जरूरत है और आप तय अवधि में कर्ज चुका सकते हैं, तो पीपीएफ लोन कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। लेकिन यदि बड़ी रकम चाहिए, पीपीएफ लोन की पात्रता नहीं है या नियमित मासिक किस्तों में भुगतान करना सुविधाजनक है, तो पर्सनल लोन पर विचार किया जा सकता है। कितनी रकम चाहिए, कर्ज कितने समय में चुकाया जा सकेगा और सभी शुल्क जोड़ने के बाद कुल भुगतान कितना होगा। कम ब्याज वाला विकल्प तभी बेहतर है, जब उसकी भुगतान शर्तें आपकी आर्थिक स्थिति के अनुकूल हों।

दस साल में मिडकैप ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न, जोखिम भी कम नहीं

मिडकैप फंड मध्यम आकार की सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। ऐसी कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने और नए बाजारों में विस्तार करने की संभावनाएं हो सकती हैं। यदि कंपनी की आय, मुनाफा और कारोबार तेजी से बढ़ता है, तो उसके शेयरों को भी फायदा मिल सकता है। यही वजह है कि अनुकूल बाजार में मिडकैप फंड बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के सामने अक्सर यह सवाल रहता है कि म्यूचुअल फंड की किस श्रेणी में पैसा लगाने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है। कोई ज्यादा कमाई की उम्मीद में मिडकैप फंड चुनता है तो कोई अपेक्षाकृत बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश के लिए लार्जकैप को प्राथमिकता देता है। वहीं, फ्लेक्सीकैप फंड में निवेश करने वालों को बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का विकल्प मिलता है। आईसीआरए एनालिटिक्स की सितंबर 2026 की रिपोर्ट बताती है कि पिछले पांच और दस साल के औसत सालाना रिटर्न में मिडकैप फंड सबसे आगे रहे। हालांकि, अधिक रिटर्न का अर्थ यह नहीं है कि हर निवेशक के लिए यही सबसे अच्छा विकल्प है।

पांच और दस साल का रिटर्न कितना रहा?

आईसीआरए एनालिटिक्स के म्यूचुअल फंड आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 तक की अवधि में तीनों श्रेणियों का औसत सालाना रिटर्न इस प्रकार रहा।

फंड श्रेणी	1 साल	3 साल	5 साल	10 साल
लार्जकैप	3.78%	8.05%	7.20%	10.72%
मिडकैप	5.24%	14.22%	13.41%	14.80%
फ्लेक्सीकैप	0.91%	10.33%	9.38%	12.48%

मिडकैप का औसतन रिटर्न 5 साल में 13.41%

आंकड़ों के अनुसार, मिडकैप फंड ने पांच साल में औसतन 13.41 प्रतिशत और दस साल में 14.80 प्रतिशत सालाना रिटर्न दिया। फ्लेक्सीकैप का रिटर्न क्रमशः 9.38 और 12.48 प्रतिशत रहा। लार्जकैप फंड पांच साल में 7.20 प्रतिशत और दस साल में 10.72 प्रतिशत के औसत सालाना रिटर्न पर रहे। इस तरह लंबी अवधि के प्रदर्शन में मिडकैप ने दोनों श्रेणियों को पीछे छोड़ा।

मिडकैप में ज्यादा कमाई की संभावना क्यों?

मिडकैप फंड मध्यम आकार की सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। ऐसी कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने और नए बाजारों में विस्तार करने की संभावनाएं हो सकती हैं। यदि कंपनी की आय, मुनाफा और कारोबार तेजी से बढ़ता है, तो उसके शेयरों को भी फायदा मिल सकता है। यही वजह है कि अनुकूल बाजार में मिडकैप फंड बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।



लार्जकैप में अपेक्षाकृत स्थापित कंपनियां

लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों का कारोबार व्यापक और संचालन अपेक्षाकृत मजबूत हो सकता है। जो निवेशक छोटी कंपनियों के उतार-चढ़ाव से असहज होते हैं, वे इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, लार्जकैप का अर्थ पूंजी की सुरक्षा नहीं है। शेयर बाजार में गिरावट आने पर बड़ी कंपनियों के शेयर भी टूट सकते हैं और फंड का मूल्य घट सकता है। पांच और दस साल के औसत रिटर्न में इस श्रेणी का प्रदर्शन मिडकैप तथा फ्लेक्सीकैप से पीछे रहा।

फ्लेक्सीकैप में निवेश की अधिक स्वतंत्रता

फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक नियामकीय नियमों के तहत बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार की परिस्थितियों और कंपनियों की संभावनाओं के अनुसार निवेश का अनुपात बदलने की सुविधा मिलती है। इस श्रेणी ने पांच और दस साल के औसत रिटर्न में लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मिडकैप से पीछे रही। यह जरूरी नहीं कि हर फ्लेक्सीकैप फंड का जोखिम या रिटर्न समान हो। उसका प्रदर्शन इस बात पर भी निर्भर करता है कि प्रबंधक ने किन कंपनियों और क्षेत्रों में कितना निवेश किया है।

सितंबर की गिरावट ने जोखिम भी दिखाया

लंबी अवधि के बेहतर रिटर्न के बावजूद सितंबर 2026 में तीनों श्रेणियों का औसत प्रदर्शन नकारात्मक रहा। लार्जकैप फंड में औसतन 5.87 प्रतिशत, मिडकैप में 6.04 प्रतिशत और फ्लेक्सीकैप में 5.03 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि लंबी अवधि में अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रेणी भी किसी महीने में बड़ी गिरावट झेल सकती है। इसलिए निवेशक को यह नहीं मानना चाहिए कि मिडकैप ने दस साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है तो वह आगे भी हर परिस्थिति में सबसे बेहतर रहेगा।

निवेशकों का भरोसा किस श्रेणी पर?

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के सितंबरके आंकड़ों के अनुसार, मिडकैप फंड में 7,835 करोड़ का शुद्ध निवेश आया। अगस्त में यह राशि 6,989 करोड़ थी। फ्लेक्सीकैप में शुद्ध निवेश 6,702 करोड़ रहा, जो अगस्त के 5,059 करोड़ रुपये से अधिक था। लार्जकैप फंड में सितंबर में 859 करोड़ का शुद्ध निवेश आया, जबकि अगस्त में 1,147 करोड़ की शुद्ध निकासी हुई थी। 30 सितंबर 2026 को फ्लेक्सीकैप फंड की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां 5.88 लाख करोड़ रुपये, मिडकैप की 5.14 लाख करोड़ रुपये और लार्जकैप की 3.90 लाख करोड़ रुपये थीं।

**इजराइल के हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में त्रिशंकु संसद के आसार बनते दिखाई दे रहे हैं। उधर, अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे मिड-टर्म चुनाव उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। वहीं, यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। वहां शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

इजराइल : सत्ता से बेदखल हो सकते हैं नेतन्याहू



विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर यूं तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक तालुकात से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे।

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर यूं तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक तालुकात से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे। चुनाव परिणाम में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी तो केवल 27 सीटों पर सिमट कर रह गई है और उनके नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन भी इजराइली संसद में केवल 53 सीटें ही हासिल कर पाया। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पहले सन् 2022 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 32 सीटें हासिल हुई थी और नेतन्याहू के नेतृत्व में उनके राजनीतिक गठबंधन ने 64 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई थी। 2022 के संसदीय चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री येअर लेपिड के नेतृत्व वाले राजनीतिक गठबंधन को केवल 51 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। वर्ष 2026 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। संसदीय चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। जनरल आइजनकोट की कमान में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन को 48 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई है। अत्यंत विस्मयकारी रूप से इजराइल की अरब पार्टियों को 19 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव में अरब पार्टियों को केवल 10 सीटें प्राप्त हुईं।



इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां

मध्य पूर्व में मौजूद शाही सामंती सरकारों के मध्य स्थापित इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां सदैव उपस्थिति रहती हैं। ऐतिहासिक तौर पर दृष्टि डाली जाए तो 1948 में अपने स्थापना काल से आज तक इजराइल में किसी भी एक राजनीतिक पार्टी की हुकूमत अस्तित्व में नहीं आ पाई। मैडम गोल्डा मायर जैसी अत्यंत लोकप्रिय लीडर को भी इजराइली संसद में केवल 56 सीटें हासिल हो पाई थीं। किसी भी राजनीतिक गठबंधन को स्पष्ट बहुमत न मिल पाने के कारण वर्ष 2019 से वर्ष 2022 के मध्य इजराइल में पांच बार संसदीय चुनावों का आयोजन करना पड़ा था। इजराइल की तकरीबन एक करोड़ आबादी में छियत्तर लाख मतदाता हैं। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव के पश्चात इजराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के राजनीतिक गठबंधन की सरकार का गठन किया जा सका, जिसने अपना चार वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। प्रबल प्रश्न है कि क्या विपक्षी गठबंधन नेतन्याहू को राजसत्ता से बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ मिलकर हुकूमत निर्मित करने का जोखिम लेगा, जिनका वह विरोधी रहा है। प्रबल वामपंथी लीडर यायर गोलान ने कहा है कि राजसत्ता से नेतन्याहू को बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की पेशकश की है और कहा है कि यहूदियों और अरबों के मध्य धार्मिक और नस्लवादी मतभेदों को अब तो इजराइल में गहरा दफन कर देना चाहिए। वामपंथी लीडर यायर गोलान की पेशकश को यदि आइजनकोट का राजनीतिक गठबंधन स्वीकार कर लेता है तो फिर यकीनन नेतन्याहू इजराइल के अगले प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे।

अरब पार्टियों को फंडिंग

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने संगीन इल्जाम आयद किया है कि इजराइल विरोधी शक्तियों द्वारा चुनाव में उनकी प्रबल विरोधी अरब पार्टियों को जबरदस्त फंडिंग की गई है और अरब पार्टियों द्वारा संसदीय चुनाव को चोरी कर लिया गया है। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने भी अपने बयान में इल्जाम लगाया कि मतदाताओं को बरगलाने और आकर्षित करने के लिए रिश्वतखोरी, हिंसा, धोखाधड़ी और प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया। हालांकि इस संगीन इल्जामात को सिद्ध करने के लिए कोई पुख्ता प्रमाण नेतन्याहू और लिकुड पार्टी द्वारा अभी तक पेश नहीं किए गए हैं। नेतन्याहू के इल्जामात पर इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेत ने बाकायदा जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इजराइल की केंद्रीय चुनाव समिति के कार्यवाहक महानिदेशक डीन लिवने ने फरमाया है कि संसदीय चुनाव की निष्पक्षता के व्यवस्थित उल्लंघन के इल्जामात को साबित करने के लिए किसी किस्म के ठोस और पुख्ता सबूत उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। अतः केंद्रीय चुनाव समिति के महानिदेशक द्वारा इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। इजराइल के संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम प्राप्त हो जाने के तत्पश्चात हुकूमत निर्मित करने के सिर्फ तीन संभावित विकल्प दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

तीन संभावित विकल्प

प्रथम संभावित विकल्प है कि बेंजामिन नेतन्याहू और जनरल आइजनकोट के संयुक्त नेतृत्व में इजराइल में एक राष्ट्रीय सरकार का गठन किया जा सकता है। दूसरा विकल्प है कि नेतन्याहू के नेतृत्वकारी गठबंधन के साथ जनरल आइजनकोट के विपक्षी गठबंधन से पृथक होकर कुछ पार्टियां नेतन्याहू के नेतृत्व में राजनीतिक गठबंधन सरकार में शामिल हो सकती हैं। तीसरा संभावित विकल्प है कि जनरल आइजनकोट के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को अरब पार्टियों को समर्थन प्राप्त हो सकता है और जनरल आइजनकोट इसराइल के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इजराइल की कुल आबादी में तकरीबन बीस फ़ीसदी आबादी अरब नागरिकों की है। अरब आबादी में मुख्यतः मुसलमान और ईसाई हैं। आश्चर्यजनक तौर पर इस चुनाव में अरब पार्टियों को तकरीबन 15 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। चुनाव अभियान के दौरान नेतन्याहू और आइजनकोट के नेतृत्वकारी राजनीतिक गठबंधनों द्वारा अरब पार्टियों से अपनी राजनीतिक दूरी बाकायदा बरकरार बनाए रखी। चुनाव के बाद आए परिणामों ने सरकार के गठन करने की विवशता ने अरब पार्टियों को हुकूमत का गठन करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है।

नीतिगत प्रश्नों पर रहे हैं मतभेद

नेतन्याहू के नेतृत्व में गठित राजनीतिक गठबंधन और जनरल आइजनकोट की कयादत वाले राजनीतिक गठबंधन के मध्य अनेक नीतिगत प्रश्नों पर अत्यंत तल्ख और तनावपूर्ण मतभेद रहे हैं। अतः इस बात की संभावना अत्यंत क्षीण है कि दोनों राजनीतिक गठबंधन एकजुट होकर राष्ट्रीय सरकार का गठन कर सकेंगे। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा अंजाम दिए गए घातक आक्रमण में तकरीबन 1200 से अधिक इजराइली नागरिक हलाक कर दिए गए थे और 251 को बंधक बना लिया था। गजा युद्ध में बड़े पैमाने पर इजराइल के रिजर्व सैनिक हताहत हुए थे। कट्टरपंथी यहूदियों का एक संप्रदाय हरेरी है, जिसकी कुल आबादी तकरीबन 15 फ़ीसदी है। यहूदी संप्रदाय हरेरी के युवाओं को अनिवार्य सैन्य सेवा से सदैव छूट हासिल रही है। पूर्णतः छूट के प्रश्न पर दोनों राजनीतिक गठबंधनों में गंभीर मतभेद विद्यमान हैं। जनरल आइजनकोट हरेरी संप्रदाय को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने के विरुद्ध हैं। यहूदियों के धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष समाज के मध्य गहरी खाई सदैव विद्यमान रही है। इजराइल के राष्ट्रपति ने कहा कि संसदीय चुनाव में तकरीबन 78 प्रतिशत मतदान को दृष्टिगत रखते हुए कहा जा सकता है कि इजराइल के जनमानस में सजग और जीवंत लोकतंत्र के लिए कितनी गहरी इच्छा शक्ति विद्यमान है।

मिड-टर्म का महासंग्राम ट्रंप के भविष्य पर सवाल



चुनाव

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राजनीति में मिड-टर्म यानी मध्यावधि चुनाव हमेशा से व्हाइट हाउस में बैठे राष्ट्रपति के कार्यकाल के लिए एक महत्वपूर्ण जनमत संग्रह माने जाते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे ये मिड-टर्म चुनाव केवल अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के नियंत्रण तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए भी एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। अमेरिकी कानून के तहत मिड-टर्म चुनाव अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 सीटों, सीनेट यानी अमेरिकी उच्च सदन की 100 में से 35 सीटों, 36 राज्यों में गवर्नर पदों के लिए हो रहे हैं। कई प्रांतों में राज्य विधानमंडलों, मेयरों और स्थानीय अधिकारियों के चुनाव भी शामिल हैं। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव यह तय करेंगे कि डोनाल्ड ट्रंप अपने एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ा पाएंगे या उन्हें अपने कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में कांग्रेस के कड़े विरोध और नियंत्रण का सामना करना पड़ेगा। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है। यदि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव या सीनेट में बहुमत हासिल कर लेती है तो ट्रंप प्रशासन के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना बेहद कठिन हो जाएगा।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है।

इमिग्रेशन, कर कटौती और संघीय बजट जैसे अहम मुद्दों पर संसद का कड़ा विरोध उनका रास्ता रोकेगा। ट्रंप अगर कमजोर होते हैं तो उन पर महाभियोग और जांच का खतरा बढ़ जाएगा। इतिहास गवाह है कि जब भी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी मिड-टर्म चुनावों में हारती है, विरोधी दल आक्रामक हो जाते हैं। यदि कांग्रेस पर विपक्ष का नियंत्रण होता है तो ट्रंप प्रशासन की नीतियों, कार्यकारी आदेशों और विदेश नीति के फैसलों के खिलाफ ताबड़तोड़ संसदीय जांच शुरू हो सकती है। वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में अमेरिका केंद्रीय धुरी है। यदि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिड-टर्म चुनावों में पराजय का सामना करना पड़ता है तो इसका असर व्यापार, युद्ध और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ना लाजिमी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा वैश्विक स्तर पर थोपे गए भारी-भरकम टैरिफ़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को हिलाकर रखा है। मिड-टर्म चुनावों में रिपब्लिकन्स की हार को अलोकप्रिय आर्थिक नीतियों और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जनता के गुस्से के रूप में देखा जाएगा। भले ही राष्ट्रपति ट्रंप के पास सीधे तौर पर ट्रेड टैरिफ़ लागू करने की कार्यकारी शक्तियां होती हैं, लेकिन संसद के दबाव और वैधानिक अवरोधों के कारण अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों की रफ्तार धीमी पड़ सकती है, जिससे वैश्विक बाजारों और मुक्त व्यापार समर्थकों को कुछ राहत मिल सकती है। वर्तमान में पश्चिम एशिया विशेषकर ईरान के साथ तनाव और सैन्य कार्रवाइयों के कारण वैश्विक तेल बाजार और अर्थव्यवस्था दबाव में हैं।

अमेरिकी जनता के एक बड़े वर्ग में इस बात की नाराजगी है कि इन विदेश नीतियों के कारण देश के भीतर जीवन स्तर महंगा हुआ है। जनता अगर रिपब्लिकन पार्टी को नकारती है तो अमेरिकी कांग्रेस युद्ध शक्तियों के प्रस्तावों के जरिए राष्ट्रपति के सैन्य हस्तक्षेप के अधिकारों पर लगाम कसने का प्रयास तेज कर देगी। इससे ईरान और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में अमेरिका की सैन्य आक्रामकता सीमित हो सकती है जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सुरक्षा और तेल कीमतों को कुछ स्थिरता मिल सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका के रुख में नाटकीय बदलाव आए हैं और पारंपरिक यूरोपीय सहयोगियों के साथ दूरियां बढ़ी हैं। यदि डेमोक्रेट्स या ट्रंप विरोधी सांसद कांग्रेस में मजबूत होते हैं तो वे यूक्रेन के लिए अमेरिकी सैन्य और आर्थिक सहायता को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर सकते हैं। इससे यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के भीतर यह संदेश जाएगा कि अमेरिकी लोकतंत्र में अभी भी पारंपरिक गठजोड़ और बहुपक्षवाद के समर्थक मजबूत हैं। हालांकि, वाशिंगटन के भीतर इस खींचतान से वैश्विक सुरक्षा नीति में अनिश्चितता और बढ़ सकती है। ट्रंप प्रशासन ने ग्लोबल वार्मिंग, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से दूरी बनाने या अमेरिका को समेटने की नीति अपनाई है। अमेरिकी मिड-टर्म चुनाव 2026 केवल घरेलू राजनीति का विषय नहीं हैं बल्कि यह इस बात का पैमाना है कि क्या दुनिया का सबसे ताकतवर देश एकांगी और राष्ट्रवादी मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा या बहुपक्षीय संतुलन की ओर लौटेगा। यदि इन चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी को बड़ा झटका लगता है तो यह उनकी अजेय छवि को खंडित करेगा और वैश्विक मंच पर अमेरिकी फैसलों का पूर्वानुमान दोबारा स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा राजनीतिक संदेश साबित होगा।

लूला की जीत से ब्रिक्स को मिलेगी निरंतरता



मंथन

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारत में उनकी विजय को लेकर उत्साह अभूतपूर्व रहा है। लूला ने दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो को शिकस्त दी। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं। खासकर ऐसे समय में जब दुनिया अमेरिकी दबदबे, चीन के बढ़ते प्रभाव और नए आर्थिक शक्ति केंद्रों के उभार के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही है, लूला की वापसी को एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

सबसे पहले बात ब्रिक्स की। लूला की जीत का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संदेश ब्रिक्स को लेकर है। ब्राजील इस संगठन का भारत के साथ संस्थापक सदस्यों में शामिल है। भारत, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिलकर ब्राजील भी लंबे समय से इस बात की वकालत करता रहा है कि दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका बढ़नी चाहिए। लूला ब्रिक्स को सिर्फ आर्थिक सहयोग का मंच नहीं मानते, बल्कि इसे वैश्विक व्यवस्था में संतुलन बनाने का जरिया भी मानते हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अमेरिका और यूरोप का दबदबा कम होना चाहिए और भारत, ब्राजील तथा दूसरे विकासशील देशों को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। यही वजह है कि उनकी जीत से ब्रिक्स की मौजूदा दिशा को निरंतरता मिलने की उम्मीद है। चुनाव प्रचार के दौरान फ्लावियो बोल्सोनारो ने ब्रिक्स में ब्राजील की सदस्यता पर दोबारा विचार करने की बात कही थी। इसके उलट लूला ब्रिक्स के साथ सहयोग बढ़ाने के पक्षधर हैं। लूला भारत के मित्र हैं और भारत आते रहे हैं। जाहिर है कि लूला कि विजय से भारत खुश है। भारत और ब्राजील दोनों ही विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंचों पर मजबूती से उठाने की बात करते हैं। लूला की वापसी से भारत-ब्राजील संबंधों में निरंतरता बनी रहनी तय है।

भारत के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, क्योंकि ब्रिक्स जैसे मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग से विकासशील देशों की आवाज को और मजबूती मिल सकती है। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुश तो नहीं होंगे लूला की सफलता से। फ्लावियो बोल्सोनारो की जीत से वाशिंगटन को ब्राजील में एक ऐसा नेतृत्व मिल सकता था, जिसकी राजनीतिक सोच ट्रंप प्रशासन से ज्यादा मेल खाती। लेकिन लूला की जीत ने इस संभावना पर फिलहाल विराम लगा दिया है। लूला अमेरिका के विरोधी नहीं हैं, लेकिन वह अमेरिकी दबाव में विदेश नीति चलाने के पक्षधर भी नहीं हैं। उनका जोर इस बात पर रहता है कि ब्राजील अपने राष्ट्रीय हितों के हिसाब से फैसले करे। वह अमेरिका के साथ व्यापार और निवेश बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए चीन या रूस से रिश्ते खराब करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय में दोनों मुल्कों के रिश्तों में तनाव भी देखने को मिला है। जैयर बोल्सोनारो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और ब्राजील के घरेलू मामलों को लेकर ट्रंप प्रशासन की नाराजगी के बीच अमेरिका ने ब्राजील के सामान पर अतिरिक्त टैरिफ भी लगाए थे। ऐसे में लूला की जीत के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों को लेकर खींचतान जारी रह सकती है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था के लिए अमेरिकी बाजार और निवेश दोनों महत्वपूर्ण हैं। इसलिए लूला के सामने चुनौती यह होगी कि वह अमेरिका के साथ रिश्ते भी संभालें और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखें। है। ब्राजील की प्राथमिकता अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित रखना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका बढ़ाना है। कुल मिलाकर, लूला की चौथी जीत को अमेरिका के खिलाफ जीत या चीन के पक्ष में जनादेश मानना जल्दबाजी होगी।

इसका असली संदेश यह है कि ब्राजील अपनी विदेश नीति में किसी एक महाशक्ति पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह अमेरिका से रिश्ते भी रखेगा, चीन के साथ व्यापार भी बढ़ाएगा और ब्रिक्स में अपनी भूमिका भी मजबूत करेगा। दुनिया की बदलती व्यवस्था में ब्राजील की यही स्वतंत्र भूमिका आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित कर सकती है।



ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं।

प्रवासन नीति को जवाबदेह बनाना जरूरी



यूरोप

चरणजीत 'चरण'
स्वतंत्र पत्रकार

हाल के वर्षों में यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ घटनाओं में प्रवासियों और शरणार्थियों की संलिप्तता भी रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यूरोप ने स्वयं को मानवाधिकारों, उदारवाद और वैश्विक एकजुटता के प्रमुख समर्थक के रूप में प्रस्तुत किया। राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, जातीय संघर्ष और आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और एशिया के लाखों विस्थापित लोगों के लिए यूरोपीय देश सुरक्षित आश्रयस्थल बनकर उभरे। वर्ष 2015 में सीरिया के संकट के दौरान जर्मनी की तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल की उदार शरणार्थी नीति ने इस मानवीय दृष्टिकोण को नई ऊंचाई प्रदान की। किंतु पिछले कुछ वर्षों में यूरोप के विभिन्न देशों में बढ़ती हिंसा और सामाजिक तनाव ने वहां की सरकारों को अपनी प्रवासन नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए विवश किया है। कोई भी शरणार्थी अपने साथ अपनी भाषा, संस्कृति, विचारों और धार्मिक मान्यताओं को लेकर आता है।

विस्थापन की स्थिति में उसकी प्राथमिकता जीवन और आजीविका की सुरक्षा होती है, लेकिन समय के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने की इच्छा भी स्वाभाविक रूप से उभरती है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब प्रवासियों और स्थानीय समाज के बीच सांस्कृतिक दूरी बढ़ती जाती है और आपसी सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाता। आज यूरोप के अनेक देश इसी चुनौती का सामना कर रहे हैं। यूरोपीय देशों ने मानवीय आधार पर लोगों को आश्रय तो दिया, लेकिन उन्हें मुख्यधारा में सम्मिलित करने के लिए आवश्यक दीर्घकालिक रणनीतियों को हर जगह प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। भाषा की बाधा, रोजगार के सीमित अवसर, कौशल का अभाव और सांस्कृतिक अंतर ने अनेक प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण को कठिन बनाया। परिणामस्वरूप, कुछ क्षेत्रों में सामाजिक अलगाव, बेरोजगारी और अपराध जैसी समस्याएं बढ़ीं। इन परिस्थितियों के कारण फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, बेल्जियम, ब्रिटेन और इटली जैसे देशों में सुरक्षा, रोजगार, सार्वजनिक संसाधनों और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नागरिकों की चिंताएं बढ़ी हैं। यूरोपीय देश इस समय दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एक ओर शरणार्थियों और प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण तथा अवसरों की समानता को लेकर बहस तेज हुई है, तो दूसरी ओर यूरोपीय युवाओं और आम नागरिकों के बीच राष्ट्रवाद तथा सांस्कृतिक पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। परिणामस्वरूप, विभिन्न विचारधाराओं के बीच टकराव बढ़ने लगा। किसी भी देश की शरणार्थी और प्रवासन नीति उसके राष्ट्रीय हितों, संवैधानिक व्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप निर्धारित होती है। यूरोप में अब यह मांग जोर पकड़ रही है कि मानवीय आधार पर शरण देने के साथ-साथ कौशल-आधारित वैध प्रवासन को भी व्यवस्थित और प्रोत्साहित किया जाए। यूरोप के अनेक देश बढ़ती आयु वाली आबादी और विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों की आवश्यकता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना व्यावहारिक समाधान नहीं है। यूरोप का शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। दूसरी ओर, प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना भी व्यावहारिक विकल्प नहीं है, क्योंकि यूरोप के अनेक देशों को श्रमिकों और पेशेवर लोगों की आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में उदारता को समाप्त करने के बजाय प्रवासन नीति को अधिक व्यवस्थित, चयनात्मक और जवाबदेह बनाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।



मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।

पोलैंड के सुप्रीम कोर्ट चीफ के निलंबन पर हंगामा

पीएम टस्क पर तख्तापलट का आरोप, देशभर में प्रदर्शन, राष्ट्रपति का विमान बीच रास्ते से लौटा

एक जज ने शुक्रवार को संवैधानिक ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया। इसके बाद उन्होंने खुद ही अध्यक्ष की जिम्मेदारी ले ली। विपक्ष इससे नाराज हो गया

एजेंसी ▶▶ वारसॉ

पोलैंड के सुप्रीम कोर्ट चीफ के निलंबन ने हंगामा खड़ा कर दिया है। देश में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। हालात बिगड़ने पर राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की सेनेगल जाते समय बीच रास्ते से ही वापस लौट आए। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में राष्ट्रपति का देश में रहना जरूरी है। यह कदम तब उठाया गया जब देश की संवैधानिक न्यायाधिकरण (टीके) के अध्यक्ष और उनके डिप्टी को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया गया।

हजारों लोग जज के फैसले के विरोध में अदालत के बाहर जमा हो गए

कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर चीजें फेंकीं


वारसॉ में संवैधानिक प्राधिकरण इमारत के सामने प्रदर्शनकारी

देश को बर्बाद मत करो

विपक्षी नेताओं ने इस कदम को 'तख्तापलट' करार दिया, जबकि पीएम डोनाल्ड टस्क ने कानून बहाल करने के प्रयासों का बचाव किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने हाथों में सरकार विरोधी पोस्टर ले रखे थे। इन पर लिखा था, 'कम्युनिस्टों और टस्क की सरकार को हटाओ' और 'देश को बर्बाद करना बंद करो'। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कुछ चीजें फेंककर विरोध जताया।

पोलैंड में राष्ट्रपति देश के संवैधानिक प्रमुख

पोलैंड में राष्ट्रपति और पीएम दोनों की अलग-अलग जिम्मेदारियां हैं। पीएम डोनाल्ड टस्क सरकार चलाते हैं, जबकि राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। दोनों के बीच अदालतों में जजों की नियुक्ति और उनके काम करने के तरीके को लेकर विवाद चल रहा है। अब यह लड़ाई देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल तक पहुंच गई है। टस्क चाहते हैं कि पिछली सरकार के समय अदालतों में हुई नियुक्तियों और बदलावों को ठीक किया जाए।


नावरोत्स्की

पीएम टस्क पर संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने का आरोप

पोलैंड में पीएम डोनाल्ड टस्क की सरकार पर देश की संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगा है। यह विवाद देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल को लेकर शुरू हुआ है। एक जज ने शुक्रवार को संवैधानिक ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया।

6 नए जजों की नियुक्ति से गहराया विवाद

इस साल मार्च में पोलैंड की संसद ने संवैधानिक ट्रिब्यूनल के लिए 6 नए जज चुने। लेकिन राष्ट्रपति नावरोत्स्की ने इनमें से केवल 2 जजों को अपने सामने शपथ दिलाई। बाकी 4 जजों को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया। इसके बाद 9 अप्रैल को इन चारों जजों ने संसद में ही शपथ ले ली और राष्ट्रपति कार्यालय को इसकी जानकारी दे दी। इनमें अन्ना कोविन-पियोत्रोव्स्का भी शामिल थीं। राष्ट्रपति कार्यालय ने संसद में ली गई इस शपथ को मान्यता नहीं दी।

कानून का राज बहाल करना हमारी जिम्मेदारी: टस्क


डोनाल्ड टस्क

पीएम डोनाल्ड टस्क ने अपनी सरकार के फैसलों का बचाव किया है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि पीआईएस पार्टी के शासन में सालों तक कानून का उल्लंघन हुआ। अब कानून का राज बहाल करना एक मुश्किल प्रक्रिया है। इसमें कभी-कभी कड़े और दर्दनाक फैसले लेने पड़ते हैं, लेकिन इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

खबर संक्षेप

कैलिफोर्निया में फायरिंग 1 की मौत, 6 घायल

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दुकान में गोलीबारी की घटना हुई है।



फेयरफील्ड शहर के सोलानो टाउन सेंटर स्थित स्पिरिट हैलोवीन स्टोर में शुक्रवार देर रात गोलियां चलीं। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, सभी सात लोगों को गोली लगी थी। पुलिस के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से कम से कम तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। यह दुकान हैलोवीन के लिए कॉस्ट्यूम और सजावट का सामान बेचती है।

यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा यूएस

कीव। अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है। इस डील की कीमत करीब



19 हजार करोड़ रुपए है। इसका पूरा खर्च यूरोपीय देश और कनाडा उठाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों से बचाव के लिए हर महीने 100 मिसाइलें देने की मांग की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को इस संभावित सौदे को मंजूरी दी। इसके तहत यूक्रेन को पैट्रियट का सबसे आधुनिक वर्जन पीएसी-3 एमएसई मिसाइलें मिलेंगी। ये मिसाइलें हवा में ही दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर सकती हैं।

अटलांटा में आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर की दो टूक

ऊर्जा संकट उत्पादन की कमी से नहीं, आपूर्ति और अनिश्चितताओं में बाधाओं से पैदा हो रहा

ऊर्जा व्यापार और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले सुनियोजित रणनीति


जी20 बैठक को संबोधित करते एस. जयशंकर

एजेंसी ▶▶ अटलांटा

अमेरिका के अटलांटा में आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दूसरे पूर्ण सत्र को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऊर्जा संकट पर चिंता जताई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि दुनिया आज ऊर्जा उत्पादन की कमी से नहीं, बल्कि अनिश्चितता, आपूर्ति में व्यवधान, अत्यधिक लागत और ऊर्जा तक पहुंच की चुनौतियों से पैदा हुए संकट का सामना कर रही है। उन्होंने ऊर्जा व्यापार और बुनियादी ढांचे पर जानबूझकर किए जा रहे हमलों को कीमतों को अपने नियंत्रण में रखने की सोची-समझी रणनीति करार दिया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी टिप्पणी साझा करते हुए कहा कि ऊर्जा व्यापार और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर जानबूझकर किए जाने वाले हमले ऊर्जा कीमतों को बंधक बनाने की एक सुनियोजित रणनीति हैं। बाधाओं, प्रतिबंधों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में रुकावटों के कारण ऊर्जा बाजार लगातार प्रभावित हो रहे हैं। ऐसी स्थितियां अब अधिक बार सामने आ रही हैं और उनकी जटिलता तथा प्रभाव का दायरा भी बढ़ रहा है। उन्होंने कम आय वाले देशों की स्थिति पर विशेष चिंता जताते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन देशों की मुश्किलों और उनकी जरूरतों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है।

> जयशंकर ने कहा कि ऊर्जा व्यापार और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर जानबूझकर किए जाने वाले हमले ऊर्जा कीमतों को बंधक बनाने की एक सुनियोजित रणनीति हैं। बाधाओं, प्रतिबंधों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में रुकावटों के कारण ऊर्जा बाजार लगातार प्रभावित हो रहे हैं। ऐसी स्थितियां अब अधिक बार सामने आ रही हैं और उनकी जटिलता तथा प्रभाव का दायरा भी बढ़ रहा है

छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टरों की जरूरत

विदेश मंत्री ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने के साथ ऊर्जा भंडारण, छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टरों, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन को आगे बढ़ाने की जरूरत है। जयशंकर ने कहा कि भारत का राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की खोज से लेकर उनके पुनर्चक्रण तक की पूरी प्रक्रिया को शामिल करता है। इसके साथ ही भारत ने जी20 के समक्ष महत्वपूर्ण खनिजों के सर्कुलरिटी यानी पुनर्चक्रण और दोबारा उपयोग को बढ़ावा देने की पहल का प्रस्ताव रखा है।

तेल और गैस के बीच अंतर करने पर उठाए सवाल

जयशंकर ने तेल और गैस के बीच सुविधानुसार अंतर किए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इन दोनों ऊर्जा स्रोतों को लेकर अलग-अलग छूट दिए जाने की प्रवृत्ति अपने आप में बहुत कुछ कहती है। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया और न ही उन छूटों का स्पष्ट उल्लेख किया, जिनकी ओर उनका इशारा था। उन्होंने आगाह किया कि वैश्विक बाजार में एक क्षेत्र में पैदा होने वाले व्यवधान का असर दूसरे क्षेत्रों पर भी पड़ता है। परस्पर निर्भरता के इस दौर में ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के दूरगामी प्रभावों को कम करके नहीं आंकना चाहिए।

आतंकवाद के खतरे को नजरअंदाज नहीं कर सकते

जयशंकर ने बैठक में कहा कि वैश्विक चुनौतियों का हल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि कूटनीति से निकाला जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के खतरे को नजरअंदाज नहीं करने, समुद्री रास्तों पर जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और नाविकों पर हमले रोकने की जरूरत भी उठाई। जयशंकर ने कहा कि समुद्री रास्तों में बाधा और सप्लाई चेन पर दबाव का सबसे ज्यादा असर ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहा है, जिससे ईंधन, खाद्य पदार्थों और उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतें प्रभावित हो रही हैं।

साझा बयान पर सहमति नहीं बन पाई

रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान युद्ध, अमेरिकी टैरिफ और दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों को लेकर देशों के बीच मतभेद रहे। होर्मुज स्ट्रेट समेत समुद्री रास्तों से व्यापार और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही भी चर्चा का मुद्दा रही। इन मतभेदों के कारण बैठक के अंत में सभी देशों की ओर से साझा बयान जारी होने की संभावना नहीं रही।

विवादों में घिरी जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक

जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक अमेरिका के अटलांटा शहर में विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी में हो रही है। यह बैठक शुरू से ही विवादों में घिर गई थी। दक्षिण अफ्रीका जी20 का संस्थापक सदस्य है और अफ्रीका का एकमात्र सदस्य देश है। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन ने उसे बैठक में नहीं बुलाया। इस बार ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को न्योता नहीं दिया। अमेरिका ने पोलैंड को जी20 की बैठक में मेहमान के तौर पर बुलाया। अमेरिका पोलैंड को जी20 का स्थायी मेंबर बनाना चाहता है।

जी20 देशों के विदेश मंत्रियों का फोटो सेशन रद्द

बैठक में शुक्रवार को रूस को लेकर विवाद हो गया। पहले दिन की बैठक का ग्रुप फोटो सेशन रद्द करना पड़ा। रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर करीब एक-तिहाई देशों ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ तस्वीर खिंचवाने से इनकार कर दिया था। कुछ देशों ने फोटो सेशन में शामिल नहीं होने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद अमेरिका ने फोटो सेशन रद्द करने का फैसला लिया। हालांकि, इससे बैठक के बाकी कार्यक्रम पर असर नहीं पड़ा और बातचीत तय कार्यक्रम के मुताबिक जारी रही।

ढाका में सरकार के खिलाफ रैली

एनसीपी की मांग- भारत को ट्रांजिट कॉरिडोर न दें

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में विपक्षी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के नेता नाहिद इस्लाम ने भारत को लेकर अपनी सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेश की जमीन से भारत को किसी भी तरह का ट्रांजिट कॉरिडोर देने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने गंगा जल बंटवारे को लेकर भी भारत के साथ निष्पक्ष समझौते की मांग की है। नाहिद ने चेतावनी दी कि अगर नए समझौते में बांग्लादेश के हिस्से के पानी की सुरक्षा नहीं हुई तो लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।


नाहिद इस्लाम

ढाका में एनसीपी की ओर से आयोजित रैली में सैकड़ों समर्थक शामिल हुए। रैली में मुख्य रूप से गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद और बिजली, ऊर्जा एवं खनिज संसाधन मंत्री इकबाल हसन महमूद टुकू के इस्तीफे की मांग की गई। आरोप लगाया कि दोनों मंत्री ठीक से काम नहीं कर रहे हैं।

मातारबाड़ी बंदरगाह पर जापान कर रहा मदद

बता दें, तारिक रहमान 26 से 29 अक्टूबर तक जापान के दौरे पर थे। इस दौरान जापान और बांग्लादेश ने आपसी सहयोग बढ़ाने और बंगाल की खाड़ी के क्षेत्र में कनेक्टिविटी मजबूत करने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने आर्थिक विकास, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कही। जापान बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी इलाके में मातारबाड़ी गहरे समुद्र के बंदरगाह को विकसित करने में आर्थिक मदद कर रहा है। जापान की एजेंसी जाइका इस परियोजना को वित्तीय सहयोग दे रही है।

पानी के हक से समझौता नहीं

नाहिद इस्लाम ने कहा कि बांग्लादेश इस बार गंगा जल समझौते में अपने जायज हिस्से से एक बूंद भी कम स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने साफ किया कि अगर समझौता बांग्लादेश के हितों के मुताबिक नहीं हुआ तो देशभर में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। वहीं, भारत का कहना है कि गंगा जल बंटवारे समेत साझा नदियों से जुड़े सभी मुद्दों पर दोनों देशों के बीच संयुक्त नदी आयोग (जेआरसी) के माध्यम से बातचीत होती है। यह आयोग 1972 में बनाया गया था।

आशुतोष दीक्षित ने वायुसेना प्रमुख का पदभार संभाला

3500 घंटे की उड़ान का अनुभव, 20 से अधिक विमानों के माहिर पायलट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने शनिवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के नए प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हे 20 से अधिक तरह के विमानों पर 3,500 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने का अनुभव है और वह एक कुशल फाइटर जेट पायलट हैं। रणनीतिक योजना के लिए पहचाने जाने वाले और 'ऑपरेशन सिंदूर' में अहम भूमिका निभाने वाले एयर चीफ मार्शल दीक्षित इससे पहले वायुसेना के उप प्रमुख के पद पर कार्यरत थे।


आशुतोष दीक्षित, नए वायुसेना प्रमुख

कई अभियानों में सक्रिय भूमिका

लगभग चार दशक के अपने सेवाकाल के दौरान, एयर मार्शल दीक्षित कई अभियान में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं, जिनमें ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर शामिल हैं।

1986 में वायुसेना की फाइटर यूनिट में हुए थे शामिल

29वें वायुसेना प्रमुख का पदभार संभालने वाले आशुतोष दीक्षित का जन्म 9 दिसंबर 1966 को हुआ। 6 दिसंबर 1986 को वायुसेना की लड़ाकू इकाई में शामिल हुए थे। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, डिफेंस स्टाफ सर्विस कॉलेज (बांग्लादेश) और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उनके पास मिराज-2000, मिग के विभिन्न संस्करण, किरण, जगुआर, आईएल-78, हॉक और तेजस समेत कई तरह के विमानों को उड़ाने का 3,500 घंटे से अधिक का व्यापक अनुभव है।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

14 करोड़ के 7 दुर्लभ बाज के साथ पक्षियों का तस्कर अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी एसटीएफ ने दुर्लभ पक्षियों की तस्करी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। उसके पास से सात दुर्लभ बाज (फाल्कन) मिले हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत करीब 14 करोड़ रुपए बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुंबई निवासी फिरोज मसर्रत खान के रूप में हुई है। एसटीएफ को 30 अक्तूबर को सूचना मिली थी कि मुंबई का एक व्यक्ति प्रतिबंधित पक्षियों को लेकर लखनऊ आने वाला है। इस पर एसटीएफ की टीम ने वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की टीम के साथ मिलकर मदेयगंज थाना क्षेत्र के इरादतनगर मोहल्ले में छापा मारा। शुक्रवार शाम 7:30 बजे आरोपी को एक मकान से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से सात बाज, एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड मिला।


दुर्लभ बाज — फिरोज खान

ईरान और अमेरिका में फिर ठनी जुबानी जंग

मोजतबा ने कहा- ईरान तय करेगा कब खत्म होगा युद्ध, ट्रंप बोले- हमें भी कोई जल्दी नहीं

एजेंसी ▶▶ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष खत्म होता नहीं दिख रहा है। ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने देश की सशस्त्र सेनाओं को एक सख्त आदेश जारी करते हुए कहा है कि दुश्मन के किसी भी खतरे का तुरंत और बिना किसी भौगोलिक सीमा के जवाब दिया जाना चाहिए। शनिवार को उनके आधिकारिक टेलीग्राम अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा कि ईरान खुद तय करेगा कि दुश्मनों के खिलाफ शुरू हुए इस सैन्य संघर्ष या हमलों को कब और किन शर्तों के तहत खत्म करना है।


डोनाल्ड ट्रंप — मोजतबा खामेनेई

ईरान संग कोई आम युद्ध नहीं: ट्रंप

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन को भी ईरान के साथ युद्ध को खत्म करने की जल्दी में नहीं है। ट्रंप ने कहा कि यह कोई आम युद्ध नहीं है, हमें वहां सात महीने हो चुके हैं। वे (ईरान) अपने सैनिकों और पुलिस को वेतन नहीं दे पा रहे हैं, वे भारी मुसीबत में हैं और सच कहें तो हमारे पास समय है। ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत की कोशिशें जारी हैं।

बिना देरी मुंहतोड़ जवाब दें

खामेनेई ने ईरान की सेना को सख्त और स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि दुश्मन के किसी भी नए सैन्य या आतंकवादी हमले का बिना किसी देरी के मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। इस आदेश के तहत सैन्य अधिकारियों को टारगेट लिस्ट को अपडेट करने को कहा गया है।

यूएन महासचिव पद पर तुर्किये की नजर

पूर्व विदेश मंत्री को मैदान में उतारा 5 स्थाई सदस्यों की अहम भूमिका

एजेंसी ▶▶ अंकारा

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अगले महासचिव पद की दौड़ में तुर्किये ने अपने पूर्व विदेश मंत्री फेरिदुन सिनिरलियोग्लू का नाम आगे बढ़ाया है।


फेरिदुन सिनिरलियोग्लू

तुर्किये ने शनिवार को आधिकारिक रूप से उनके नाम का प्रस्ताव रखा। इस कदम को तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का समर्थन हासिल है। सिनिरलियोग्लू 70 साल के हैं। वह 2015 में कुछ महीनों तक तुर्किये के विदेश मंत्री रहे थे। इसके बाद 2016 से 2023 तक उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में तुर्किये के राजदूत के तौर पर काम किया। फिलहाल वह वियना स्थित यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) के महासचिव हैं। उनका मौजूदा कार्यकाल दिसंबर 2027 में खत्म होना है। संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस करीब 10 साल से इस पद पर हैं। उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद नए महासचिव की नियुक्ति होगी। सात अन्य उम्मीदवार भी इस पद की दौड़ में हैं। यूएन के अगले महासचिव के चयन में 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की अहम भूमिका होगी। इसके पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब बना साइबर जासूसी का महत्वपूर्ण हथियार

साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक की रिपोर्ट में खुलासा

14 देशों के 200 से ज्यादा संगठन निशाने पर, मंत्रालय और रक्षा कंपनियां प्रभावित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल अब साइबर जासूसी अभियानों को बड़े पैमाने पर अंजाम देने के लिए भी किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक ने चीन से जुड़े हैकर समूह 'वेपर पांडा' के ऐसे ही अभियान का खुलासा किया है। इसमें एआई आधारित एजेंटिक फ्रेमवर्क से 14 देशों के 200 से अधिक संगठनों को निशाना बनाया गया। इनमें कई मंत्रालय व सरकारी विभाग शामिल थे।



निशाने पर ईयू का विदेश मंत्रालय, राष्ट्रपति और पीएमओ

हैकर्स ने चीन में विकसित डीपसेक का उपयोग किया

इन संगठनों में सरकारी संस्थान, विदेश मंत्रालय, रक्षा-सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कंपनियां, दवा निर्माता तथा दूरसंचार सेवाएं शामिल हैं। 17 अक्तूबर से शुरू इस अभियान में हैकर समूह ने आर्टेक्स नामक ओपन-सोर्स एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क के साथ चीन में विकसित डीपसीक और एक अन्य व्यावसायिक एआई मॉडल का इस्तेमाल किया। क्राउडस्ट्राइक की रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलावरों ने संगठनों में पहुंच हासिल कर ब्लडअल्केमी नामक बैकडोर तैनात किया। नेटवर्क की पड़ताल तथा लॉगिन क्रेडेंशियल हासिल किए। 12 अन्य संगठनों के खिलाफ पासवर्ड सूचनाएं पाने के प्रयास भी दर्ज किए गए हैं। निशाने पर एक यूरोपीय देश का विदेश मंत्रालय, राष्ट्रपति-पीएमओ दफ्तर निशान पर हैं।

एआई एजेंट्स कर रहे मदद

एआई आधारित टूल्स की वजह से साइबर हमलों का तरीका बदल रहा है। जहां पहले हैकर्स को कई तकनीकी काम खुद करने पड़ते थे, वहीं एआई एजेंट्स (एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क) कुछ प्रक्रियाओं को तेजी से और व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। अब हैकर्स को किसी सिस्टम में घुसपैठ करने के लिए हफ्तों मेहनत नहीं करनी पड़ती। एआई एजेंट बिना किसी इंसानी मदद के, खुद से निर्णय लेकर और बिना रुके 24 घंटे साइबर हमलों को अंजाम दे रहे हैं।

नेटवर्क निगरानी करनी होगी मजबूत

इससे सरकारी विभागों, कंपनियों और जरूरी सेवाओं से जुड़े नेटवर्क की सुरक्षा चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऐसे में संगठनों के लिए नेटवर्क की निगरानी, मजबूत पासवर्ड व्यवस्था, लॉगिन गतिविधियों की जांच और संदिग्ध गतिविधियों की समय पर पहचान करना अहम हो जाता है।



माधवन बने हॉरर फिल्म के हीरो, निर्देशक बोले- ऐसा खौफ कभी नहीं देखा होगा

मुंबई। आर माधवन जल्द ही निर्देशक विशाल फुरिया की अगली हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। 'छोरी' और 'मां' जैसी हॉरर फिल्मों के लिए मशहूर विशाल ने बताया कि माधवन इस फिल्म के लिए उनकी पहली और इकलौती पसंद थे। फिल्म की शूटिंग साल 2027 की शुरुआत में शुरू होगी। इसे रोहित रंजन अपने प्रोडक्शन हाउस फ्रॉस्टलिट प्रोडक्शन लिमिटेड के बैनर तले बना रहे हैं। विशाल का कहना है कि वो दर्शकों को भारतीय हॉरर सिनेमा में पहले कभी न देखा गया डर दिखाना चाहते हैं। माधवन '13बी' और 'शैतान' जैसी हॉरर फिल्मों में काम कर चुके हैं। इसके अलावा वो विशाल फुरिया की फिल्म 'मां' में कैमियो करते भी नजर आए थे। अब दोनों की इस नई फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।

लाइफ Style

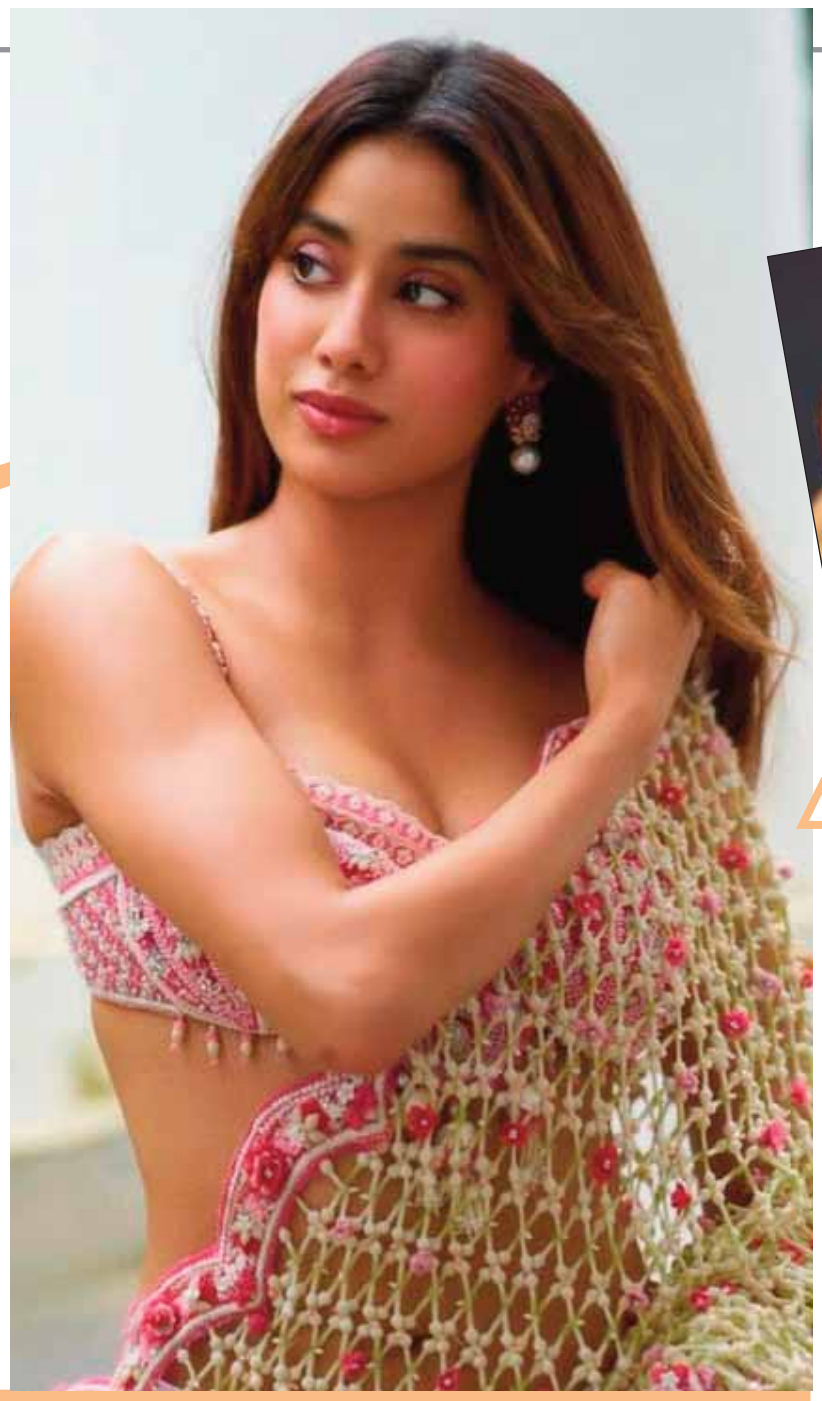
जाह्नवी

शिखर के साथ कब शादी करेंगी, खोला राज

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया के रिश्ते पर उनके फैंस की नजरें हमेशा बनी रहती हैं। करण जौहर के 'कॉफी विद करण' के 9वें सीजन में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड संग भविष्य की योजनाओं पर बात की।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया के रिश्ते पर उनके फैंस की नजरें हमेशा बनी रहती हैं। करण जौहर के 'कॉफी विद करण' के 9वें सीजन में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड संग भविष्य की योजनाओं पर बात की। होस्ट करण ने एक सवाल में जाह्नवी से उनकी लव लाइफ और शादी की योजना के बारे में पूछा, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी उनकी शादी तय नहीं हुई है, लेकिन एक आइडियल टाइमलाइन बताकर फैंस को उत्साहित कर दिया। अभिनेत्री ने करण के सवाल पर स्पष्ट किया कि उन्हें अभी उनकी शादी के लिए कितना लंबा इंतजार करना होगा। तो अभिनेत्री जाह्नवी ने कहा, अभी अगले 2 से 3 साल तक नहीं। बातचीत के दौरान करण ने अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा, खुशी कपूर और वेदांग रैना, और वीर पहाड़िया व तारा सुतारिया के रिश्ते पर जिक्र किया। इस पर जाह्नवी ने कहा, मैंने दूसरे लोगों के साथ अपने अलग-अलग ब्रेकअप के बाद भी एक-दूसरे के साथ मैनेज किया। हम मैनेज करने में अच्छे हैं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने और शिखर ने दूसरे लोगों के साथ अलग-अलग ब्रेकअप के बावजूद अपने रिश्ते को बनाए रखा है। बता दें कि चैट शो में जाह्नवी के साथ वरुण धवन भी पहुंचे थे।



हॉलीवुड मसाला



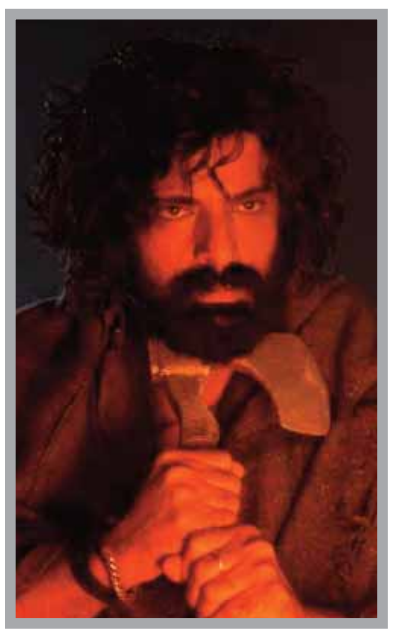
दिग्गज अभिनेता स्टीवर्ट नहीं रहे

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सर पैट्रिक स्टीवर्ट अब हमारे बीच नहीं रहे। मार्वल की मशहूर एक्स-मेन सीरीज में प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर का लोकप्रिय किरदार निभाकर उन्होंने सिनेमा जगत में अपनी खास पहचान बनाई थी। 86 वर्षीय अभिनेता पिछले कुछ समय से अल्जाइमर और लेवी बॉडी डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उन्होंने लॉस एंजिल्स स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। स्टीवर्ट के परिवार ने सोशल मीडिया पर एक बयान के जरिए उनके निधन की पुष्टि की है।



'जुमांजी: ओपन वर्ल्ड' का नया हिंदी ट्रेलर जारी...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सुपरस्टार इवेन जॉनसन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जुमांजी: ओपन वर्ल्ड' का नया ट्रेलर आ गया है। फिल्म में जैक ब्लैक, केविन हार्ट और कैरेन गिलन भी अपने-अपने लोकप्रिय किरदारों के साथ जंगल का घमासान लेकर लौट आए हैं। इस बार रोमांच जंगलों में नहीं, बल्कि शहर के अंदर दिखेगा। फिल्म का ट्रेलर पहले से ज्यादा खतरनाक खेल और चारों तरफ खतरे के होने का संकेत देता है। उस पर जैक और केविन की जबरदस्त कॉमेडी हंसी की डोज देती है। सोनी पिक्चर्स इंडिया ने ट्रेलर जारी किया है, जिसकी शुरुआत सड़कों पर मची उथल-पुथल से होती है। दरअसल, खेल का कंसोल टूट गया है और वीडियो गेम के किरदार असली दुनिया में आकर 'डेमो मोड' में फंस गए हैं।



मोहित ने खोला अपने किरदार का राज...

मुंबई। अभिनेता मोहित मलिक फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' में बीरजू लोहार का किरदार निभा रहे हैं। उनका कहना है कि बीरजू को सिर्फ अच्छा या बुरा कहना सही नहीं होगा, क्योंकि उसके किरदार में कई कमियां हैं और वो हमेशा सही फैसले नहीं लेता। मोहित के मुताबिक, यही बातें इस किरदार को दिलचस्प बनाती हैं। एक अभिनेता के तौर पर वो किसी भी किरदार को सही या गलत के नजरिए से नहीं देखते, बल्कि उसकी वजहों और भावनाओं को समझने की कोशिश करते हैं। 'मिर्जापुरः द मूवी' में एक बार फिर दर्शकों को कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया की दुनिया देखने को मिल रही है। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म वेब सीरीज की कहानी को सीधे आगे बढ़ाने के बजाय पहले सीजन की घटनाओं के बीच की एक अनकही कहानी दिखाती है।



युवराज ने बायोपिक पर दिया बड़ा अपडेट

मुंबई। स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में 6 छक्के जड़ने से लेकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को हराकर मैदान पर वापसी करने तक पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह की जीवन यात्रा प्रेरणादायक रही है। हाल ही में एक खास बातचीत में इस दिग्गज ऑलराउंडर ने अपनी फिटनेस और क्रिकेट के बाद की अपनी नई पारी पर खुलकर बात की। इसके साथ ही उन्होंने अपनी बहुप्रतीक्षित बायोपिक को लेकर भी बड़ा अपडेट साझा किया है। मिड डे के साथ हुई एक बातचीत में युवी ने अपनी कैंसर से जंग को याद करते हुए कहा, स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। एक समय मैं भी इस पर बात करने से डरता था कि कहीं मेरा क्रिकेट करियर खत्म न हो जाए, लेकिन मेरे सफर ने लोगों को प्रेरित किया। मानसिक सेहत बहुत महत्वपूर्ण है और मुश्किल दौर में परिवार व दोस्तों से बात करना बेहद जरूरी है।

टीवी मसाला



'बिग बॉस 20' की लव गिल संग नाम जुड़ने पर भड़के गुरप्रीत

मुंबई। सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' में नजर आ रहीं लव गिल और पंजाबी अभिनेता गुरप्रीत घुग्गी के कथित अफेयर की खबरें कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर छाई हैं। हालांकि, अब अभिनेता ने इन अफवाहों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। एक वीडियो स्टेटमेंट में विवाद पर बात करते हुए, गुरप्रीत ने इन दावों को अपनी इमेज खराब करने का एक कथित एजेंडा बताया और संकेत दिया कि वह मामले को कोर्ट में ले जाएंगे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में उन्होंने कहा, आज, जब हम बोल पाएंगे, तो हम निश्चित रूप से इस पर बात करेंगे। लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि यह संभव है कि मेरे खिलाफ कोई एजेंडा हो। उन्होंने लव के प्रति चिंता जताते हुए कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि यह संभव है कि मेरे खिलाफ कोई एजेंडा हो। लेकिन अगर वह लड़की, जिसने अभी अपना करियर शुरू किया है, जिसका एक परिवार है, आज उसकी क्या हालत होगी? गुरप्रीत ने बताया कि लव ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी थी। उन्होंने कहा, मैंने जब पता कराया तो पता चला कि उनकी मानसिक हालत ठीक नहीं थी। वो किस तरह के ट्रॉमा में होगी? मैं तो तगड़ा बंदा हूं। दिमागी मजबूत हूं, सुसाइड नहीं करूंगा। मुझे नहीं पता कि मैं बर्बाद हो गया हूं या नहीं। लेकिन मैं एक इंसान हूं। उन्होंने सवाल किया व्यूज, पैसे और ऑनलाइन लोकप्रियता के लिए लोग क्यों ऐसा काम करते हैं। अभिनेता ने इशारा दिया कि इस मामले को कानूनी तौर पर उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वो बेबुनियाद हैं और कहा कि पुलिस अपना काम करेगी।

'बिग बॉस 20' से बेघर हुए आसिफ

'पंचायत' से लोकप्रिय हुए अभिनेता आसिफ खान चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' से बाहर होने की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस हफ्ते नामांकित सदस्यों में से सबसे कम वोट मिलने के कारण उनके बेघर होने की संभावना जताई जा रही है। मिर्जापुर' और 'पाताल लोक' जैसे मशहूर शोज में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाले आसिफ के इस एविक्शन से उनके फैंस काफी हैरान हैं। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। इस हफ्ते नामांकित सदस्यों में स्काउटऑप, लव गिल, आम्रपाली दुबे, गुल्लू (कुशल तंवर) और आसिफ खान शामिल थे। खबरों के अनुसार, आसिफ को सबसे कम वोट मिले हैं, जिससे 'बिग बॉस 20' में उनका सफर समाप्त हो गया है। अगर इन रिपोर्टों की पुष्टि होती है तो इस वीकेंड आसिफ शो से बाहर होने वाले अगले प्रतियोगी होंगे। इससे पिछले एलिमिनेशन में मैरी कॉम कम वोट मिलने के कारण शो से बेघर हुई थीं।



पंकज और अदिति की 'पारिवारिक मनुरंजन' ओटीटी पर देगी दस्तक

मुंबई। पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी पहली बार फिल्म 'पारिवारिक मनुरंजन' के जरिए साथ आ रहे हैं। यह एक हल्की-फुल्की पारिवारिक मनोरंजक ड्रामा है, जिसे जिसका टीजर कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर जारी हुआ था। अब फिल्म की ओटीटी रिलीज तारीख पर अपडेट आ गया है। रोमांस और ह्यूमर से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन वरुण वी शर्मा ने किया है। वहीं, निर्माता विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, हिमांशु किशन मेहरा और एलिसिया जाफर हैं।



दिवाली के ठीक बाद ओटीटी पर आएगी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 'पारिवारिक मनुरंजन' का प्रीमियर दिवाली के ठीक बाद 13 नवंबर, 2026 को सोनी लिव पर होगा। इसका लुत्फ सब्सक्रिप्शन यूजर्स उठा सकते हैं। फिल्म के टीजर में पारिवारिक संबंधों, बॉन्ड और लोगों को एक साथ लाने वाली रोजमर्रा की परिस्थिति के बारे में एक हल्की-फुल्की कहानी की झलक पेश की गई है। निर्माता इसके जरिए एक ऐसी कहानी दर्शकों के लिए लाए हैं, जिसे वह अपने प्रियजनों के साथ देख सकेंगे।

रणबीर की 'रामायण' में नहीं चली सेंसर बोर्ड की कैंची...

मुंबई। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी ये पौराणिक फिल्म दिवाली से ठीक पहले रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज में हफ्ते भर से भी कम समय बचा है, इस बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसे सेंसर प्रमाणपत्र दे दिया है। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, फिल्म की सेंसर प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी हो गई है।

बिना कट के पास हुई 'रामायण'

सेंसर बोर्ड ने 'रामायण' को बिना किसी कट के यू सर्टिफिकेट दिया है यानी इसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सकता है। फिल्म की कुल लंबाई 3 घंटे 15 मिनट होगी। बोर्ड के मुताबिक, रावण के अत्याचार बढ़ने पर भगवान विष्णु श्रीराम के रूप में जन्म लेते हैं। पिता का वचन निभाने के लिए राम, सीता और लक्ष्मण वनवास जाते हैं। वहां रावण सीता का हरण कर लेता है, जिसके बाद राम और रावण के बीच युद्ध होता है।



6 भाषाओं और 5 बड़े फॉर्मेट्स में रिलीज होगी 'रामायण'

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'रामायण' का निर्माण नमित मल्होत्रा (प्राइम फोकस स्टूडियोज) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस) ने मिलकर किया है। इस भव्य फिल्म में सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल और लारा दत्ता जैसे कई सितारे नजर आएंगे। ये फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम और अंग्रेजी में सभी स्क्रीन फॉर्मेट में व सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रही है।

'रामायण' के खौफ से टली 'गोडजिला' की रिलीज

'रामायण' के भारत में आईमैक्स 3डी में रिलीज होने से स्क्रीन्स की भारी मांग है। सिनेमाघरों की पहली पसंद 'रामायण' होने के कारण 'गोडजिला माइनस जीरो' की रिलीज टलकर 20 नवंबर हो सकती है, क्योंकि दूसरी फिल्मों को पर्याप्त स्क्रीन नहीं मिल पा रही हैं। इसी बीच, 4 नवंबर को 'रामायण' के करीब 300 स्पेशल (पेड प्रीव्यू) शो दिखाए जाएंगे, जिससे रिलीज से पहले ही बंपर कमाई की उम्मीद है।

आइफा अवॉर्ड्स 2026: 'धुरंधर' का बजा डंका अनीत पड्डा और राशा थडानी ने भी मारी बाजी

मुंबई। आइफा अवॉर्ड्स 2026 के विजेताओं की सूची जारी हो गई है, जिसमें फिल्म 'धुरंधर' का दबदबा देखने को मिला। रणवीर सिंह को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अक्षय खन्ना को नकारात्मक किरदार के लिए अवॉर्ड मिला, वहीं फिल्म के निर्देशक आदित्य धर को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग के लिए सम्मानित किया गया। शानदार अभिनय और मनोरंजन से भरपूर इस शाम में अहान पांडे और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड अपने नाम किया।



अनीत बनीं सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री राशा-अहान को मिला बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड

आइफा अवॉर्ड्स 2026 में फिल्म 'सैयारा' के लिए अनीत पड्डा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया, जबकि रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को 'आजाद' के लिए बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड मिला। अहान पांडे को 'सैयारा' के लिए बेस्ट मेल डेब्यू का पुरस्कार दिया गया। हुमा कुरैशी को 'जॉली LLB 3' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री चुना गया, वहीं सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार श्रेया घोषाल को तो सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फिल्म का पुरस्कार 'अवतारः फायर एंड ऐश' को मिला।

छाई 'धुरंधर', फिल्म ने जीते 12 पुरस्कार

'धुरंधर' ने आइफा अवॉर्ड्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पुरस्कार अपने नाम किए हैं। फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म से लेकर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक तक कई बड़े पुरस्कार जीते। रणवीर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और संजय दत्त को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता चुना गया, वहीं अक्षय खन्ना को नेगेटिव रोल के लिए सम्मान मिला। आदित्य धर को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, ओरिजिनल स्टोरी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग के लिए तो फिल्म को सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन, सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग और साउंड डिजाइन का पुरस्कार भी मिला।

दिलजीत और डैडी ने नए पंजाबी-स्पेनिश गाने 'पोकीतो' के लिए मिलाया हाथ



मुंबई। पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने प्यूर्टो रिको के गायक डैडी यांकी से हाथ मिला लिया है। दोनों कलाकार 'पोकीतो' नाम का एक गाना लेकर आए हैं, जो पंजाबी और स्पेनिश भाषा का एक धमाकेदार कोलैबरेशन है। इस गाने में पंजाबी और स्पेनिश बोलों का मिश्रण है और वीडियो में दोनों जगहों की संस्कृति को दर्शाया गया है। गाने को दोनों कलाकारों ने अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया है।

गाने में दिखा दोनों गायकों का खास अंदाज

शुक्रवार को रिलीज हुए इस गाने पर खबर लिखे जाने तक 25 लाख से ज्यादा व्यू हो चुके हैं। गाने की शुरुआत दिलजीत पंजाबी बोल से करते हैं, जिसके बाद डैडी यांकी अपने खास लैटिन अंदाज में गाते नजर आते हैं। बार-बार आने वाला हुक, 'पोकीतो आ पोकीतो' गाने का खास हिस्सा है, जो दोनों भाषाओं को आपस में जोड़ता है। इस गाने से दिलजीत के संगीत कोलैबरेशन की बढ़ती सूची में एक और अंतरराष्ट्रीय नाम जुड़ गया है।

सरकार का सिस्टम बदला, अब श्रमिक परिवारों का खर्च तय करेगा न्यूनतम मजदूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब मजदूरों का मेहनताना तय करने का सिस्टम बदल गया है। राज्य में न्यूनतम मजदूरी तय करने के लिए श्रमिक परिवार की जरूरतों और जीवन-यापन पर होने वाले खर्च को आधार बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने इसके लिए मजदूरी संहिता (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 बनाया है। इन नियमों में भोजन, कपड़े, आवास, ईंधन, बिजली, बच्चों की शिक्षा और चिकित्सा सहित विभिन्न मदों पर होने वाले खर्च को न्यूनतम मजदूरी की गणना में शामिल करने के मानक तय किए गए हैं। साथ ही, परिवर्तनशील महंगाई भत्ते के पुनरीक्षण के लिए साल में दो तारीखें निर्धारित की गई हैं।

अलग खबर

बच्चों की पढ़ाई, इलाज और मनोरंजन के लिए अलग राशि का प्रावधान

इन जरूरतों के लिए है प्रावधान

इसके अतिरिक्त, ईंधन, बिजली और अन्य विविध खर्चों के लिए न्यूनतम मजदूरी का 20 प्रतिशत तथा बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा जरूरतों, मनोरंजन और आकस्मिक खर्चों के लिए 25 प्रतिशत का प्रावधान किया गया है। इस तरह मजदूरी की गणना के मानकों में केवल भोजन ही नहीं, बल्कि परिवार की दूसरी जरूरी जरूरतों को भी जगह दी गई है।



मजदूर पति-पत्नी और दो बच्चों के आधार पर होगी गणना

नियमों के अनुसार, न्यूनतम मजदूरी की दैनिक दर निर्धारित करने के लिए मानक श्रमिक परिवार में श्रमिक, उसका जीवनसाथी और दो बच्चे शामिल माने गए हैं। परिवार की कुल खपत को तीन वयस्क उपभोग इकाइयों के बराबर माना गया है। भोजन की जरूरत तय करने के लिए प्रति उपभोग इकाई प्रतिदिन 2,700 कैलोरी का मानक रखा गया है। कपड़ों की जरूरत के लिए एक मानक श्रमिक परिवार के वास्ते सालाना 66 मीटर कपड़े का प्रावधान है।

क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस को बनाया निशाना

इतिहास की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी चोरी, हैकर्स ने उड़ाए 6 अरब डॉलर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर बड़ा साइबर अटैक हुआ है। हैकर्स ने कंपनी से करीब 6.3 अरब डॉलर (लगभग 60 हजार करोड़ रुपए) की डिजिटल संपत्ति चुरा ली है। यह इतिहास की सबसे बड़ी क्रिप्टो हैकिंग है। बाइनेंस ने दूसरी क्रिप्टो कंपनियों की मदद से करीब 3 अरब डॉलर की संपत्ति को तो फ्रीज करा दी है, बाकी का क्या हुआ, इसकी जानकारी नहीं दी गई। कंपनी ने यह भी भरोसा दिया है कि वह खुद नुकसान की भरपाई करेगी।

क्रिप्टो बाजार का विश्लेषण करने वाली कंपनियों के मुताबिक, इस हमले के पीछे उत्तर कोरिया के हैकर समूह 'ट्रेड टेरर' का हाथ है। हैकरों ने करीब 20 मिनट के भीतर ज्यादातर रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी। बाइनेंस ने गुरुवार को बताया कि ऐसी संभावना है कि कंपनी के एक इंजीनियर के लैपटॉप को हैक किया गया हो। इसके जरिए बिना अनुमति के डिजिटल संपत्तियां निकाल ली गईं। हालांकि, कंपनी अभी इस घटना की पूरी जांच कर रही है। बाइनेंस ने कस्टमर्स को उनके पैसे सुरक्षित रखने का भरोसा दिलाया है। बाइनेंस की ओर से 30 अक्टूबर को जारी सुरक्षा घटना से जुड़े अपडेट में कहा गया कि ग्राहकों का पैसा सुरक्षित है। वह अपने सिक्योर एसेट फंड फॉर यूज़र्स (एसएएफयू) और कंपनी फंड का इस्तेमाल करके सभी नुकसान कवर करेगा। हमने प्रभावित संपत्तियों को फ्रीज करने के लिए ब्लॉकचेन से जुड़े साझेदारों के साथ काम किया है।



मार्केट में भारी उठापटक

इस घटना के बाद क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में भारी उठापटक देखने को मिली। शुक्रवार 30 अक्टूबर को शुरुआती ट्रेडिंग में बिटकॉइन का भाव 3% से ज्यादा गिरकर $76,368 पर आ गया। दूसरी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी ईथर का दाम भी 3% से ज़्यादा गिरकर दो महीने के सबसे निचले स्तर $2,178 पर आ गया।

भारतीय भी प्रभावित हुए

बाइनेंस के 100 से ज्यादा देशों में 30 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर हैं। इनमें 2 से 2.5 करोड़ भारतीय यूजर होने का अनुमान है। हालांकि, कितने लोग इससे प्रभावित हुए हैं, इसका आंकड़ा अभी जारी नहीं किया है। भारत में क्रिप्टोकरेंसी के लेन-देन पर रोक नहीं है, लेकिन इसे आधिकारिक मुद्रा नहीं माना जाता।

जम्मू-कश्मीर पुलिस की कार्रवाई

डिजिटल सुराग से दबोचे गए आतंकी फंडिंग के 10 गुर्गे



नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शोपियां से 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आतंकी गतिविधियों के लिए पैसे जुटाने का आरोप लगा है। पुलिस ने पैसों के संदिग्ध लेन-देन की पड़ताल की, जिससे जांचकर्ताओं को आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन में शामिल लोगों के एक बड़े नेटवर्क का पता चला। इस नेटवर्क से जुड़े कुछ लोग पहले से ही जेल में हैं।

पुलिस ने ऐप्स के ज़रिए भुगतानों का पता लगाया

पुलिस को यह बड़ी कामयाबी तब मिली जब उन्होंने अलग-अलग ऐप्स के जरिए हुए संदिग्ध डिजिटल भुगतानों का पता लगाया। इस जानकारी से उन्हें यह समझने में मदद मिली कि पैसा कैसे एक जगह से दूसरी जगह पहुंच रहा था और वे बड़े आतंकी नेटवर्कों से जुड़ पाए। इससे साफ होता है कि इन खतरों को रोकने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब तकनीक का कितना बेहतर इस्तेमाल कर रही हैं।



पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई. निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं : 1 **निविदा सूचना क्रमांक** : डी. आर. एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–208–2026, **दिनांक** 22/10/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : सहायक मंडल अभियंता (मैंटेनेंस) कटनी सब–डिविजन के अंतर्गत खन्ना बंजारी डिपो पर रेलवे के ट्रैक बैलास्ट स्पेसिफिकेशन IS/RDSO-GE/0001:2023 के अनुसार 65 मिमी मशीन क्रश्ड, कठोर और टिकाऊ ट्रैक स्टोन बैलास्ट की सप्लाई, स्टैकिंग और लोडिंग (इसमें सभी लीड, लिफ्ट, टैक्स, रॉयल्टी, ड्यूटी आदि शामिल हैं)। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये** : 7,88,32,392/–, **बयाना राशि रुपये** : 1576700/–, **समापन अवधि** : 22 माह

क्र.सं : 2 **निविदा सूचना क्रमांक** : डी.आर.एम–डब्ल्यू–जे.बी.पी–209–2026, **दिनांक** 22/10/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर और मंडल अभियंता (मध्य) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत इटारसी–जबलपुर और जबलपुर–कटनी खंड पर ठेकेदारों द्वारा पीक्यूआरएस मशीन से एवं अनिवार्य स्थलों पर मैन्युअल रूप से सी.टी.आर. 2.0 किमी और टी.एस.आर.–79.59 किमी तथा टी. आर. आर. 18.75 किमी का कार्य। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये** : 19,56,66,528, **बयाना राशि रुपये** : 39,13,300, **समापन अवधि** : 18 माह

क्र.सं : 3 **निविदा सूचना क्रमांक** : डी.आर.एम डब्ल्यू–जे.बी.पी–210–2026, **दिनांक** 23/10/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र बीना–कटनी (BINA-KTE) खंड पर हाल ही में चालू की गई तीसरी लूप लाइनों के रखरखाव हेतु विविध पी.वे. कार्य। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये** : 1,03,90,262, **बयाना राशि रुपये** : 207800/–, **समापन अवधि** : 12 माह,

सभी निविदाओं की भरने की अंतिम तिथि : 17/11/2026 एवं समय 15:00 बजे
सभी निविदाओं की खुलने की अंतिम तिथि : 17/11/2026 एवं समय 15:15 बजे

उपरोक्त ई–निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी। (हस्ता.)

मंडल रेल प्रबन्धक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक / 4663 / जि.भू.अ./2026 (प्रारूप क) नियम 04 सिवनी, दिनांक 15/10/2026

राज्य सरकार, समुचित सरकार प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर यथा स्थिति संबंधित ग्राम पंचायत पिंडरईखुर्द तहसील बरघाट परामर्श से निम्न भूमि का अधिग्रहण सिवनी - बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण कार्य हेतु करना चाहती है, और लोक प्रयोजन के लिये सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करना चाहती है, अध्ययन का कार्य भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 04 के प्रावधानो एवं भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार (प्रतिकर पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन, विकास योजना) नियम 2015 के अनुसार किया जाएगा।

1	परियोजना विकासक का नाम	संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड संभाग छिंदवाडा
2	भूमि के प्रस्तावित अर्जन का प्रयोजन	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण
3	अध्ययन का कार्य हाथ में लेने वाले सामाजिक समाघात निर्धारण दल के सदस्यों का विवरण	1. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट 2. तहसीलदार, बरघाट 3. वन परिक्षेत्र अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 4. सहायक कृषि विस्तार अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 5. कार्यपालन यंत्री, जलसंसाधन विभाग संभाग क्र. - 1 सिवनी 6. कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ /स) सिवनी
4	भूमि का विवरण	
क	जिला	सिवनी
ख	तहसील	बरघाट
ग	ग्राम / नगर	पिंडरईखुर्द
घ	कुल प्रभावित क्षेत्र	0.897 हे.
ड	अर्जित होने वाला क्षेत्र	शासकीय भूमि 0.016 हे. एवं निजी भूमि 0.881 हे.
5	प्रस्तावित परियोजना संक्षिप्त विवरण	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण हेतु
6	परियोजना क्षेत्र और प्रभावित क्षेत्र	ग्राम पिंडरईखुर्द परियोजना क्षेत्र 0.897हे. एवं प्रस्तावित क्षेत्र 0.897 हे.
7	क्या ग्राम सभा और या भूमि धारक की सहमति अपेक्षित है	नहीं
8	सामाजिक समाघात निर्धारण पूर्ण किये जाने की तारीख	अधिसूचना प्रकाशन से छः माह के भीतर

1. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 2. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड व्ही.आई.पी. (सरकुलर) रोड फॉरेस्ट कॉलोनी छिंदवाडा संभाग छिंदवाडा में किया जा सकता है।

(नेहा मीना)
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
कलेक्टर सिवनी एवं पदेन उपसचिव
G-20828/26 "स्वच्छता ही सेवा" मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला सिवनी (म. प्र.)

सीबीएसई का बड़ा बदलाव

9वीं और 10वीं कक्षा में अब व्यावसायिक शिक्षा जरूरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

छात्रों के लिए एक बड़ी खबर है। 2026-27 के शैक्षणिक सत्र में कक्षा 9 में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए सीबीएसई ने 9वीं और 10वीं में व्यावसायिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। अब छात्रों को कौशल विकास प्रोग्राम या फिर डेटा साइंस और रिटेल जैसे 22 कौशल-आधारित विषयों में से किसी एक को चुनने का विकल्प मिलेगा। जो छात्र कोई कौशल विषय चुनेंगे, उन्हें 10वीं में बोर्ड परीक्षा देनी होगी; जबकि कौशल विकास प्रोग्राम चुनने वालों का मूल्यांकन स्कूल के भीतर ही किया जाएगा।

सीबीएसई ने 33% पास होने की शर्त तय की

सीबीएसई इंडिविजुअल्स इन सोसाइटी और पर्यावरण शिक्षा जैसे विषयों को हटा रहा है। खास बात यह है कि अगर कोई छात्र किसी कौशल विषय में पास हो जाता है, तो वह गणित, विज्ञान या सामाजिक विज्ञान में से किसी एक विषय की जगह ले सकता है। इससे छात्रों को थोड़ी सहूलियत मिलेगी। कुल मिलाकर पास होने के लिए हर मुख्य विषय (दो भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान) में कम से कम 33 प्रतिशत अंक लाने होंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031

विज्ञापन सं: 02/NT/R/2026 दिनांक: 28.10.2026

रोजगार सूचना

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में **तकनीकी सहायक (कंप्यूटर)** के पद पर सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उक्त पद हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र, पात्रता मानदंड एवं अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट **www.cuh.ac.in** पर उपलब्ध है। इस संबंध में भविष्य में जारी की जाने वाली समस्त सूचनाएँ केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही अपलोड की जाएँगी। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि **27 नवंबर 2026 सायं 5:00 बजे तक** है।

कुलसचिव

कार्यालय, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.आ.सू. क्रमांक/15/व.ले.लि./2026-27 **ऑनलाईन प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना** डिण्डौरी दिनांक 27.10.2026

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीकृत समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों की ऑन लाईन निविदा पोर्टल https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यो का विस्तृत विवरण बेबसाईट पर देखा जा सकता है

ई-टेंडर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अनुमानित लागत (रूपय में)	निविदा प्रपत्र (रुपए में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा खोले जाने का स्थान
2026_PWDRB_545539	शाहपुर - किसलपुरी मार्ग लं. 11.00 किमी. का विशेष मजबूतीकरण 545539 कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	321.69	321700.00	15000.00	08 माह वर्षाऋतु सहित	कार्या. मुख्य अभियंता यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2026_PWDRB_545540	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले आवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत/ विशेष मरम्मत/ एम.ओ. डब्लू एवं अन्य डिपाजिट कार्य (प्रथम आमंत्रण)।	20.00	40000.00	2000.00	06 माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2026_PWDRB_545542	जिला न्यायालय भवन एवं न्यायालयीन आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत/ विशेष मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00	40000.00	2000.00	06 माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2026_PWDRB_545543	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले मार्गो की पुल-पुलियों का मरम्मत कार्य ।(प्रथम आमंत्रण)।	15.00	30000.00	2000.00	06 माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी

निविदा की तिथि एवं शर्तें

(1) ऑनलाईन निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि 28.10.2026 से 16.11.2026 सायं 5.30 बजे तक है।
(2) ऑनलाईन बिड सबमिट करने की अंतिम तिथि 16.11.2026 सायं 5.30 बजे तक है ।(टेण्डर डाक्यूमेंट, (e-EMD) तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही सबमिट किये जायेंगे)।
(3) निविदा दिनांक 18.11.2026 से खोली जावेगी ।
(4) संशोधन या शुद्धिपत्र सिर्फ वेबसाईट में अपलोड किये जावेंगे।(5) निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर भुगतान उपरांत प्राप्त हो सकेंगे ।अतिरिक्त जानकारी वेबसाईट पर टेण्डर डाक्यूमेंट में देखी जा सकती है।

(मोहपत सिंह धुर्वे)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
G-20841/26

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक / 4654 / जि.भू.अ./2026 (प्रारूप क) नियम 04 सिवनी, दिनांक 15/10/2026

राज्य सरकार, समुचित सरकार प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर यथा स्थिति संबंधित ग्राम पंचायत पोनारकला तहसील बरघाट परामर्श से निम्न भूमि का अधिग्रहण सिवनी - बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण कार्य हेतु करना चाहती है, और लोक प्रयोजन के लिये सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करना चाहती है, अध्ययन का कार्य भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 04 के प्रावधानो एवं भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार (प्रतिकर पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन, विकास योजना) नियम 2015 के अनुसार किया जाएगा।

1	परियोजना विकासक का नाम	संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड संभाग छिंदवाडा
2	भूमि के प्रस्तावित अर्जन का प्रयोजन	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण
3	अध्ययन का कार्य हाथ में लेने वाले सामाजिक समाघात निर्धारण दल के सदस्यों का विवरण	1. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट 2. तहसीलदार, बरघाट 3. वन परिक्षेत्र अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 4. सहायक कृषि विस्तार अधिकारी बरघाट जिला सिवनी 5. कार्यपालन यंत्री, जलसंसाधन विभाग संभाग क्र. - 1 सिवनी 6. कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ /स) सिवनी
4	भूमि का विवरण	
क	जिला	सिवनी
ख	तहसील	बरघाट
ग	ग्राम / नगर	पोनारकला
घ	कुल प्रभावित क्षेत्र	0.266 हे.
ड	अर्जित होने वाला क्षेत्र	शासकीय भूमि 0.266 हे. एवं निजी भूमि 0.040 हे.
5	प्रस्तावित परियोजना संक्षिप्त विवरण	सिवनी-बालाघाट मार्ग (राज्य राजमार्ग क्रमांक-72) का सिवनी बायपास सहित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाइब्रिड एन्युटी मोड (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण हेतु
6	परियोजना क्षेत्र और प्रभावित क्षेत्र	ग्राम पोनारकला परियोजना क्षेत्र 0.266 हे. एवं प्रस्तावित क्षेत्र 0.266 हे.
7	क्या ग्राम सभा और या भूमि धारक की सहमति अपेक्षित है	नहीं
8	सामाजिक समाघात निर्धारण पूर्ण किये जाने की तारीख	अधिसूचना प्रकाशन से छः माह के भीतर

1. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) एवं भू-अर्जन अधिकारी बरघाट जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 2. अर्जित की जाने वाली उपरोक्त प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण संभागीय प्रबंधक, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड व्ही.आई.पी. (सरकुलर) रोड फॉरेस्ट कॉलोनी छिंदवाडा संभाग छिंदवाडा में किया जा सकता है।

(नेहा मीना)
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
कलेक्टर सिवनी एवं पदेन उपसचिव
G-20827/26 "स्वच्छता ही सेवा" मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला सिवनी (म. प्र.)

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

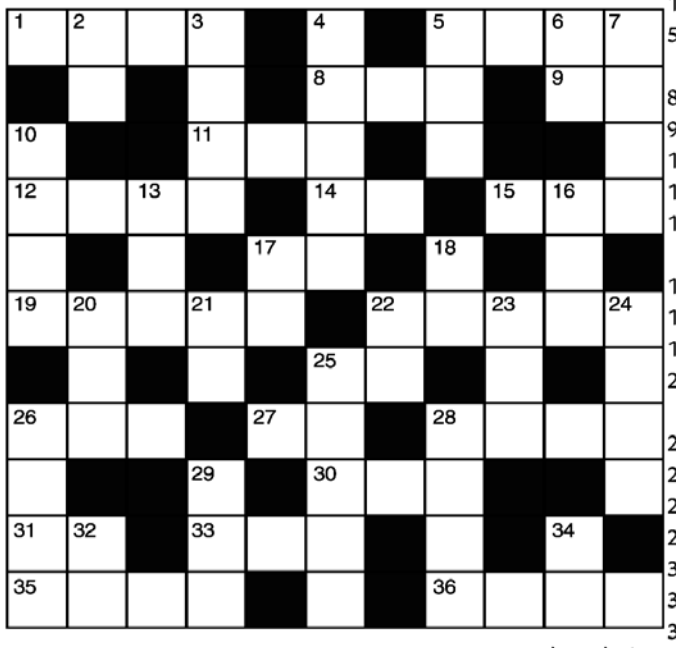
धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6395



बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 6394 का हल

	सो	लि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

सूडोकु नवताल - 6405

कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SEHACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6404 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7



खाली वक्त न करें बर्बाद

ऐसे करें सदुपयोग लाइफ बनाएं हैप्पी

हालांकि आज के दौर में लोगों के पास खाली समय यानी स्पेयर टाइम बहुत कम ही बचता है। लेकिन जब भी ऐसा टाइम मिलता है तो लोग उसे अधिकतर वेस्ट ही कर देते हैं। अगर आप इस टाइम का सही तरीके से उपयोग करना सीख जाएं तो आपकी लाइफ हेल्दी-हैप्पी बन जाएगी। आप अपने स्पेयर टाइम को कैसे बेहतर तरीके से यूज कर सकते हैं, यहां दे रहे हैं आपके लिए बहुत उपयोगी सजेशंस।

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

वर्तमान डिजिटलाइजेशन के दौर में कहने को किसी भी व्यक्ति के पास खाली समय नहीं होता है। हर कोई हमेशा व्यस्त दिखता है। व्यस्तता के बीच जब कभी खाली समय मिलता भी है तो अधिकतर व्यक्तियों को समझ ही नहीं आता कि वे अपने इस समय का किस तरह सही उपयोग करें? इसीलिए जैसे ही थोड़ा खाली समय मिलता है, मोबाइल हाथ में आ जाता है। रील्स स्क्रॉलिंग शुरू हो जाती है। इसके बादएक वीडियो, दूसरा, तीसरा वीडियो और देखते-देखते दिन के कई घंटे खर्च हो जाते हैं और पता ही नहीं चलता। फिर रात में सोते समय जब दिन भर के कामों को याद करते हैं तो वही पछतावा होता है, आज भी कुछ खास नहीं कर पाए। सारा दिन कैसे बीत जाता है पता ही नहीं चलता।

खाली समय है इंपॉर्टेंट: आप कितना भी व्यस्त रहें, दिन में कुछ खाली समय यानी स्पेयर टाइम तो बचता ही है। वर्किंग टाइम के सही उपयोग के साथ ही यह बात भी बहुत मायने रखती है और व्यक्ति का भविष्य, उसकी खुशहाली इस बात से तय होती है कि वह अपने खाली समय में क्या करता है? यानी अपने स्पेयर टाइम का वह कैसे यूटिलाइज करता है? जब व्यक्ति के पास थोड़ा भी खाली समय होता है तो वह बहुत मूल्यवान होता है, क्योंकि खाली समय ही इंसान को मजबूत बना सकता है या अंदर ही अंदर उसे खोखला कर सकता है। दोनों स्थितियां ही इस बात पर निर्भर करती हैं कि आप अपने स्पेयर टाइम को कैसे उपयोग करते हैं? खुशहाल जीवन जीने के लिए जरूरी है कि व्यस्त दिनचर्या के बावजूद मिलने वाले अपने खाली समय का यथासंभव बेहतर, सकारात्मक और रचनात्मक इस्तेमाल करें।

दिमाग को शांत करना सीखें: आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में अकसर इंसान को खुद नहीं पता होता कि वह आखिर भाग कहां रहा है? उसे पहुंचना कहां है? आंख खुलते ही मोबाइल पर नोटिफिकेशन चेक करने से शुरू होकर दिन-रात की भाग-दौड़ और तमाम तरह के काम। इसके चलते इंसान अपने अंदर की आवाज तक नहीं सुन पाता और पूरा दिन यूं ही गुजार देता है। लेकिन समझदार इंसान व्यस्त दिनचर्या के बावजूद कुछ समय निकालकर अंतर्मन की आवाज जरूर सुनता है। यही वो समय होता है, जब इंसान खुद को समझना शुरू करता है। उसे पता चलता है कि वह सच में चाहता क्या है? उसकी कमजोरी क्या है? उसकी असली ताकत क्या है? जो इंसान खुद को समझ जाता है, उसकी जिंदगी सहज और ज्यादा खुशहाल होती है। इसलिए हर व्यक्ति को खाली समय में कुछ देर खुद के साथ बैठना या कहें कि मी-टाइम बिताना चाहिए। शांत बैठकर अपने मन में झांकना चाहिए और उलझनों पर गौर कर उनका समाधान ढूंढना चाहिए। शुरुआत में अजीब लगेगा, बेचैनी होगी, लेकिन धीरे-धीरे निश्चय ही आपका आत्मविश्वास जागेगा।

लक्ष्यों को बार-बार याद करें: अधिकतर लोगों की मेहनत इसलिए सफल नहीं हो पाती क्योंकि उनका लक्ष्य दिमाग में स्पष्ट नहीं होता है। सफल होने के लिए मन में बार-बार लक्ष्य को याद करना भी जरूरी होता है। इसलिए खाली समय को बर्बाद करने के बजाय शांत बैठकर यह सोचना चाहिए कि आप जिंदगी में असल में चाहते क्या हैं, यानी आपका लक्ष्य क्या है? जब तक इंसान को अपनी मंजिल साफ नहीं दिखती, तब तक उसका दिमाग छोटी-छोटी बातों से भटक जाता है। इसलिए अपने लक्ष्य को मन में याद करना जरूरी है। रोज खुद को याद दिलाएं कि आप क्या करना चाहते हैं? कोई काम करना आपने क्यों शुरू किया था? इससे आपको आत्मबल और प्रेरणा मिलेगी। इससे आपके सफल होने की संभावना बहुत बढ़ जाएगी।

सीखें कोई स्पेशल स्किल: आज की दुनिया में सिर्फ मेहनती होना काफी नहीं हैं। आपमें कोई ऐसी स्पेशल स्किल भी होनी चाहिए, जो दूसरों से आपको अलग करे, जिसकी मार्केट में वैल्यू हो, डिमांड हो। लेकिन ज्यादातर लोग कोई स्किल सीखने के बजाय खाली समय यूं ही वेस्ट करते रहते हैं। उन्हें लगता है अभी तो बहुत उम्र पड़ी है, बाद में सीख लेंगे। यही सोच इंसान को असफल बना देती है।







अगर व्यक्ति हर दिन सिर्फ एक घंटा भी किसी स्किल को सीखने में खर्च करे तो एक-डेढ़ साल में ही वह वहां पहुंच सकता है, जहां पहुंचने के लोग सिर्फ सपने देखते हैं। अपनी पसंद और क्षमता के हिसाब से आप एआई हैंडलिंग, कम्युनिकेशन, वीडियो एडिटिंग, नई भाषा, क्रिएटिव राइटिंग, पब्लिक स्पीकिंग या फिर कोई और मनपसंद स्किल सीख सकते हैं। इसकी बदौलत आप भविष्य में शानदार कामयाबी पा सकते हैं।

रिश्तों को बनाएं मजबूत: यह नहीं भूलना चाहिए कि एक कामयाब व्यक्ति सिर्फ पैसा ही नहीं कमाता है, दूसरों का भरोसा भी कमाता है। वह सिर्फ अपने सपनों पर काम नहीं करता, अपने रिश्तों को भी मजबूत बनाता है। आखिर में जिंदगी की सबसे बड़ी दौलत बैंक बैलेंस नहीं, वे लोग होते हैं, जो हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहते हैं। आज के डिजिटलाइजेशन के दौर में बेशक हम दुनिया से जुड़े हुए दिखते हैं। लेकिन सच यह है कि हम अपनों से दूर होते जा रहे हैं। आभासी दुनिया में बेशुमार लोगों की पोस्ट देखते हैं, लेकिन महीनों तक अपने माता-पिता, भाई-बहन या किसी सच्चे दोस्त के साथ बैठकर दो बातें नहीं करते। जब जिंदगी में मुश्किलें आती हैं तो पैसा नहीं सबसे पहले अपने लोग काम आते हैं। इसलिए बहुत जरूरी है कि खाली समय में आप अपने रिलेटिव्स, फ्रेंड्स के साथ समय बिताएं। उनके दुख-सुख साझा करें, अपने मन की बात करें। हमेशा याद रखें कि रिश्ते पौधों की तरह होते हैं, अगर उन्हें समय पर पानी, खाद, धूप, छांव और प्रॉपर केयर नहीं मिलती, तो वो धीरे-धीरे सूखने लगते हैं और एक दिन इंसान सब कुछ हासिल करके भी अकेला रह जाता है। इसलिए खाली समय का सबसे बेहतर सदुपयोग अपने रिश्तों में गर्माहट लाने में किया जा सकता है।

स्वास्थ्य पर ध्यान दें: आज के दौर में लोग शारीरिक और मानसिक रूप से इसलिए बीमार रहते हैं क्योंकि उनकी जीवनशैली बहुत अस्त- व्यस्त हो चुकी है। रात भर जागना, घंटों मोबाइल देखना, कोई एक्सरसाइज न करना, कई घंटे बैठे रहना। इससे तन ही नहीं मन भी सुस्त और बीमार रहने लगता है। जब तन-मन स्वस्थ फिट महसूस करता है तो उसमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके लिए बड़ा एथलीट बनने की नहीं, रोज अपने शरीर को थोड़ा एक्टिव रखने की जरूरत होती है। जब भी खाली समय मिले, अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार वॉकिंग, दौड़ना, एक्सरसाइज, योग या सुबह की धूप में कुछ देर रहना फायदेमंद है। स्पेयर टाइम में की गई आपकी ये एक्टिविटीज आपको हेल्दी ही नहीं हैप्पी भी बनाएंगी। *

उम्र कितनी भी हो जाए आप हेल्दी, एक्टिव और एनर्जेटिक रह सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी सोच और लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करने की जरूरत होती है। कई स्टडीज के आधार पर बता रहे हैं, बढ़ती उम्र में कैसी हो आपकी लाइफस्टाइल, जानिए



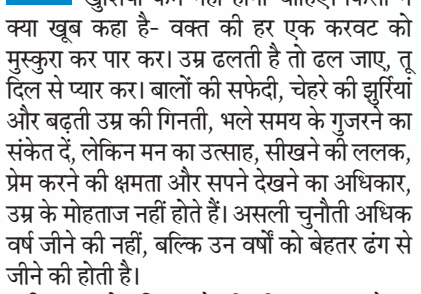
बढ़ती उम्र में भी रहेंगे हेल्दी-एक्टिव-एनर्जेटिक

{ लाइफस्टाइल / शिखर चंद जैन }

उम्र का बढ़ना प्रकृति का शाश्वत नियम है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ जीवन जीने की खुशियां कम नहीं होनी चाहिए। किसी ने क्या खूब कहा है- वक्त की हर एक करवट को मुस्कुरा कर पार कर। उम्र ढलती है तो ढल जाए, तू दिल से प्यार कर। बालों की सफेदी, चेहरे की झुर्रियां और बढ़ती उम्र की गिनती, भले समय के गुजरने का संकेत दें, लेकिन मन का उत्साह, सीखने की ललक, प्रेम करने की क्षमता और सपने देखने का अधिकार, उम्र के मोहताज नहीं होते हैं। असली चुनौती अधिक वर्ष जीने की नहीं, बल्कि उन वर्षों को बेहतर ढंग से जीने की होती है।

शरीर बना रहे सक्रिय: सेवानिवृत्ति या उम्र बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि शरीर को आराम कुर्सी सौंपकर स्वयं जीवन से छुट्टी ले ली जाए। नियमित पैदल चलना, अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम, हल्की शक्ति-वर्धक गतिविधियां और संतुलन के अभ्यास शरीर को चुस्त रखने में सहायक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी वृद्धावस्था में शारीरिक सक्रियता को स्वस्थ जीवन का महत्त्वपूर्ण आधार मानता है। 2025 में द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में 13 वर्षों तक किए गए एक अध्ययन के आधार पर प्रकाशित रिपोर्ट में 11,804 वृद्ध प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक गतिविधि, संतुलित जीवनशैली और अनुकूल सामाजिक परिस्थितियों का जीवन की अवधि से संबंध पाया गया। इसलिए उम्र के अनुसार चलना, सीढ़ियां चढ़ना, बागवानी करना या योगाभ्यास करना लाभकारी हो सकता है।

लगातार सीखते रहिए: नई भाषा सीखना, संगीत का अभ्यास करना, मोबाइल की नई सुविधाएं समझना, चित्रकारी करना या किसी विषय पर पढ़ना मस्तिष्क को सक्रिय रखने के प्रभावी तरीके हैं। सीखने का उद्देश्य जीवन में नवीनता और जिज्ञासा बनाए रखना होता है। याद रखिए, सीखने में संकोच, उम्र को बोझ बनाता है, जबकि जिज्ञासा उसे रोमांचक बना देती है।



रिश्तों में बनी रहे गर्माहट: पैसा, पद और प्रतिष्ठा जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, लेकिन अकेलेपन को हमेशा दूर नहीं कर सकते। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में किए गए स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट, कई दशकों से लोगों के जीवन और खुशहाली का अध्ययन करता रहा है। इसके निष्कर्षों पर आधारित रॉबर्ट वाल्डिंगर और मार्क शुल्ज की बेस्टसेलर पुस्तक 'द गुड लाइफ' बताती है कि अच्छे संबंध सुखी और स्वस्थ जीवन के महत्त्वपूर्ण आधारों में शामिल हैं। इसलिए बच्चों से बात कीजिए, मित्रों-रिश्तेदारों से मिलिए, जीवनसाथी के साथ चाय पीते हुए बातें कीजिए और पड़ोसियों से आत्मीयता बनाए रखिए। इससे रिश्तों में गर्माहट बनी रहेगी।

अनुभवों से उठाएं लाभ: जीवन के उत्तरार्द्ध में आपके पास अनुभवों का वह खजाना होता है, जिसे कोई विद्यालय या विश्वविद्यालय नहीं दे सकता। अपने पेशे में नए लोगों का मार्गदर्शन कीजिए, बच्चों को कहानियां सुनाइए, अपने अनुभव लिखिए या किसी सामाजिक संस्था से जुड़िए। मनोविज्ञान विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार सीखते रहने से व्यक्ति के भीतर जीवन के प्रति रुचि बनी रहती है।

नियमित कराएं स्वास्थ्य जांच: उम्र बढ़ने पर स्वास्थ्य की देखभाल केवल बीमारी होने पर अस्पताल जाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद, नियमित स्वास्थ्य-जांच और डॉक्टर की सलाह से दवाएं लेना जरूरी है। भोजन में सब्जियां, फल, दालें, साबुत अनाज,



पर्याप्त प्रोटीन और उपयुक्त मात्रा में पानी शामिल करें। नमक, अतिरिक्त चीनी और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित रखें।

उम्र की तुलना न करें: कोई सत्तर वर्ष की उम्र में पहाड़ चढ़ रहा है, कोई साठ वर्ष में नई नौकरी शुरू कर रहा है और कोई अस्सी वर्ष में केवल अपने बगीचे की देखभाल करके संतुष्ट है। हर व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, परिस्थितियां, आर्थिक स्थिति और रुचियां अलग हैं। इसलिए दूसरे की सक्रियता को देखकर स्वयं को असफल न मानें। यदि पहले आप एक किलोमीटर चलते थे और अब पांच सौ मीटर चल पाते हैं, तो अपनी वर्तमान क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय कीजिए। आवश्यकता पड़ने पर लक्ष्य बदलना हार नहीं, समझदारी है।

जीवन में बनाए रखें उत्सवधर्मिता: त्योहार मनाने, अच्छे कपड़े पहनने, मित्रों को घर बुलाने, संगीत सुनने, धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लेने और हंसी-मजाक करने के लिए किसी खास उम्र की जरूरत नहीं होती। अपनी रुचि के अनुसार प्रार्थना, ध्यान, प्रकृति के बीच समय बिताना या सेवा-कार्य अपनाइए। हास्य जीवन की कठिनाइयों से निपटने की हमारी क्षमता को सहारा दे सकता है। स्वयं की छोटी-मोटी भूलों पर मुस्कराना सीखिए। बच्चों और युवाओं के साथ समय बिताइए। *



{ गजल / अब्दुल कलाम }

तबाह की हमने

कैसे कैसों से निबाह की हमने
रातें पुरनम की सियाह की हमने
एक पत्थर से दिल लगाया
जिंदगी अपनी तबाह की हमने
आलम ए बेहोशी का दौर रहा
उनके रुख जो निगाह की हमने
उनके सितम सर-आंखों पे लिए
जिनसे रस्म ओ राह की हमने
उसने कांधों पे जब भी हाथ रखा
फिर न जहां की परवाह की हमने
जख्म नासूर बनकर रिसते रहे
कसम खुदा की न आह की हमने

{ व्यंग्य / डॉ. मुकेश 'असीमित' }

दीवाली ऑफर!



दीवाली नजदीक आ गई है। इसका पता मुझे कैलेंडर देखकर नहीं, बल्कि तब चला, जब बाजार बिन बुलाए मेहमान की तरह मेरे दरवाजे पर दस्तक देने लगा। नून-तेल से लेकर कंघी बेचने वाली कंपनियां मेरी दीवाली यादगार बनाने के लिए मुझ पर सवार हो रही हैं। कोई एक पर एक फ्री दे रहा है, कोई एक पर दो। मेरी जेब की हालत-ए-सूरत समझकर कोई लोन देने को तैयार है, कोई ईएमआई की सुविधा दे रहा है। क्रेडिट कार्ड से भुगतान करूं तो अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। इतनी निःस्वार्थ सेवा देखकर लगता है, देश में परोपकार अभी जीवित है।

कोई कंपनी नकली मावे और यूरिया युक्त मिठाइयों से मेरा मुंह मीठा कराना चाहती है। कोई मेरे फटे जूते बदलने को आतुर है, तो कोई मुझे नए कपड़े पहनाना चाहती है। मेरी इतनी फिक्र तो बचपन में मां ने भी नहीं की और शादी के बाद पत्नी ने भी नहीं।

हद तो तब हो गई, जब एक कंपनी ने मेरी ओर से खुद ही ऑर्डर दे दिया। एक रोज अचानक फोन आया, 'सर, आपका ग्यारह सौ रुपए का पार्सल है। कहां डिलीवर करना है?'

मैंने पूछा, 'मैंने क्या मंगवाया है?'

'सर, जूते लग रहे हैं।' उसने जवाब दिया।

मैंने पत्नी से पूछा, 'तुमने जूते मंगवाए क्या?'

वे भड़क गईं, 'पागल हो गए हो? अभी पुराने जूते इतने भी पुराने नहीं हुए। दीवाली के बाद आफ्टर सेल लगेगी, तब देखेंगे। जरूर तुमने खुद मंगवाए होंगे। मुझे बुद्धू बना रहे हो!'

मैं चुपचाप खिसक लिया। सोचने लगा, जिन जूतों के लिए पत्नी दो दीवाली से मुझे टरका रही है, उनकी चिंता किसी अनजान कंपनी को है! आखिर उसे पता कैसे चला कि मेरे जूते फट गए हैं?

श्रीमती जी का तर्क है कि मुझे नई-पुरानी चीजों में अंतर समझ नहीं आता, इसलिए मेरे लिए कुछ बदलने का लाभ नहीं। बात सही है। जब पति का पच्चीस साल पुराना मॉडल बिना बदले चल रहा है, तो जूतों को बदलने की क्या आवश्यकता? बेचारी पत्नी भी क्या करे! बाजार में कपड़ों, जूतों और मोबाइल के एक्सचेंज ऑफर हैं, पति के नहीं। इस मामले में कंपनियां भी हाथ खड़े कर चुकी हैं।

खैर, मुझे लगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता इतनी विकसित हो गई है कि कंपनियां ग्राहक की जरूरत उससे पहले जान लेती हैं। ऊपर से कैश ऑन डिलीवरी की सुविधा! पहले सामान पकड़िए, फिर पैसे दीजिए। विश्वास की इससे बड़ी मिसाल क्या होगी? मैंने ग्यारह सौ रुपए चुकाए और पैकेट लेकर मुस्कुराता पत्नी के सामने पहुंचा, 'देखो, जिन जूतों के लिए तुमसे दो साल गुहार लगाई, वह कंपनी ने सुन ली!' पत्नी कभी मुझे देखतीं, कभी पैकेट को। मैंने गर्व से पैकेट खोला। अंदर एक जूता था। सिर्फ एक! वह भी दाएं पैर का। पत्नी चिल्लाईं, 'हे भगवान! दूसरा कहां है?' मैंने जूते को गौर से देखा। उसकी हालत ऐसी थी, मानो किसी मंदिर के बाहर से उठाकर भेज दिया गया हो।

अब संभावनाएं अनेक थीं। शायद कंपनी समझती हो कि मेरा बायां पैर नहीं है। संभव है, दूसरा जूता अभी निर्माणाधीन हो। हो सकता है, किसी दूसरे ग्राहक को भेज दिया गया हो। यह भी संभव है कि डिलीवरी बॉय को दूसरा जूता पसंद आ गया हो।

फिर विचार आया, कहीं कंपनी ने जूता पहनने के बजाय चलाने के लिए तो नहीं भेजा? या जूते खाने के लिए? मन आशंकाओं का कारखाना है, उत्पादन कभी बंद नहीं होता। बिल पर दिए नंबर पर फोन लगाया। व्यस्त मिला। अच्छी कंपनियों के फोन व्यस्त ही रहते हैं। आखिर मेरे जैसे हजारों ग्राहकों की सेवा का भार जो है! अब तीन दिन से फोन मिला रहा हूं। कंपनी शायद दूसरे ग्राहकों की दीवाली यादगार बनाने में व्यस्त है। मैं आशावादी आदमी हूं। उम्मीद है, अगली दीवाली तक दूसरा जूता भी आ जाएगा। तब तक पहला सुरक्षित रखूंगा।

इधर दूसरी कंपनियां भी पीछे पड़ी हैं। कोई घड़ी भेजना चाहती है, कोई परफ्यूम, कोई हेयर ड्रायर। मैं साहित्यिक पत्रिका के संपादक की तरह सबके प्रस्ताव खेद सहित अस्वीकार कर रहा हूं। उनके प्रेम को ठुकराते हुए दुःख अवश्य होता है। लेकिन जिस कंपनी ने सबसे पहले मुझसे प्रेम किया, उसे जीवन भर नहीं भूलूंगा। आखिर पहला प्यार, पहला ही होता है जी! बस फर्क इतना है कि इस प्रेम में दिल नहीं, दाएं पैर का जूता मिला है। *

{ लघुकथा / कृति आर. के. जैन }

अपूर्ण विराम



एआई इमेज

नगर निगम का बुलडोजर ठीक आठ बजे पहुंचा। भीड़ तमाशा देखने खड़ी थी, पर एक बूढ़ा आदमी अपनी किताबों की जर्जर दुकान के सामने निर्विकार बैठा था। अधिकारी ने कहा, 'बाबा, हट जाइए। आधे घंटे में सब मलबा हो जाएगा।'

बूढ़ा मुस्कुराया, 'चालीस साल पहले भी यहां मलबा था, तब मैंने ईंटें नहीं, किताबें रखी थीं।'

बुलडोजर गरजा। लकड़ी की अलमारियां बिखर गईं। धूल का गुबार उठा। लोग मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगे। तभी पास से एक छोटी बच्ची दौड़ती हुई आई। उसके हाथ में धूल से सनी एक कहानी की किताब थी। उसने कांपती आवाज में पूछा, 'दादाजी, यह दुकान फिर खुलेगी न? मैंने अभी यह किताब पूरी नहीं पढ़ी।'

बूढ़े ने किताब ली। उस पर जमी धूल धीरे-धीरे फूंककर हटाई, जैसे किसी बच्चे के माथे से उदासी हटा रहा हो। फिर बोला, 'दुकानें टूटती हैं बिटिया, कहानियां नहीं।' अगली सुबह उसी टूटी हुई जगह पर एक पुरानी चादर बिछी थी। उस पर वही किताबें फिर सजी थीं और सबसे ऊपर एक कागज रखा था, जिस पर लिखा था, 'कल दीवारें गिर गई थीं, आज हिम्मत ने फिर दुकान खोल ली है।' उस दिन लोगों ने वहां से किताबें कम खरीदीं, उम्मीदें ज्यादा ले गए। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

जगजीत सिंह की जीवनी



गजल गायकी के सम्राट कहे जाने वाले जगजीत सिंह ने देश ही नहीं पूरी दुनिया में भरपूर मकबूलियत हासिल की। लेकिन अपनी आवाज से लाखों-करोड़ों लोगों को दीवाना बनाने वाले जगजीत का जीवन नाम-शोहरत की चकाचौंध के साथ ही कई चुनौतियों और दुखों से भी भरा रहा। उनके जीवन के तमाम स्याह और चमकदार पक्षों को सामने लाती है, हाल में छपकर आई किताब 'जगजीत (जिंदगी का सफर)', जिसके लेखक हैं वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप कुमार शुक्ला। कुल दस अध्यायों में विभाजित इस किताब में उनके जन्म से लेकर अंतिम सांस लेने तक के जिंदगी के सफर को संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत किया गया है। कैसे वे शुरुआती दौर में डांस किया करते थे, किस तरह गायन के क्षेत्र में पदार्पण किया, कैसे गजल गायकी में आगाज किया, किस तरह संयोग से चित्रा दत्ता से मुलाकात हुई, फिर कैसे वे जगजीत की जीवन और गायन संगिनी बनीं? ऐसे ही जगजीत सिंह के जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं को लेखक ने इस किताब में संजोया है। कह सकते हैं यह किताब गीत-संगीत को समर्पित एक सुर साधक की जीवन-साधना को बहुत मार्मिकता से व्यक्त करती है। *

पुस्तक: जगजीत (जिंदगी का सफर),
लेखक: प्रदीप कुमार शुक्ला, मूल्य: 245 रुपए,
प्रकाशक: इंडिया नेटबुक्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा

जुरेल और पडिक्कल का जलवा, न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ मजबूत स्थिति में भारत 'ए'

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

कप्तान ध्रुव जुरेल के नाबाद 99 रन और देवदत्त पडिक्कल के 80 रन की मदद से भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन शनिवार को 7 विकेट पर 291 रन बनाए। जुरेल 155 गेंद में 99 रन बनाकर और आकाश दीप 25 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

दोनों अभी तक आठवें विकेट की साझेदारी में 69 रन जोड़ चुके हैं। लंच के समय भारत ए का स्कोर एक विकेट पर 87 रन था। यशस्वी जायसवाल को पहले ओवर की चौथी गेंद पर तेज गेंदबाज फ्रेजर शीट ने पगबाधा आउट किया। लंच के बाद पहले ओवर में साइ सुदर्शन (41) आउट हो गए, जिन्हें तेज गेंदबाज जेरोड मैकी ने विकेट के पीछे मिचेल हे के हाथों लपकवाया। पडिक्कल ने दूसरा छोर संभालकर 101 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।



भारत के 7 रन पर गिरे 3 विकेट

भारत का स्कोर एक समय दो विकेट पर 131 रन था लेकिन न्यूजीलैंड ने 7 रन के भीतर 3 विकेट चटकाए। यश राठौड़ (13) पहले आउट हुए और उनके बाद पडिक्कल का विकेट गिरा। रविचंद्रन स्मरण को शीट ने पगबाधा आउट किया। वॉशिंगटन सुंदर को भी शीट ने ही पवेलियन भेजा। जुरेल और मानव सुतार (22) ने सातवें विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की। जुरेल ने 93 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

शतक से एक रन दूर जुरेल

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। कप्तान जुरेल अपने शतक से मात्र 1 रन दूर हैं। जुरेल 155 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 99 रन पर नाबाद हैं। उनके साथ आकाश दीप 58 गेंदों पर 25 रन बनाकर खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड की तरफ से फ्रेजर शेट से 4 विकेट लिए हैं। ब्रेट रैंडेल, जारोड मैके और जेडन लेनोक्स ने 1-1 विकेट लिए हैं।



जायसवाल का तीसरा फ्लॉप शो

एक तरफ जहां पडिक्कल ने अपनी बल्लेबाजी से छाप छोड़ी, वहीं सीनियर टीम के नियमित ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का खराब फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है। यशस्वी मैच की पहली ही ओवर में फ्रेशर शीट की गेंद पर खाता खोले बिना चार गेंदों में शून्य पर आउट हो गए। आगामी न्यूजीलैंड सीरीज से पहले उनका यह लगातार तीसरा फ्लॉप शो है। इससे पहले उन्होंने सीरीज के पहले मैच में भी महज 17 और 5 रन बनाए थे।

डक पर आउट हुए रविचंद्रन

भारतीय मध्यक्रम की शुरुआत इस मैच में कुछ खास नहीं रही। पडिक्कल के आउट होने के ठीक बाद मैदान पर उतरे स्मरण रविचंद्रन भी अपनी पहली ही गेंद पर एलबीडब्ल्यू होकर गोल्डन डक का शिकार बन गए। वहीं पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक जमाने वाले विदर्भ के यश राठौड़ से भी बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन वे भी मात्र 13 रन बनाकर चलते बने, जिससे भारतीय पारी बीच में लड़खड़ाती नजर आई।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां मैच आज, सूर्यवंशी की वापसी संभव

हार के बाद बदलाव की राह पर भारत आखिरी टी-20 में नई टीम इलेवन!

एजेंसी ▶▶| हैमिल्टन

अपने स्थापित खिलाड़ियों का हमेशा समर्थन करने वाला भारतीय टीम प्रबंधन आकलैंड में पिछले मैच में मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को पांचवें और आखिरी टी20 मैच में अंतिम एकादश में बदलाव कर सकता है। भारत ने श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढत बना ली है लेकिन विश्व चैंपियन टीम 5 मैचों की श्रृंखला से आखिरी मैच हारकर विदा नहीं लेना चाहेगी।

ऐसे में वैभव सूर्यवंशी की वापसी संभव है और उस दशा में संजू सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। सैमसन ने इस श्रृंखला में 67, 14, 18, 4 रन बनाए हैं। टीम प्रबंधन का उन्हें पूरा समर्थन हासिल है लेकिन एक ब्रेक से वह खोई लय हासिल कर सकते हैं।

लय हासिल करना चाहेंगे अय्यर

हाल ही में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खुद श्रेयस का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वे लोगों का ध्यान खींचने में नाकाम रहे। अय्यर ने टी20 में पहला शतक जमाने के बाद अगले 8 मैचों में 40, 1, 16, 22, 42, 7, 5, 22 रन बनाए। यहां अच्छी पारी खेलकर वह भी लय हासिल करना चाहेंगे। अय्यर के नाकाम रहने से पिछले क्रम में नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने पिछले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया।



भारतीय आक्रमण की कमजोरियां उजागर

गेंदबाजी में दूसरे और तीसरे टी20 में न्यूजीलैंड को 200 रन से कम पर रोकने के बावजूद भारतीय आक्रमण की कमजोरियां उजागर हुई हैं। भारत अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल पर विकेटों के लिये काफी निर्भर रहा है । चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार अपेक्षा के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। भुवनेश्वर ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और उनका इकॉनॉमी रेट 12 के आसपास रहा है। अर्शदीप अकेले भारतीय गेंदबाज हैं, जिनका इकॉनॉमी रेट इस श्रृंखला में 10 से कम रहा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में धार देने के लिए कुलदीप यादव या वरुण चक्रवर्ती को टीम में लाना होगा, जिसके लिए धीर को बाहर रहना पड़ सकता है। तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को भी बैकअप गेंदबाजों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन उनके महंगे साबित होने का खतरा है।

आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी कीवी टीम

न्यूजीलैंड टीम पांच मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले आखिरी मैच जीतकर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। अगले साल अफ्रीका में होने वाले आईसीसी विश्व कप से पहले यह वनडे श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है।

मैच का समय : भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेंगे आकिब नबी

4 नवंबर को आकलैंड में पहला मैच



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तेज गेंदबाज आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले 3 वनडे मैचों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पांच मैचों की श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। नबी चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में थे लेकिन अब वह पहले मैच से ही चयन के लिए उपलब्ध होंगे। पहला मैच 4 नवंबर को आकलैंड में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा,' दाहिने हाथ के इस तेज गेंदबाज को चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था लेकिन अब वह वनडे श्रृंखला की शुरुआत से टीम में होंगे।' जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज नबी ने हाल ही में लिंकन में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ भारत ए के लिए चार दिवसीय मैच खेलकर दो पारियों में 6 विकेट लिए थे।

पहले तीन वनडे के लिए टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कम्बोज, गुरनूर बरार, रूतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (सिर्फ पहला वनडे), आकिब नबी।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन, अक्षर पटेल, नमन धीर,गुरनूर बरार, रुतुराज गायकवाड़,अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर, कुलदीप यादव।

खबर संक्षेप



ग्वांगझोउ ओपन : वीनस की डब्ल्यूटीए टूर में हार

ग्वांगझोउ। अमेरिकी टेनिस स्टार वीनस विलियम्स को 8 साल बाद डब्ल्यूटीए टूर के किसी सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। ग्वांगझोउ ओपन के विमेंस डबल्स सेमीफाइनल में वह इंडोनेशिया की जेनिस त्जेन के साथ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। 1 घंटे 45 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्हें 6-4, 6-7 (8), 10-6 से शिकस्त मिली। 2016 के ओलंपिक और विंबलडन के बाद से यह विलियम्स का पहला डब्ल्यूटीए टूर डबल्स सेमीफाइनल था। साथ ही, 2018 के इंडियन वेल्स के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल था।

विदर्भ की तरफ से खेलेंगे आदित्य ठाकरे

नागपुर। दाहिने हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज आदित्य ठाकरे ने मध्यप्रदेश के खिलाफ 2 नवंबर से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी मैच के लिए विदर्भ टीम में यश ठाकुर की जगह ली है, जो भारतीय टीम में चुने गए हैं। दो बार की रणजी चैंपियन विदर्भ टीम जामथा के वीसीए स्टेडियम पर ग्रुप ए का यह मैच खेलेगी। ठाकुर को न्यूजीलैंड में चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए भारतीय टीम में चुना गया है, जिससे वह यह मैच नहीं खेल सकेंगे।



पैन पैसिफिक ओपन

फाइनल में लेयला अब डायना से भिड़ंत



एजेंसी ▶▶| टोक्यो

कनाडा की लेयला फर्नांडीज ने पैन पैसिफिक ओपन सेमीफाइनल में कामिला राखीमोवा को हराकर इस साल के अपने तीसरे डब्ल्यूटीए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उनका मुकाबला डायना श्नाइडर से होगा, जो मिया पोहानकोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं। फर्नांडीज ने दोनों सेट में ब्रेक डाउन के बाद राखीमोवा को एक घंटे 54 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 6-3 से हराया। तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बाद वह पहले सेट में 1-3 से पीछे चल रही थीं, लेकिन छठे गेम में उन्होंने इसे वापस हासिल करके स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। दोनों ने अपनी सर्विस बनाए रखी, इससे पहले कि कनाडाई खिलाड़ी ने 12वें गेम में निर्णायक ब्रेक लेकर पहला सेट 59 मिनट में 7-5 से जीत लिया। दूसरे सेट के पहले गेम में ही उन्होंने अपनी सर्विस गंवा दीं। उन्होंने चौथे गेम में उज्बेक खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-2 की बराबरी कर ली, फिर ब्रेक लेकर 5-3 की बढ़त बना ली और 49 मिनट के दूसरे सेट में होल्ड के साथ गेम खत्म किया।

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

ढाका। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग के नाबाद 81 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 8 विकेट से शिकस्त देकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। बांग्लादेश की दूसरी पारी 142 रन पर सिमट गई, जिससे वेस्टइंडीज को जीत के लिए 170 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 2 विकेट गंवाकर हासिल कर ली। कैरेबियाई स्पिनरों के सामने बांग्लादेश के बल्लेबाज टिक नहीं सके और उसने अपने आखिरी 9 विकेट गंवाकर केवल 169 रन की बढ़त हासिल की। कप्तान रोस्टन चेज ने अपनी चतुराई भरी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 36 रन देकर पांच विकेट झटके। पहली पारी में 53 रन देकर 5 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन ने दूसरी पारी में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 63 रन देकर चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। चौथे दिन खराब होती पिच पर खराब रोशनी, बारिश और बिजली चमकने के कारण खेल कई बार बाधित हुआ। इसके बावजूद वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल और किंग ने स्पिनरों के खिलाफ रक्षात्मक रवैया अपनाने के बजाय आक्रामक बल्लेबाजी की।

रबाडा ने रचा इतिहास, टेस्ट में लिए सबसे तेज 350 विकेट

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में इतिहास रच दिया है। रबाडा टेस्ट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज 350 विकेट लेने वाले बॉलर बन गए हैं।

रबाडा ने यह मुकाम 13,808 गेंद फेंककर हासिल किया है। उन्होंने इस मामले में डेल स्टेन को पीछे छोड़ा है। स्टेन ने यह उपलब्धि 14,719 गेंद फेंककर हासिल की थी। रबाडा साउथ अफ्रीका की ओर से टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले टीम की तरफ से यह मुकाम डेल स्टेन, शॉन पोलॉक और मखाया एंटिनी ही हासिल कर सके हैं।



रबाड़ा ने की मार्शल के रिकॉर्ड की बराबरी

रबाडा ने यह मुकाम अपने 75वें टेस्ट में हासिल करते हुए वेस्टइंडीज के पूर्व गेंदबाज मैल्कम मार्शल के रिकॉर्ड की बराबरी की। मार्शल ने भी अपने टेस्ट करियर के 75वें मुकाबले में 350 विकेट पूरे किए थे। रबाडा मैचों के लिहाज से टेस्ट में सबसे तेज 350 विकेट पूरे करने वाले संयुक्त रूप से तीसरे गेंदबाज बने हैं। रबाडा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले साउथ अफ्रीका के पांचवें गेंदबाज बने हैं। उन्होंने अपने करियर के 260वें मैच में यह मुकाम हासिल किया। साउथ अफ्रीका की तरफ से टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड शॉन पोलॉक के नाम है, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 823 विकेट निकाले हैं।

एशियाई खेलों से खाली हाथ लौटी थीं मनीषा

लॉस एंजिलिस ओलंपिक पदक पर मनीषा की नजरें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की पहली महिला विश्व चैंपियन बनी मनीषा भानवाला की नजरें 2005 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में 57 किलोवर्ग में पदक जीतने पर है और इस अनुभवी पहलवान की ताकत उनके पिता है, जो उनके दिल में बसते हैं। 29 वर्ष की मनीषा ने कजाखस्तान के अस्ताना में इतिहास रच दिया जब वह सीनियर कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बन गई।

एशियाई खेलों की नाकामी की बखूबी भरपाई करते हुए उन्होंने कैरियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। एशियाई खेलों से खाली हाथ लौटी मनीषा ने अपने कोच वीरेंदर दहिया की सलाह मानकर विश्व चैंपियनशिप पर पूरा फोकस रखा,जिसकी उन्हें फायदा मिला।



वजन कम करने के लिए मिला कम समय

मनीषा ने कहा,' एशियाई खेलों में किस्मत ने साथ नहीं दिया। मैं कोच से कुश्ती, अभ्यास और रिकवरी के बारे में पूछती रही। उन्होंने कहा कि अगला लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप होना चाहिए। मुझे अभी भी याद है कि उन्होंने कहा था कि ईश्वर ने मेरे लिए कुछ बड़ा सोच रखा है।' एशियाई खेलों में 57 किलोवर्ग में भाग लेने के बाद विश्व चैंपियनशिप में वह 59 किलो में उतरी। उनका मानना है कि दोनों टूर्नामेंटों के बीच में अंतर कम रहने से उन्हें रिकवरी और वजन कम करने के लिए काफी कम समय मिला। उन्होंने कहा,' मुझे एशियाई खेलों में पदक जीतने का यकीन था। मुझे पता था कि विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा। दस दिन में वजन कम करना कठिन था तो मुझे लगा कि 59 किलो सही रहेगा।'

पिता ने निभाई कैरियर में अहम भूमिका

मनीषा के लिए यह जीत पदक से कहीं अधिक मायने रखती है। उन्हें कुश्ती में उतारने वाले पिता ने उनके कैरियर में अहम भूमिका निभाई लेकिन 2022 में उनका निधन हो गया। विश्व चैंपियनशिप फाइनल से पहले उन्होंने अपने पिता की याद में एक खास टीशर्ट पहना था। मनीषा ने कहा,' मैं बता नहीं सकती कि मेरे पिता की कितनी बड़ी भूमिका रही है। मैं उनसे बात करती रहती हूं मानो वह मेरे भीतर हों। वह मेरे दिल में बसते हैं और मेरे जीवन का हिस्सा हैं।' उन्होंने कहा,'मेरे पिता ने सिखाया कि या तो कोई काम शुरू मत करो और करो तो पूरा करके ही दम लो। यह मेरे खून में है। कुश्ती मेरे लिए पहला और आखिरी विकल्प है। इसने मुझे जीवन, नाम और जीने का सामर्थ्य दिया।'

मोतीनाला उप डाकघर में बचत और सुकन्या समृद्धि खातों की रकम में की गई थी हेराफेरी, मुख्य आरोपी की विचारण के दौरान हो चुकी है मृत्यु

डाकघर के 179 खातों से 65 लाख रुपये का गबन, आरोपी को चार साल की सजा

मोतीनाला उप डाकघर में गरीब खाताधारकों की बचत पर हाथ साफ करने के मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने सह-आरोपी पुनीत सेन को दोषसिद्ध कर चार वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।



जबलपुर। 65 लाख रुपये से अधिक के इस गबन में 177 बचत बैंक खातों और दो सुकन्या समृद्धि खातों की राशि का दुरुपयोग किया गया था। विशेष न्यायाधीश रूपेश गुप्ता ने 31 अक्टूबर को विभिन्न धाराओं में सजा और अर्थदंड से दंडित किया।

सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा, जबलपुर के अनुसार, 11 सितंबर 2020 से नौ अप्रैल 2022 के बीच तत्कालीन उप डाकपाल बलवान शाह भलावी और जीडीएस आउटसाइडर पुनीत सेन ने मिलकर कुल 65 लाख दो हजार 488 रुपये का गबन किया। खाताधारकों की पासबुक में जमा राशि की प्रविष्टियां कर मुहर लगा दी जाती थी, जिससे उन्हें अपनी रकम जमा होने का भरोसा बना रहे। लेकिन यही लेन-देन डाकघर के आधिकारिक अभिलेखों, दैनिक लेन-देन रिपोर्ट, लान्ग बुक और फिनेकल लेजर में दर्ज नहीं किया जाता था।

जांच में यह भी सामने आया कि खातों से रकम निकालने के लिए निकासी वाउचरों पर कूटरचित हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान का इस्तेमाल किया गया। यानी खाताधारकों की पासबुक में उनकी बचत सुरक्षित दिखाई देती रही, जबकि विभागीय रिकार्ड में उस जमा का हिसाब ही नहीं था। सीबीआई ने खाताधारकों के बयान, पासबुक, निकासी वाउचर और डाकघर के दस्तावेज जुटाए। हस्तलेखन एवं दस्तावेजों की जांच के लिए सीएफएसएल भोपाल की वैज्ञानिक रिपोर्ट को भी साक्ष्य के रूप में पेश किया गया। प्रकरण के मुख्य आरोपी तत्कालीन उप डाकपाल बलवान शाह भलावी की विचारण के दौरान मृत्यु हो गई थी। इस कारण उनके विरुद्ध न्यायिक कार्यवाही समाप्त हो गई, लेकिन पुनीत सेन के विरुद्ध सुनवाई जारी रही। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसे दोषसिद्ध किया।

दो सप्ताह में आदेश का पालन करने की मोहलत, 17 नवंबर को फिर सुनवाई

जमानती वारंट के बाद भी पेश नहीं हुए प्रमुख सचिव, हाईकोर्ट ने दिया आखिरी मौका

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जमानती वारंट के बावजूद स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डा. संजय गोयल कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। पूर्व आदेश का पालन नहीं होने पर जस्टिस दीपक खोत की सिंगल बेंच ने राज्य सरकार को दो सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि में आदेश का पालन नहीं होने पर कोष एवं लेखा विभाग के कमिश्नर भास्कर लक्षाकार और छिंदवाड़ा के जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह बघेल को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा। अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। छिंदवाड़ा की सेवानिवृत्त सहायक शिक्षिका सुषमा गादरे ने अवमानना याचिका में कहा कि हाईकोर्ट ने 23 सितंबर 2024 को आदेश पारित किया था, लेकिन इसके बावजूद उनसे वेतन की वसूली की जा रही है। इसे आदेश के विपरीत बताते हुए उन्होंने कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की है। इस प्रकरण में हाईकोर्ट ने 14 अक्टूबर को प्रमुख सचिव डा. संजय गोयल सहित तीन अधिकारियों के खिलाफ पांच-पांच हजार रुपये के जमानती वारंट जारी किए थे। इसके बावजूद प्रमुख सचिव की अनुपस्थिति के बाद शासन की ओर से आदेश के पालन के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया। कोर्ट ने दो सप्ताह की मोहलत देते हुए अनुपालन सुनिश्चित करने का अवसर दिया।



हाईकोर्ट ने आयुक्त को दिया आवेदन के निराकरण का निर्देश

पानी के टैक्स में 160 प्रतिशत वृद्धि को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नगर पालिका द्वारा पानी के टैक्स में 160 प्रतिशत की वृद्धि किए जाने के मामले में आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास को याचिकाकर्ता के आवेदन का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने कहा कि आवेदन पर लिए गए निर्णय से याचिकाकर्ता को अवगत कराया जाए और आवश्यकता पड़ने पर उसे सुनवाई का अवसर भी दिया जाए। इन निर्देशों के साथ जनहित याचिका का निराकरण कर दिया गया।

टीकमगढ़ निवासी पवन घुवारा की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि टीकमगढ़ नगर पालिका ने दो जून, 2022 को प्रस्ताव पारित कर पानी के टैक्स में 160 प्रतिशत की वृद्धि कर दी थी। याचिका में इस बढ़ोतरी को अत्यधिक बताते हुए कहा गया कि इससे आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। याचिका कर्ता ने टैक्स वृद्धि के खिलाफ संबंधित अधिकारियों और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त के समक्ष आवेदन व शिकायतें प्रस्तुत की थीं। आरोप था कि इन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। कोर्ट ने मामले का निराकरण करते हुए आयुक्त को निर्देशित किया कि याचिकाकर्ता के आवेदन पर उचित अवधि में निर्णय लें और निर्णय की जानकारी उसे दें। जरूरत होने पर पक्ष रखने का अवसर भी प्रदान करें।

एक साल में 4-5 बार चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

फिर निशाने पर नुनहाई-दीक्षितपुरा रोड स्थित सिद्ध गणेश मंदिर की दानपेटी

जबलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के सराफा बाजार स्थित ननहाई, दीक्षितपुरा के सिद्ध गणेश मंदिर को एक बार फिर चोरों ने निशाना बनाया। बीती रात अज्ञात चोर मंदिर की छत के रास्ते अंदर घुसे और दानपेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी चोरी कर फरार हो गए। मंदिर में सुबह पूजा के लिए पट खोले गए, तब चोरी की जानकारी सामने आई। लगातार हो रही वारदातों से स्थानीय रहवासियों और मंदिर समिति के सदस्यों में नाराजगी है।

मंदिर समिति के सदस्यों के मुताबिक, मंदिर के मुख्य द्वार पर सेंटर लॉक और मजबूत ताले लगे हुए हैं। ऐसे में चोरों ने मुख्य दरवाजे से प्रवेश करने के बजाय छत का रास्ता चुना। छत के रास्ते मंदिर के भीतर पहुंचने के बाद उन्होंने दानपेटी का ताला तोड़ा और नकदी लेकर निकल गए। स्थानीय नागरिकों और पंडित सिद्धांत दुबे का कहना है कि सिद्ध गणेश मंदिर में चोरी की यह पहली घटना नहीं है। पिछले एक साल के दौरान मंदिर में चार से पांच बार चोरी हो चुकी है। पूर्व में भी दानपेटी से नकदी चोरी की गई थी। कुछ समय पहले चोरों ने मंदिर का ताला तोड़ने का प्रयास भी किया था। बार-बार मंदिर को निशाना बनाए जाने के बावजूद वारदातों पर अंकुश नहीं लग पाने से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप- लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय रहवासियों और व्यापारियों ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दी है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि पहले हुई घटनाओं की जानकारी भी पुलिस को दी गई थी, लेकिन अब तक चोरों की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। लोगों का मानना है कि पूर्व की घटनाओं में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं।

डॉक्टर्स ने समस्त अभिभावकों से की सावधानी बरतने की भी अपील

जबलपुर के गैलेक्सी हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने 5 साल के बच्चे की आंत में 2 माह से फंसी लोहे की कील निकाली

जबलपुर। शहर के उखरी रोड स्थित गैलेक्सी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक सर्जरी सेंटर में डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपरेशन कर 5 साल के बच्चे की जान बचाई। बच्चे की डुओडेनम (छोटी आंत के शुरुआती हिस्से) में लंबे समय से एक नुकीली लोहे की कील 2 माह से फंसी हुई थी। परिजनों के अनुसार बच्चे ने गलती से कील निगल ली थी, जो आंत में फंस गई और धीरे-धीरे वहीं जम गई। एक्स-रे जांच में पेट में कील साफ दिखाई दी। मामला गंभीर था क्योंकि नुकीली कील से आंत फटने और इंफेक्शन फैलने का खतरा था। इस चुनौतीपूर्ण केस को पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. आर.एस. सिसोदिया और डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. नंदन शर्मा की टीम ने संभाला। एडवांस्ड पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर एवं आईसीयू सेंटर में सावधानीपूर्वक सर्जरी कर डुओडेनम से कील को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गैलेक्सी हॉस्पिटल के एडवांस्ड कार्डियक, क्रिटिकल केयर एंड ट्रॉमा सेंटर के साथ-साथ पीडियाट्रिक सर्जरी सेंटर में बच्चों की जटिल सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। डॉक्टरों ने अभिभावकों से अपील की है कि छोटे बच्चों को छोटी और नुकीली वस्तुओं से दूर रखें और यदि बच्चा कोई बाहरी वस्तु निगल ले तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।







हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240